नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

बिहार में मतदान के लिए एक मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की लगी कतार।

• बोकारो, शुक्रवार 7 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 170 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

भुरकुंडा ओपी प्रभारी हटाए गए

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने भुरकुंडा ओपी प्रभारी निर्भय गुप्ता को उनके पद से हटा दिया है। उनकी जगह रामगढ़ थाना में पदस्थापित सब-इंस्पेक्टर उपेंद्र कुमार को भुरकुंडा ओपी का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह कार्रवाई मंगलवार 4 नवंबर को भुरकुंडा बाजार में हुई एक घटना के बाद की गई है। उस दिन जाम की स्थिति के दौरान निर्भय गुप्ता और रांची के दो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के बीच विवाद हो गया था।

मजदूर की मौत पर हंगामा

कोडरमा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के जयनगर थाना क्षेत्र स्थित केटीपीएस (बांझेडीह पावर प्लांट) में बुधवार को हुए एक हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई। इसके विरोध में गुरुवार को मृतक प्रकाश यादव के परिजनों ने केटीपीएस के गेट नंबर एक को जाम कर दिया। वे मुआवजे की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। सीटू नेता विजय पासवान ने बताया कि यह हादसा प्लांट और कोयला खाली करने वाले रेक पॉइंट पर सुरक्षा मानकों की कमी के कारण हुआ। उन्होंने कहा कि प्रकाश यादव की आकस्मिक मौत से पूरा परिवार सदमे में है।

बच्चे का शव नदी से मिला

गुमला (नबिटा ब्यूरो)। जिले के सिसई थाना क्षेत्र में पंडरिया नदी से एक 10 वर्षीय बच्चे का शव बरामद किया गया है। पुलिस ने मामले में हत्या की आशंका जताते हुए जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान शिव प्रसाद साहू के पुत्र आयुष राज के रूप में हुई है। एसआई आशीष कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस टीम मामले की गहनता से छानबीन कर रही है।

बनारस में गंगा में डूबा पलामू का युवक

मेदिनीनगर (नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के उतकी गांव निवासी 24 वर्षीय यतीश पांडेय का शव बनारस में गंगा नदी से बरामद किया गया। यतीश रविवार को गंगा स्नान के दौरान डूब गए थे जिसके बाद तीन दिनों से गोताखोरों की टीम उनकी तलाश में जुटी थी। जानकारी के अनुसार यतीश अपनी मां के इलाज के लिए इंटरसिटी एक्सप्रेस से बनारस पहुंचे थे। वहां मां-बेटे दोनों गंगा स्नान करने गए लेकिन स्नान के दौरान यतीश गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना के बाद प्रशासन ने तत्काल गोताखोरों को लगाया जिन्होंने लगातार तीन दिनों की मशक्कत के बाद उनका शव बुधवार को बाहर निकाला।

सात दिनों से लापता छात्र का शव मिला

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के रक्सी गांव निवासी सत्यम साहू का शव सात दिन बाद गुरुवार को धमनिया स्थित पानी भरे एक पत्थर खदान में मिला। परिजनों ने प्रेम-प्रसंग के चलते सुनियोजित हत्या की आशंका जताई है। 30 अक्टूबर से लापता सत्यम का शव क्षत-विक्षत हालत में मिलने के बाद गुमशुदगी का यह मामला अब हत्या में बदल गया है। सत्यम साहू 30 अक्टूबर की शाम को ट्यूशन पढ़ने जाने की बात कहकर घर से निकला था लेकिन वापस नहीं लौटा।

अवैध लॉटरी गिरोह का भंडाफोड़

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। धनबाद पुलिस ने गोविंदपुर थाना क्षेत्र के जंगलपुर गांव में अवैध लॉटरी संचालन करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया और मौके से लाखों रुपए के लॉटरी टिकट तथा अन्य उपकरण जब्त किए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देवघर जिले के निवासी मोहम्मद शाहिद, शाहरुख खान, अकबर अली, कैसर अंसारी और मोहम्मद जानू के रूप में हुई है।

झारखंड के सरकारी अस्पतालों में दुरुस्त होगी आइसीयू व सीसीयू की व्यवस्था

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में सरकारी और निजी अस्पतालों में आईसीयू-सीसीयू की व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के प्रयास तेज हो गए हैं। इस दिशा में एसओपी यानी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर फॉर क्रिटिकल केअर यूनिट्स पर क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और परिवार कल्याण विभाग के द्वारा आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में स्वास्थ्य विभाग में विशेष सचिव डॉ नेहा अरोड़ा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के झारखंड के परियोजना निदेशक शशि प्रकाश झा के साथ-साथ सभी जिले की सिविल सर्जन, सदर अस्पतालों के उपाधीक्षक, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों के साथ-साथ रिम्स क्रिटिकल केयर के इंचार्ज डॉ प्रदीप भट्टाचार्य, आइजीआइएमएस के चिकित्सक, बीएचयू के डॉ प्रदीप गुप्ता, झारखंड के स्वास्थ्य निदेशक प्रमुख डॉ सान्याल, एम्स भोपाल के डॉ सौरभ सैगल सहित कई विशेषज्ञ डॉक्टरों ने आईसीयू और सीसीयू कैसा हो इस विषय पर अपनी अपनी बातें रखी और बताया कि कैसे आईसीयू और सीसीयू के स्टैंडर्ड को अपडेट कर लोगों की जान बचाई जा सकती है। झारखंड सरकार और स्वास्थ्य विभाग राज्य के सरकारी और गैरसरकारी अस्पतालों में आईसीयू और सीसीयू की व्यवस्था को दुरुस्त करने की कोशिश में है। इसके लिए सरकारी स्तर पर एक एसओपी बनाया जा रहा है। अभी जो

प्रस्तावित एसओपी तैयार किया गया है उसे रिम्स के ट्रॉमा विभाग के एचओडी डॉ प्रदीप भट्टाचार्य ने तैयार किया है। उसी एसओपी पर आज विशेषज्ञों के साथ चर्चा की गई। क्षेत्रीय कार्यशाला के दौरान स्वास्थ्य विभाग की विशेष सचिव डॉ नेहा अरोड़ा ने कहा कि सभी सिविल सर्जनों को यह सुनिश्चित करना होगा कि आपात स्थिति में मरीजों को उनके जिले में ही पहले इतना इलाज मिल जाए कि वह स्टेबल हो जाएं तब उन्हें उच्च संस्थान रेफर किया जाए। ऐसा करने से मरीजों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि गढ़वा, साहिबगंज जैसे कई दूरस्थ जिले हैं। अगर वहां के मरीजों को ट्रॉमा या इमरजेंसी के समय में बिना ट्रीटमेंट के रेफर करने लग गए तो खतरा बढ़ जाएगा। डॉ नेहा अरोड़ा ने कहा कि सभी सिविल सर्जनों को इसके लिए संवेदनशील होने की जरूरत है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के झारखंड के मिशन डायरेक्टर शशि प्रकाश झा ने कहा कि सरकार की सोच इस दिशा में काम कर रही है कि निजी अस्पतालों से ज्यादा बेहतर क्रिटिकल केयर की सुविधा राज्य के सरकारी अस्पतालों में हो। जरूरत के समय मरीजों को आईसीयू और सीसीयू की बेहतर सुविधा उनके जिले और अनुमंडल के सरकारी अस्पतालों में हो जाए, इसके लिए एसओपी बनाने की कवायद चल रही है। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं राज्य में जरूरत के समय मरीज तत्काल और बिना समय गंवाए हॉस्पिटल पहुंच सकें इसके लिए 207 और एंबुलेंस की खरीद प्रक्रियाधीन है। राज्य के सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को कोई परेशानी न हो और अस्पताल का मैनेजमेंट भी सुचारू रूप से चले इसके लिए 150 हॉस्पिटल मैनेजर नियुक्त करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि रांची सदर अस्पताल की तर्ज पर अन्य जिला अस्पतालों में आयुष्मान भारत के तहत सुविधा बढ़ाने और जरूरत पड़ने पर निजी अस्पतालों के डॉक्टर को भी रखने के लिए कहा गया है।

जिला परिषद का बड़ा बाबू गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) पलामू की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला परिषद के बड़ा बाबू संतोष सिंह को 65 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार बड़ा बाबू को दफ्तर से गिरफ्तार किया। इसके बाद पड़ताल के लिए सरकारी आवास भी लेकर गई। वहां जांच के बाद टीम लेकर चली गई। जानकारी के मुताबिक लातेहार के संवेदक बबलू पांडेय ने पुल निर्माण का कार्य पूरा कर लिया था लेकिन भुगतान रोक दिया गया था। भुगतान के एवज में बड़ा बाबू संतोष सिंह ने 65 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। परेशान होकर संवेदक ने एसीबी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद टीम ने योजना बनाकर कार्रवाई की। एसीबी सूत्रों के अनुसार शिकायत की पुष्टि के बाद टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही संवेदक ने तय राशि संतोष सिंह को सौंपी, पलामू एसीबी की टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें उनके सरकारी क्वार्टर से रंगेहाथ पकड़

लिया। गिरफ्तारी के बाद उनके आवास की भी तलाशी ली गई जिसमें कई दस्तावेज और लेन-देन से जुड़ी जानकारी मिली है। एसीबी की इस कार्रवाई के बाद लातेहार जिला परिषद कार्यालय में हड़कंप मच गया है। कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल देखा गया और कई अधिकारी तुरंत दफ्तर छोड़कर निकल गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि संतोष सिंह पिछले कई वर्षों से एक ही कार्यालय में पदस्थापित थे। कई बार उपायुक्त बदले जाने के बावजूद उनका तबादला नहीं हुआ। कुछ समय पहले उन्हें महुआडांड़ प्रखंड भेजा गया था लेकिन वह फिर से जिला परिषद कार्यालय लौट आए। लोगों का आरोप है कि कार्यालय में बिना रिश्वत के कोई कार्य नहीं होता था। भुगतान या फाइल पास कराने के लिए अनैतिक वसूली आम बात बन गई थी। एसीबी की इस कार्रवाई से भ्रष्टाचार में लिप्त अन्य कर्मचारियों में भी खौफ देखा जा रहा है। फिलहाल टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। मामले में आगे की जांच जारी है।

बोलेरो और टैंकर में टक्कर दो की मौत, कई घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गुमला। खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ जिसमें खूंटी जिले के दो युवकों की मौत हो गई। वहीं पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। युवक सिमडेगा में आयोजित राम रेखा धाम मेले से लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ। हादसा गुमला जिले के कामडारा थाना क्षेत्र के पोकला बाजार के पास हुआ। मुरहू प्रखंड के हांसा गांव निवासी शिवदत्त मांझी और अनुज मांझी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में प्रभाष कुमार समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। अन्य घायलों में रेवा गांव निवासी अमित महतो और चंद्रू राम, जुरदाग निवासी सुनील कुमार और मुरहू के बांदे गांव निवासी रंजीत महतो शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बोलेरो प्रभाष कुमार चला रहा था। सभी युवक राम रेखा मेले से लौट रहे थे। सुबह करीब साढ़े चार बजे पोकला बाजार के पास उनकी बोलेरो एक टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पलट गई। हादसे के बाद स्थानीय निवासियों और पुलिस की मदद से लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी सवारों को वाहन से बाहर निकाला गया। घायलों को कामडारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रिम्स (पुनर्वास एवं आव्रजन सेवाएं) रेफर कर दिया गया। कामडारा पुलिस ने उनके परिजनों को सूचित कर दिया है। कामडारा थाना प्रभारी शशि कुमार ने बताया कि उन्हें सुबह सूचना मिली कि एक बोलेरो और टैंकर के बीच भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से बोलेरो में सवार लोगों को बचाया गया, जिनमें से दो की मौत हो चुकी थी। घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मृतकों और घायलों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और दुर्घटना की जांच की जा रही है।

ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प मामले में प्राथमिकी

50 अज्ञात महिला समेत 100 लोगों को किया आरोपित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के रेवारातू में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हुई झड़प मामले में दंडाधिकारी के आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में तीन नामजद जबकि 50 अज्ञात महिला और 50 अज्ञात पुरुष को आरोपी बनाया गया है। बुधवार को दंडाधिकारी और पुलिस की टीम लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के रेवारातू में माइंस को चालू करवाने गई थी। इसी दौरान झड़प हो गई थी। इस झड़प में पुलिस के चार जवान जख्मी हो गए थे। साथ ही दो जवानों के सिर में गंभीर रूप से चोट लगी थी जबकि दंडाधिकारी के आदेश के बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। घटना के बाद दंडाधिकारी संजीत कुमार ने लेस्लीगंज थाना में आवेदन दिया था। इसी आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। इस संबंध में लेस्लीगंज थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने बताया कि दंडाधिकारी के आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है। इस घटना में पुलिस के जवान जख्मी हुए हैं। घटना के तीसरे दिन गुरुवार को लेस्लीगंज के रेवारातू में पत्थर खदान के पास बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। दंडाधिकारी और पुलिस बल की मौजूदगी में पत्थर खदान में खनन का काम शुरू हो गया है। हालांकि गुरुवार को विरोध में कोई भी ग्रामीण सामने नहीं आये। दरअसल रेवारातू में बुधवार को पत्थर खदान में खनन के विरोध में ग्रामीण जमा हुए थे और पुलिस बल के साथ उनकी झड़प हुई थी।

नदी में डूबे चार युवकों के शव मिले, दो लापता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। धनबाद-बोकारो फोरलेन पर तेलमोच्चो पुल के नीचे दामोदर नदी में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हुए हादसे में चार युवकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। बुधवार को स्नान के दौरान छह युवक नदी में डूब गए थे जिनमें से दो की तलाश अभी भी जारी है। स्थानीय गोताखोरों की मदद से अब तक चार युवकों के शव नदी से निकाले जा चुके हैं। लापता युवकों में भीमकनाली के दो और भूली के चार युवक शामिल हैं। बरामद शवों में से एक की पहचान भूली ए ब्लॉक निवासी स्वर्गीय उपेंद्र यादव के पुत्र विजय यादव के रूप में हुई है। इधर गुरुवार सुबह तक लापता युवकों के शव बरामद न होने से आक्रोशित स्थानीय ग्रामीणों और परिजनों ने धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग जाम कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और जिला प्रशासन ने लोगों को समझाकर जाम समाप्त कराया। बता दें कि कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को स्नान करने तेलमच्चो स्थित दामोदर नदी गए 5-5 युवकों के दो समूहों के साथ बड़ा हादसा हो गया था। जहां एक तरफ कतरास के भीमकनाली में रहने वाले पांच दोस्त नदी के तेज बहाव बह गए। वहीं भूली से गए पांच दोस्त में से चार एक घंटे बाद उसी जगह स्नान के दौरान तेज धार की चपेट में आ गए। भीमकनाली के तीन युवकों को तो स्थानीय लोगों ने बचा लिया पर बाकी पानी में लापता हो गए। बाघमारा सीओ गिरजानंद किस्कू ने बताया कि भीमकनाली और भूली के कुल छह युवक नदी की तेज धारा में लापता हुए थे। इनमें से चार के शव स्थानीय गोताखोरों ने निकाल लिए हैं। शेष दो युवकों की तलाश जारी है। एनडीआरएफ की टीम के पहुंचने पर तलाशी अभियान में तेजी आएगी।

अपहृत दो नाबालिग छात्राएं दिल्ली से बरामद

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। दो नाबालिग लड़कियों के अपहरण के मामले में गुमला पुलिस ने समस्तीपुर बिहार के चकमैसी मदनपुर निवासी विकास सिंह को दिल्ली के करोलबाग इलाके के टोडापुर दशघरा से गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने दोनों नाबालिग लड़कियों को सकुशल बरामद कर लिया है। इसकी पुष्टि गुमला एसपी हारिश बिन जमां ने की है। गिरफ्तार युवक विकास सिंह के खिलाफ अपहरण और अन्य धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गुरुवार को जेल भेज दिया गया है। एसपी हारिश बिन जमां ने बताया कि गुमला से दो नाबालिग छात्रा के गायब होने के मामले में उनके परिजनों ने अपहरण की आशंका व्यक्त करते हुए गुमला थाने में शिकायत की थी। आवेदन मिलने के बाद गुमला थाना में 13 अक्टूबर को बीएनएस की धारा 96 के तहत कांड संख्या 336 दर्ज किया था। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई थी।

विदेशी पर्यटकों को लुभाने लगा बेतला नेशनल पार्क

कोरोना काल के बाद पहली बार फ्रांस के पर्यटक पहुंचे पीटीआर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। झारखंड का बेतला नेशनल पार्क एक बार फिर से विदेशी पर्यटकों को लुभाने लगा है। बेतला नेशनल पार्क में जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम के पर्यटकों को पहुंचाने का इतिहास रहा है। इस बार फ्रांस का नाम जुड़ा है। फ्रांस के पांच पर्यटक बेतला नेशनल पार्क घुमने के लिए पहुंचे और पांचों पर्यटकों ने जंगल सफारी का लुत्फ उठाया। इस दौरान फ्रांसीसी पर्यटकों ने हिरण, मोर, बायसन, हाथी, बंदर समेत कई वन्य जीवों को देखा और उन्हें नजदीक से जाना है। फ्रांस के पर्यटक जेरार्ड पेलिसन, जोसेट डुप्लौय, क्रिस्टीन फ्रैंचेट, एनी डेलेले, वैलेंटे पेलिसन बेतला नेशनल पार्क पहुंचे थे। बेतला नेशनल पार्क के प्रबंधन के तरफ से उनके आगमन की जानकारी मिलने के बाद उन सभी सैलानियों का

स्वागत किया गया। पांच पर्यटक बेतला नेशनल पार्क में सफारी का आनंद लिया। इस दौरान पर्यटन नेशनल पार्क के डायरी में कुछ नोट्स भी लिखा है। फ्रांसीसी पर्यटकों ने नेशनल पार्क के जंगल सफारी की जमकर तारीफ की है। कोविड-19 के बाद पहली बार बेतला नेशनल पार्क के इलाके में विदेशी पर्यटकों की टीम पहुंची। कोविड से ठीक पहले जर्मनी के दो बेतला नेशनल पार्क के इलाके में पहुंचे थे। साल 2025 में अब तक 20 हजार से अधिक लोगों ने अब तक जंगल सफारी का आनंद लिया है। हालांकि यह डाटा सिर्फ बेतला नेशनल पार्क में जंगल सफारी करने वालों का है। इससे कई गुना अधिक पर्यटक बेतला नेशनल पार्क के इलाके में दाखिल हुए है। पलामू किला, मंडल डैम, कमलदह, नेतरहाट और अन्य वाटरफॉल जाने वाले पर्यटकों का आंकड़ा इसमें शामिल नहीं है। बेतला नेशनल पार्क पश्चिम बंगाल के पर्यटकों का सबसे बड़ा पसंद है। बेतला नेशनल पार्क में आने वाले पर्यटकों में 70 प्रतिशत के करीब बंगाल के पर्यटकों का आंकड़ा है। इसके अलावा ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार और उत्तर भारत से भी पर्यटक इलाके में पहुंचते हैं। बेतला नेशनल पार्क, पलामू टाइगर रिजर्व का सबसे बड़ा पर्यटन स्थल है। बेतला नेशनल पार्क में पर्यटक बाघ, तेंदुआ, हाथी समेत कई वन्य जीव को देखने के लिए पहुंचते हैं।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।
2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।
3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। समाहरणालय सभागार में आज उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में कल्याण विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। जिसमें उन्होंने मुख्य रूप से:- प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति 2025-26 के अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत छात्रों का रजिस्ट्रेशन एवं सत्यापन संबंधित वक्ड द्वारा कराते हुए जिला कल्याण पदाधिकारी को अग्रसारित करने का निर्देश सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को दिए।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत अनुसूचित जनजाति मुख्यतः बिरहोर एवं अनुसूचित जाति के अधिक से अधिक आवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिए। साइकिल वितरण योजना 2025-26 के तहत वितरण का कार्य एक सप्ताह के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

कल्याण विभाग की योजनाएं यथा सरना, मसना, हड़गड़ी की घेराबंदी, अल्पसंख्यक कब्रिस्तान घेराबंदी, धूमकुड़िया/मांझी हाउस निर्माण योजना का समय-समय पर जांच करने का निर्देश सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को दिया गया। मौके पर उपस्थित सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को फील्ड विजिट करते हुए सभी कल्याणकारी योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त महोदय द्वारा सभी असंचालित छात्रावासों का जल्द से जल्द संचालन शुरू कराने का निर्देश जिला कल्याण पदाधिकारी को दिया गया। इस मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी मुरली यादव, विभाग के कर्मी एवं सभी प्रखंडों के प्रखंड कल्याण पदाधिकारी की उपस्थिति रही।

समाज कल्याण व सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

■ प्रगति संतोषजनक नहीं रहने पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण करने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा की गई एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में पोषण ट्रैकर ऐप में लाभार्थियों का आधार सत्यापन एवं फेस ऑथेंटिकेशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, ओल्ड कैश पेंडेंसी, पोषण अभियान अंतर्गत फेशियल रिकॉग्नाइजेशन सिस्टम की वर्तमान स्थिति, कुपोषित एवं अति गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या, सम्मर अभियान, उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम, आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की भौतिक स्थिति, बिजली, गैस, शौचालय एवं पेयजल कनेक्शन की उपलब्धता, सावित्रीबाई फुले एवं मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, तथा आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका चयन की स्थिति पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने बैठक में कम प्रगति वाले

प्रखंडों पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को तेज गति से लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, एम.टी.सी. में बेड खाली रहने सहित अन्य योजनाओं में कम प्रगति वाले परियोजना से स्पष्टीकरण करते हुए प्रगति बढ़ाने का निदेश दिया। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के संदर्भ में उपायुक्त ने कहा कि योग्य लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने सम्मर अभियान के कार्यान्वयन पर विस्तृत चर्चा करते हुए पोर्टल पर डाटा अपलोड करने का निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को अपने क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर प्रखंड स्तर पर संचालित योजनाओं का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर कार्य प्रगति धीमी है, वहां नियमित समीक्षा करते हुए समस्याओं का समाधान किया जाए एवं प्रगति में सुधार लाया जाए। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती शिप्रा सिन्हा, सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, जिला कार्यालय के अभिषेक कुमार सिंह, अनुभा श्वेता होरो, सतीश कुमार रजक सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जूटक्रॉफ्ट प्रशिक्षण से महिलाओं को मिली आत्मनिर्भरता की राह, 25 दिवसीय कौशल उन्नयन प्रशिक्षण का हुआ समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के सौजन्य से जन जागरण केंद्र बरही हजारीबाग द्वारा आयोजित 25 दिवसीय जूटक्राफ्ट कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह बसरिया गांव स्थित बरही सेंटर में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण 09 सितम्बर से 09 अक्टूबर 2025 तक चला, जिसमें स्थानीय महिलाओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को जूटक्राफ्ट की आधुनिक तकनीकों एवं डिजाइनों का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार एवं आजीविका सृजन के अवसर प्रदान करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जूट उत्पादों की डिजाइनिंग, निर्माण, गुणवत्ता सुधार, पैकेजिंग और विपणन से संबंधित व्यावहारिक जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें टूलकिट, प्रिंटिंग मशीन और जूट सिलाई मशीन के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया। समापन समारोह में मुख्य

अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड, हजारीबाग के जिला उद्यमी समन्वयक श्रीश त्रिपाठी, जन जागरण केंद्र के निदेशक अजय कुमार सिंह, बसरिया मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, प्रखंड उद्यमी समन्वयक सुरेश चंद्र महतो, मास्टर ट्रेनर मोहम्मद ऐहसान, जैनुल तथा केंद्र के बरही कोऑर्डिनेटर चितरंजन उपस्थित थे। मुखिया प्रतिनिधि ने कहा कि जूटक्राफ्ट प्रशिक्षण से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। पारंपरिक कला को आधुनिक तकनीक से जोड़कर अब ग्रामीण महिलाएं घर बैठे स्वरोजगार स्थापित कर सकती हैं। यह प्रशिक्षण महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त करेगा। प्रशिक्षण उपरांत सफल प्रतिभागियों को प्रशिक्षण एजेंसी द्वारा वर्क ऑर्डर दिया जाएगा और उन्हें विभिन्न मेलों में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर भी मिलेगा। साथ ही मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड के सहयोग से बरही में जूटक्राफ्ट की लघु उत्पादन इकाई स्थापित की जा रही है, जिसमें प्रशिक्षित महिलाएं जूट उत्पादों का निर्माण कर आत्मनिर्भर बनेंगी। इस प्रशिक्षण से जुड़ी पहल ने साबित किया है कि कौशल विकास और स्थानीय संसाधनों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण और रोजगार सृजन के नए द्वार खोले जा सकते हैं।

वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों एवं सड़क सुरक्षा नियमों का पालन अवश्य करें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरीडीह जिले में बढ़ते सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए परिवहन विभाग,राँची के निदेशानुसार चौथा दिन जिला परिवहन पदाधिकारी, गिरिडीह एवं मोटर यान निरीक्षक, गिरिडीह के साथ संयुक्त रूप से गिरिडीह-देवघर एनएच-114ए नवसारी टोल प्लाजा, बेंगाबाद के पास रफ़्तार घटाओ सुरक्षा बढ़ाओ, हिट एंड रन एवं गुड समेरिथिन योजना के बारे में जागरूकता अभियान किया गया और बताया गया की वाहन को उनकी गति सीमा के अंदर ही चलाएँ इससे जरूरत पढ़ने पर वाहन को रोकने तथा नियंत्रित करने का पर्याप्त समय मिलता है, नियंत्रित गति सीमा से बाहर वाहन चलाने पर मोटरयान अधिनियम 2019 की धारा 183 के तहत आपको दंड स्वरूप भरना पड़ सकता है, सड़क पर रेसिंग करते पकड़े जाने पर चालक को मोटरयान तो अधिनियम 2019 की धारा 189 के तहत पहले अपराध के लिए पाँच हजार या तीन महीने के कारावास या दोनों से दंडित किया जाएगा साथ ही सड़क पर वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों एवं सड़क सुरक्षा नियमों का पालन अवश्य करें। जागरूकता अभियान के दौरान सभी लोगो के बीच रोड़ सेफ्टी हैण्डबुक, रोड़ सेफ्टी पम्पलेट एवं रफ़्तार घटाओ सुरक्षा बढ़ाओ पम्पलेट कि भी वितरण कि गई।

जुआ खेलते तीन गिरफ्तार, पुलिस ने की छापेमारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्ठा हजारीबाग। बरकट्ठा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कपका स्थित पुराना आहार शिव मंदिर के पास एक भवन के पीछे छापेमारी कर जुआ खेलते तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में विकास मंडल, मनोज मंडल और महेश पासवान शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि कुछ लोग उक्त स्थान में एक भवन के पीछे जुआ खेल रहे हैं। सूचना के आलोक में बरकट्ठा थाना पुलिस के द्वारा छापेमारी कर जुआ खेलते हुए तीन लोगों को भागने के क्रम में पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के पास से कुल-नगद 10,800/-, मोटरसाईकिल,

कार, तास की गड्डी एवं मोबाईल बरामद किया गया है। उपरोक्त तीनों अभियुक्तों को बरकट्ठा थाना कांड सं0-152/25, धारा-112 बी0एन0 एस0 एवं 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उक्त अभियुक्तों के बताये अनुसार जुआ संचालन करने वाले अपराधियों के विरूद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्यवाही की जा रही है। छापेमारी दल में पु०अ०नि० पंकज सिन्दूरिया, थाना प्रभारी बरकट्ठा, पु०अ०नि० रतन शर्मा, बरकट्ठा थाना और बरकट्ठा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

आसनसोल डिवीजन की डीआरएम पहुंची गिरिडीह

किया स्टेशन का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आसनसोल डिवीजन की डीआरएम सरिता श्रीवास्तव स्पेशल ट्रेन से गिरिडीह रेलवे स्टेशन पहुंची और निरीक्षण किया इस मौके पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दीए। वंही डीआरएम के आगमन को लेकर पूर्व में ही गिरिडीह रेलवे स्टेशन मेंव्यापक रूप से तैयारी की गई थी। इस मौके पर विभाग के डिप्टी कलेसटर विकास कुमार ने कहा कि डीआरएम द्वारा यह

निरीक्षण किया गया है ताकि गिरिडीह रेलवे स्टेशन का जल्दी मॉडिफिकेशन तथा सुविधाओं से लैस किया जाएगा, ताकि यात्रियों

को बेहतर सुविधा प्रदान की जा सके ।इस मौके पर गिरिडीह रेलवे स्टेशन मास्टर समेत विभागीय अधिकारी व कर्मी भी मौजूदथे।

भव्य नगर भ्रमण के साथ कार्तिक एकादशी उद्यापन संपन्न

धार्मिक उल्लास में डूबा बरकट्ठा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्ठा (हजारीबाग)। कार्तिक माह के अवसर पर आयोजित 9 दिवसीय एकादशी उद्यापन का समापन गुरुवार को भव्य नगर भ्रमण के साथ किया गया। व्रती मेनवा देवी, पति टुकलाल महतो (बरकट्ठा बाजार) की ओर से यह धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ।

नगर भ्रमण में लाल-पीले वस्त्रों से सुसज्जित देवी स्वरूपा माताएं और बहनें ठाकुर जी के साथ शामिल हुईं। यात्रा निकलते ही पूरे बरकट्ठा में भक्ति, भजन और जयकारों की गूंज सुनाई दी, जिससे वातावरण पूर्णतः धार्मिक रंग में रंग गया। नगर भ्रमण यात्रा बुढ़िया माता मंदिर से प्रारंभ होकर पूरे बरकट्ठा बाजार होते हुए यज्ञशाला परिसर पहुंची, जहां भंडारा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान डीएसपी मनीष चंद्र लाल, कांग्रेस जिला अध्यक्ष जे.पी. पटेल की पत्नी ललिता देवी, गुमला के मिसिर कुजूर, व्यवसायी दीपांकर साहू, ज्योति साहू, दिल्ली से आई कुमारी रमेश शर्मा (पूर्व परियोजना निदेशक, उत्तर प्रदेश सरकार), जिला परिषद सदस्य कुमकुम देवी, मुखिया कमल प्रसाद, पूर्व मुखिया बसंत साव, इंद्रदेव प्रसाद, पूर्व मुखिया गोपाल प्रसाद, पंसस प्रतिनिधि दिनेश प्रसाद, शिक्षक दिनेश महतो, संतोष कुमार देव, संजय कुमार, नरेश मंडल समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने धार्मिक भक्ति और आस्था के वातावरण में ठाकुर जी के दर्शन कर आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए विभागीय शिविर 8 को

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही हजारीबाग। अनुमंडल बरही के सभी प्रखंडों के बिजली उपभोक्ताओं के लिए बिजली विभाग ने 8 नवंबर को शिविर का आयोजन किया है। शिविर में बिजली उपभोक्ताओं का मोबाईल नंबर और प्रतिभूति राशि अपडेट किया जाएगा। सहायक अभियंता और सभी कनीय अभियंताओं ने प्रखंडों के सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि शिविर में पहुंच कर अपना अपना मोबाईल नंबर एवं प्रतिभूति राशि अपग्रेडेशन का कार्य अवश्य करवा लें 8 नवंबर को बरही प्रखंड के उपभोक्ताओं के लिए विद्युत कार्यालय न्यू कॉलोनी बरही में शिविर का आयोजन होगा। चौपारण के उपभोक्ताओं के लिए प्रखंड भवन चौपारण में। पदमा के लिए प्रखंड भवन पदमा में। बरकट्ठा प्रखंड का शिविर प्रखंड भवन बरकट्ठा में लगाया जाएगा और चलकुशा प्रखंड का शिविर प्रखंड भवन चलकुशा में 8 नवंबर को लगाया जाएगा।

स्टोरी टेलिंग सर्कल एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चुरचू /हजारीबाग। झारखंड महिला उत्थान के तत्वाधान में सोशल एक्शन प्लान के तहत उत्क्रमित मध्य विद्यालय जरवा में सेल्फ लीडरों और ट्रेनर के द्वारा स्टोरी टेलिंग सर्कल का आयोजन किया गया जिसमें कहानी से अभियान तक कार्यक्रम में स्कूल विजिट के दौरान गहराई से किशोरियों के साथ बातचीत किया गया, कि कहानी के माध्यम से लड़कियों और महिलाओं के स्थानीय मुद्दों को एक दूसरे के साथ साझा करना जिसमें किशोरियों ने कहानी का पेड़ चार्ट पेपर में बनाया कहानी के पेड़ की पत्तियों में महिलाओं और किशोरियों की कहानी को लिखकर दशार्या और शाखाएं को बदलाव से दर्शाए।

कहानी में बतलाने का प्रयास किया कि अभी भी समुदाय में पारंपरिक पुरानी सोच विचार के तहत लड़कियों को बातों बात में रोक टोक ,जल्द शादी ,रोजमर्रा की पाबंदियां ,खेलने के लिए रोक-टोक एवं

स्कूल में शौचालय की साफ सफाई की कमी नैपकिन की व्यवस्था नहीं है। जिससे पीरियड्स के समय लड़कियों को दिक्कतें होती है। कहानी से अभियान के जरिए हर लड़की को अपनी ताकत पहचान ने में मदद करना, किशोरियों को अपने सपने के लिए आगे बढ़ाने की हिम्मत देना एवं गांव की हर लड़की को अपनी आवाज उठाने और अपनी बात करने का अवसर देने के लिए प्रेरित करना। किशोरिया मुख्य संदेश मिलकर बोले "एक साथ चले, बदलाव की ओर बढ़े।" नई सोच नया सफर" "हमारी बात, हमारी ताकत" "हमारी कहानी, हमारा अभियान" इस स्टोरी टेलिंग सर्कल कहानी से अभियान तक कार्यक्रम में सेल्फ लीडर माही कुमारी सुनिता कुमारी, चिन्ता तिग्गा उषा देवी बबीता देवी मीना देवी प्रधानाध्यापक शिक्षिका एवं किशोरियों ने उपस्थित होकर अपना सहयोग दिया।

उपायुक्त ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में आपूर्ति विभाग अंतर्गत डोर स्टेप डिलीवरी से संबंधित बैठक की, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में आपूर्ति विभाग अंतर्गत डोर स्टेप डिलीवरी से संबंधित बैठक की। बैठक में उपयुक्त ने विभिन्न एजेंडों पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान एनएफए ग्रीन कार्ड, किरासन, चावल, चीनी, नमक वितरण इत्यादि का प्रखंडवार समीक्षा करते हुए शत प्रतिशत योग्य लाभुकों को लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए गए। उक्त बैठक के दौरान डोर स्टेप डिलीवरी को लेकर संबंधित एजेंसियों के साथ बैठक कर डोर

स्टेप डिलीवरी में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उक्त बैठक के दौरान निर्देश दिए गए की डोर स्टेप डिलीवरी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी गुलाम समदानी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे

वन विभाग की सख्त कार्रवाई

भगहर पंचायत में डेढ़ एकड़ वन भूमि अतिक्रमण से मुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। वन भूमि पर अवैध कब्जे के खिलाफ वन विभाग ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई अंजाम दी। चौपारण प्रखंड के भगहर पंचायत स्थित वन क्षेत्र में विभाग की टीम ने करीब डेढ़ एकड़ भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया।

जानकारी के अनुसार, वन विभाग को अहले सुबह गुप्त सूचना मिली थी कि वन भूमि पर ट्रैक्टर से जुताई कर बांस की घेराबंदी की जा रही है। सूचना मिलते ही वनपाल संतु कुमार के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंची और तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरी घेराबंदी को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकर्ता मौके से फरार हो गए। प्राथमिक जांच में पता चला है कि कुलदीप दांगी, जीतन दांगी, गोरेलाल दांगी, कपिल दांगी, स्व. विनोद दांगी की पत्नी तथा कुलु दांगी समेत अन्य लोग इस भूमि पर खेती का कार्य कर रहे थे। वनपाल संतु कुमार ने बताया कि सभी के खिलाफ वन अधिनियम के तहत वनवाद दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या निजी उपयोग कानूनन अपराध है, और विभाग ऐसी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखे हुए है।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा ताकि वन संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

उपायुक्त की अध्यक्षता में सीएसआर मद से क्रियान्वित विकास योजनाओं से संबंधित बैठक संपन्न, दिए गए जरूरी दिशा-निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त ने कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि जिले में सीएसआर फंड से चल रहे प्रोजेक्ट्स की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और उनकी प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए जिले में संचालित विकास योजनाओं की गति को बेहतर बनाने की आवश्यकता उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में सीएसआर से संबंधित समीक्षा बैठक की।

बैठक में जिले में विभिन्न कंपनियों एवं औद्योगिक इकाइयों द्वारा सीएसआर मद से किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी योजनाओं पर भी विस्तार पूर्वक की गई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि सीएसआर फंड का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ना है। इसलिए कंपनियों एवं

औद्योगिक इकाइयों को चाहिए कि वे अपनी सीएसआर गतिविधियों का अधिकतम लाभ शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण तथा कौशल विकास जैसे जनहितकारी कार्यों में सुनिश्चित करें। इस दौरान उपायुक्त ने सीएसआर द्वारा क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं के तहत किये जा रहे कार्यों के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया कि सारे कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय से पूर्ण करायें। आगे उपायुक्त ने अबतक चयनित योजनाओं के साथ-साथ उनकी कार्य प्रगति की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निदेश दिया कि निमार्णाधीन कार्यों को अविलंब पूर्ण कराएं, ताकि सारे कार्यों का जिला स्तर से निरीक्षण किया जा सकें। आगे उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में सीएसआर फंड से चल रहे प्रोजेक्ट्स की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और उनकी प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए। साथ ही कंपनियों के प्रतिनिधियों से कहा गया कि वे स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाओं का चयन करें, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सकें। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि विकास कार्यों में पूरी पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बरती जाय। सीएसआर अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यों में लापरवाही कोताही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जायेगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शिक्षा क्षेत्र में विद्यालयों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करने, पोषण संबंधी योजनाओं को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया बैठक में उप विकास आयुक्त, महाप्रबंधक, उद्योग विभाग, विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

कल्पना सोरेन ने थामी प्रचार की कमान घाटशिला में झामुमो के लिए मांगे वोट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

घाटशिला/पूर्वी सिंहभूम। जिला में झामुमो की ऐतिहासिक जनसभा में जनसैलाब उमड़ा। झामुमो के प्रति लोगों में अभूतपूर्व उत्साह दिखा। इस चुनाव प्रचार में गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, मंत्री दीपक बिरुआ, सांसद जोबा मांझी सहित कई दिग्गज नेताओं की मौजूदगी रही।

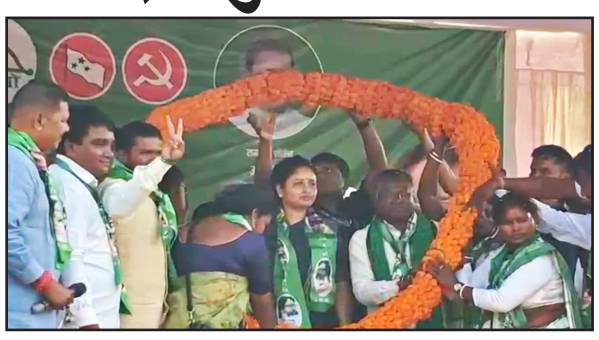

गंधनिया हाट मैदान में झामुमो का जमावड़ा

आज गुरुवार को गंधनिया हाट मैदान में झामुमो की ऐतिहासिक जनसभा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। चुनावी मंच पर गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा के कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति रही। इस सभा में मंत्री दीपक बिरुआ, सांसद जोबा मांझी, राज्यसभा सांसद महुआ मांझी, विधायक सविता महतो, पूर्व विधायक सत्यानंद भोक्ता, पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू, दिवंगत विधायक स्व। रामदास सोरेन की धर्मपत्नी सूरजमोनी सोरेन और पार्टी प्रत्याशी सोमेश सोरेन सहित कई दिग्गज नेता मौजूद रहे।

चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जनकल्याणकारी योजनाओं ने झारखंड की तस्वीर बदल दी है। स्व। रामदास सोरेन एक समर्पित और लोकप्रिय जनप्रतिनिधि थे, जिनकी विकास की विरासत आज भी जनता के दिलों में जीवित है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके पुत्र सोमेश सोरेन उसी मार्ग पर चलते हुए घाटशिला की जनता की सेवा करेंगे।

इस सभा को संबोधित करते हुए झामुमो की स्टार प्रचारक सह विधायक कल्पना सोरेन ने मंच पर उपस्थित सभी नेताओं, सुरक्षा कर्मियों और हजारों की संख्या में आए जनसमूह का हृदय से आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि स्व। दिशोम गुरु शिबू सोरेन और स्व। रामदास सोरेन के निधन से झारखंड ने अपने दो पुरोधा खो दिए हैं। ऐसा लगता है मानो भगवान ने गुरु और शिष्य दोनों को किसी विशेष कारण से अपने पास बुला लिया हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस विधानसभा का दायित्व एक युवा, कर्मठ और जनप्रिय नेता सोमेश सोरेन को सौंपा है। जो अपने पिता के प्रतिबिंब बनकर जनता के सुख-दुख में साथ रहेंगे।

कल्पना सोरेन ने महिलाओं की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज झारखंड की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह की सहायता देकर उन्हें सम्मान और आत्मविश्वास प्रदान किया है। इस सभा में उपस्थित भीड़ का उत्साह देखते ही बनता है।

बिहार में बनने जा रही है महागठबंधन की सरकार : प्रदीप यादव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। झारखंड कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने बिहार चुनाव पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वहां इस बार यूपीए के पक्ष में जनता खड़ी है। वहां के लोगों ने सत्ता परिवर्तन का मन बना लिया है। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस, वामदल का जो महागठबंधन है, उनकी सरकार बनने जा रही है। 14 नवंबर को, जो वोटों की गिनती होगी, उसमें हमारी पूर्ण बहुमत की सरकार बननी तय है। पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव 2010 के देवघर नगर थाना के एक केस में पेशी के लिए दुमका एमपी- एमएलए कोर्ट में पेश हुए थे। बिहार विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ महागठबंधन की सीटों पर तालमेल नहीं होने के संबंध में अपनी बात रखते हुए प्रदीप यादव ने कहा कि हम सब चाहते थे कि यह समझौता हो लेकिन नहीं होने के कुछ कारण रहे होंगे। अंदर की बातें नहीं कही जा सकती, लेकिन हम कह सकते हैं कि झारखंड मुक्ति मोर्चा महागठबंधन का हिस्सा आज भी है कल भी रहेगा, यह अटूट गठबंधन है।

झारखंडी क्षेत्रीय कलाकार सोसाइटी का गठन

लोक संस्कृति को नई पहचान दिलाने का संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड की संगीत और लोक संस्कृति को देश-दुनिया में पहचान दिलाने के उद्देश्य से 'झारखंडी क्षेत्रीय कलाकार सोसाइटी' का औपचारिक गठन किया गया है। रांची प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान संस्था से जुड़े कलाकारों ने इसकी घोषणा की। इस मौके पर झारखंड के विभिन्न जिलों से आए संगीतकार, लोक गायक, नृत्यकार, तकनीकी कलाकार और कई थिएटर कर्मी मौजूद रहे।

सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने बताया कि झारखंड की कला संस्कृति और लोक परंपराएं राज्य की पहचान हैं, लेकिन इन्हें वह मंच और समर्थन नहीं मिल सका, जिसकी ये हकदार हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए झारखंडी क्षेत्रीय कलाकार सोसाइटी की स्थापना की गई है। संस्था का उद्देश्य है राज्य के लोक कलाकारों को एकजुट करना। उन्हें पहचान और सम्मान दिलाना और पारंपरिक कला रूपों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना।

झारखंड में पारंपरिक लोक कला हाशिए पर

संस्था के सदस्यों ने कहा कि वर्तमान समय में आधुनिकता और वाणिज्यिक मनोरंजन के प्रभाव से पारंपरिक लोक कला हाशिए पर चली गई है। झारखंडी नृत्य, गीत-संगीत, नाटक और चित्रकला को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। सोसाइटी इस दिशा में ठोस प्रयास करेगी। इसके तहत कलाकारों को प्रशिक्षण, मंच, आर्थिक सहयोग और प्रचार-प्रसार का अवसर दिया जाएगा।

हर जिले में रीजनल आर्टिस्ट यूनिट का होगा गठन

प्रेस वार्ता में कलाकारों ने बताया कि संस्था की प्राथमिक योजना झारखंड के हर जिले में रीजनल आर्टिस्ट यूनिट का गठन करना है, ताकि स्थानीय कलाकारों की समस्याओं को सीधे तौर पर सुना और सुलझाया जा सके। साथ ही पारंपरिक लोक नृत्य जैसे झूमर, पाईका, डोमकच, फगुआ नाच, संथाली नृत्य और लोकगीतों के संरक्षण के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। सोसाइटी चाहती है कि राज्य सरकार झारखंडी लोक कला को पर्यटन नीति में शामिल करें, ताकि कलाकारों को आर्थिक स्थिरता मिल सके।

कलाकारों को सशक्त बनाना उद्देश्य

संस्था से जुड़े कलाकारों ने यह भी कहा कि यह संगठन न तो किसी राजनीतिक दल से जुड़ा है और न ही किसी सरकारी फंडिंग पर निर्भर रहेगा। अपनी गतिविधियों को चलाने के लिए सदस्यता शुल्क और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से प्राप्त आमदनी को ही पूंजी बनाया जाएगा। संस्था का उद्देश्य है कलाकारों के स्वाभिमान को बरकरार रखते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाना।

देश में मोदी और बिहार में नीतीश लिख रहे हैं विकास की कहानी : रेखा गुप्ता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिले के वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र से एनडीए के भाजपा प्रत्याशी अरुणा देवी के समर्थन में मतदाताओं को प्रेरित करने पहुंची दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और जमुई के लोजपा सांसद अरुण भारती ने जनसभा को संबोधित किया। जनसभा जिले के वारिसलीगंज के माफी में आयोजित थी, जिसमें रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जिस तरह भारत सफलता की कहानी लिख रहा है, उसी तरह नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार ने बदहाल और क्षीण कानून वाले बिहार को खुशहाल बिहार बनाया। यहां डबल इंजन वाली सरकार हर वर्ग महिला हो या युवा हो या बुजुर्ग, सभी के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि मोदी और नीतीश के नेतृत्व वाली चाहे केंद्र की सरकार हो या बिहार में जो वादा करते है, वो पूरा करते है। रोजगार की बात कहा तो मुद्रा योजना हो, विश्वकर्मा योजना हो, लखपति दीदी योजना हो, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना या अन्य योजना जिसका लाभ करोड़ों लोगों को देकर शान से जीने के लिए प्रेरित किया। बिहार में मुख्यमंत्री जीविका के माध्यम से महिलाओं

को साधकर किया बच्चियों को साइकिल, पोशाक देकर देकर स्कूल भेजा। बुजुर्ग के पेंशन की राशि बढ़ा दिया। 125 यूनिट बिजली मुफ्त दे रही। शिक्षा के लिए हर जिला में अभियंत्रण महाविद्यालय स्वास्थ के क्षेत्र में लगातार व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने कहा कि करोड़ों शौचालय मुफ्त गैस कनेक्शन आवास देकर प्रधानमंत्री गरीबों को इज्जत भरी जिंदगी जीने के लिए मनोवल बढ़ाया, जबकि दूसरी तरफ अराजकता का प्रतीक गठबंधन सिर्फ वादा करती है, लेकिन पूरा नहीं। कांग्रेस 60 बरसों में देश को बदहाल किया 2014 के पूरे 10 बरसों वाली यूपीए सरकार उसी तरह घोटालों के लिए जानी जाती है। जिस तरह 2005 के पूरे लालू- राबड़ी की सरकार। उन्होंने कहा कि तेजस्वी कहते है, सभी को नौकरी देंगे जो संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि पुरानी स्थिति को कोई नहीं लौटाना चाहेगा। 90 के दशक में लाठी था अब उनकी सरकार बनी तो कट्टा हाथों में नजर आयेगा। कोई बिहारवासी नहीं चाहेगा कि उनकी युवा कट्टा लेकर घूमे। मौके पर भाजपा प्रत्याशी अरुणा देवी, पूर्व जिला पार्षद सदस्य अखिलेश सिंह, जदयू नेता अजय कुमार रविकांत, भाजपा के प्रोफेसर सुरेंद्र चौधरी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

नालन्दा में शांतिपूर्ण माहौल में मतदान सम्पन्न, 57.58 फीसदी वोटिंग दर्ज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के प्रथम चरण में नालंदा जिले में गुरुवार को शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। मतदान सम्पन्न होने के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी कुंदन कुमार और पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे जिले में मतदान व्यवस्था, सुरक्षा, ईवीएम संरक्षण और आगामी मतगणना की तैयारियों की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 06 अक्टूबर से राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू है। नालंदा की सात विधानसभाओं—अस्थावां, बिहारशरीफ, राजगीर (अ.जा), इस्लामपुर, हिलसा, नालंदा व हरनौत में कुल 68 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। इस बार मतदान का औसत प्रतिशत 57.58% दर्ज किया गया, जो पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनाव की तुलना में बेहतर रहा है। सीटवार मतदान प्रतिशत 5 बजे तक दर्ज के अनुसार अस्थावां – 54.65 %, बिहारशरीफ – 53.05%, राजगीर – 60.80%, इस्लामपुर – 59.84%, हिलसा – 60.31%, नालंदा – 60.63%, हरनौत – 55.72 फीसदी दर्ज की गई है। इसके साथ ही 85+ और पीडब्लयू मतदाताओं ने घर बैठे मतदान की सुविधा का लाभ लिया। हरनौत विधानसभा के केंद्र संख्या 280 मुशहरी में सड़क और बिजली की मांग को लेकर मतदान बहिष्कार की सूचना की पुष्टि भी की गई। मतदान के बाद सभी इवीएम मशीनें नालंदा कॉलेज बिहारशरीफ स्थित बज्रगृह में सुरक्षित कर दी गई हैं। डबल लॉक सिस्टम, 24x7 सशस्त्र सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी, अभ्यर्थियों को लाइव मॉनिटरिंग की सुविधा जैसी व्यवस्थाएं लागू हैं।

शांतिपूर्ण मतदान बनी मिसाल

डीएम-एसपी की सक्रियता से चुनावी माहौल रहा सामान्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। आमतौर पर चुनावी माहौल में तनाव, भीड़-भाड़ और रोक-टोक रहती है। लेकिन इस बार का मतदान कुछ अलग था। शांत, सुव्यवस्थित और सौहार्दपूर्ण। न किसी तरह की तकरार, न कोई विवाद, न कोई अप्रिय घटना। पूरा दिन लोकतंत्र के महापर्व जैसा उत्सवमय माहौल नजर आया। इस सफलता के पीछे प्रशासन की सतर्कता और नेतृत्व क्षमता रहा। डीएम कुंदन कुमार और पुलिस अधीक्षक भारत सोनी स्वयं मैदान में सक्रिय रहे। सुबह से ही दोनों अधिकारी एक बूथ से दूसरे बूथ तक लगातार दौरा करते रहे, ताकि मतदान की प्रक्रिया पूरी तरह से शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सके। प्रत्येक बूथ पर व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा करते हुए उन्होंने मतदाताओं को प्रोत्साहित किया ताकि लोग बिना किसी भय या झिझक के मतदान कर सकें। डीएम कुंदन कुमार ने कहा हमारा लक्ष्य सिर्फ मतदान कराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि हर मतदाता सम्मान और सुरक्षा के साथ वोट दे सकें। वहीं एसपी भारत सोनी ने कहा कि सुरक्षा बलों की तैनाती और लगातार निगरानी के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं हो सकी। इस बार का चुनाव प्रशासनिक कुशलता और जनसहयोग की मिसाल बन गया।

डीएम और एसपी की सक्रियता ने यह साबित कर दिया कि जब व्यवस्था सजग हो तो लोकतंत्र का महापर्व सच में उत्सव जैसा महसूस होता है ।

प्रखंड कार्यालय बिहारशरीफ में अवस्थित आदर्श मतदान केंद्र पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह- जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने अपने पत्नी के साथ मताधिकार का प्रयोग किया।

मतदान के लिए लाइन में लगी महिलाएं

मतदान के लिए लाइन में लगे पुरुष

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

इस ई-निविदा सं.: डब्ल्यू2_623_यूएसएफडी_2025-26 (खुली निविदा), अंतिम तिथि 07.11.2025 के लिए 04.11.2025, 18.04 बजे जारी शुद्धिपत्र, जो आरडीएसओ द्वारा जारी नवीनतम दिशानिर्देशों के साथ रेल और वेल्ड के अल्ट्रासोनिक परीक्षण के लिए भारतीय रेलवे मानक विनिर्देश, संशोधित 2022 के अनुसार पूर्व रेलवे के सियालदह, हावड़ा, आसनसोल और मालदा मंडलों के चिह्नित मार्गों पर डिजिटल यूएसएफडी मशीनों के साथ रेल और वेल्ड के अल्ट्रासोनिक परीक्षण हेतु है, जिसके लिए अंतिम तिथि और समय 07.11.2025, 14.00 बजे के बदले **14.11.2025, 14.00 बजे पढ़े जाएंगे**। अन्य नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। MISC-267/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. 166_2025-26, दिनांक 04.11.2025, वरिष्ठ मंडल अभियंता/2, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/2/हावड़ा। ई-निविदा सं. 166_2025-26, कार्य का विवरण** : एईएन/डीकेएई के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/डीकेएई की शाखा में जैकेटिंग द्वारा ब्रिज नं.-61 का सुदृढ़ीकरण एवं अन्य सहायक सुरक्षा कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 79,01,814.97, **बयाना राशि:** रु. 1,58,000/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.) :** शून्य। **समापन अवधि :** 12 माह । यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/ बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 26.11.2025 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा। HWH-372/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-ईटीएन-ओएफसी-केएचएन-आरपीएच-25, दिनांक: 04.11.2025, मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं.: एसडीएसटीई-ईटीएन-ओएफसी-केएचएन-आरपीएच-25 के तहत खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल के तहत खाना-रामपुरहाट, सेवड़ाफुली-गोघाट, रामपुरहाट-दुमका और नलहाटी-आजिमगंज शाखा में 2X48 फाइबर ओएफसी केबल को बिछाना। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 8,20,24,688.72, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति:** रु. 5,60,100/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 14.11.2025, **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **समापन अवधि:** 12 माह। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** 04.11.2025, 17.20 बजे। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 28.11.2025, 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। HWH-374/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. 02 ऑफ 2025-26/बीजीपी दिनांक 03.11.2025, उप मुख्य अभियंता/निर्माण, पूर्व रेलवे, भागलपुर, इस्साचक, पी.एस. के पास, पुलिस लाइन के पीछे, ग्राम एवं डाक-भागलपुर-812001 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा प्रणाली के तहत निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** निविदा सं. : बीजीपी 02 ऑफ 2025-26 (खुली) (दो पैकेट प्रणाली) उप मुख्य अभियंता/निर्माण/भागलपुर के कार्यक्षेत्र में उत्तर भाग की ओर डब्ल्यूआरएस-III एवं कैसनब बोगी शॉप के विस्तार द्वारा वैगनों के पीओएच के लिए स्ट्रिपिंग सुविधाओं का निर्माण एवं वैगन वस्तुओं के लिए स्टोरेज शेड और जमालपुर वर्कशॉप के अंदर विभिन्न स्थानों पर सामग्री स्टोरेज सुविधाओं में सुधार एवं जमालपुर वर्कशॉप के अंदर अन्य विविध कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु.16,89,92,810.28, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, **बयाना राशि:** रु.9,95,000/-, **समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। **अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 24.11.2025 को 15.00 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। CON-50/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

आरएफक्यू सं.: इलेक्ट(जी)-एएसएन-आरएफक्यू -पीपीपी-सोलर-01-2025-26, दिनांक: 04.11.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/ (सामान्य), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल -713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए नीचे मैनुअल निविदा में वर्णित अनुसार निर्धारित प्रारूप में पर्याप्त अनुभव, क्षमता एवं अपेक्षित प्रतिष्ठान रखने वाले ख्यातिप्राप्त फर्मों/एजेंसियों से मैनुअल निविदा के माध्यम से रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन (आरएफक्यू) आमंत्रित किया जाता है:**-कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** आसनसोल मंडल, पूर्व रेलवे में पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) के साथ आसनसोल मंडल के विभिन्न स्थानों में उत्पादन एवं आपूर्ति के उद्देश्य से कुल 500 केडब्ल्यूपी कैपासिटी प्रणाली (पीपीपी मोड) के ग्रिड कनेक्टेड रूफ-टॉप/शेड-टॉप सोलर फोटो वोल्टेक मॉड्यूल्स की स्थापना। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** पीपीपी मॉडल, बोलीदाताओं द्वारा कोट किया जाएगा। **कार्य की समापन अवधि:** निर्धारित तिथि से 12 माह। **आरएफक्यू की विज्ञापन अवधि:** दिनांक 04.11.2025 से 03.12.2025 तक। **निविदा बॉक्स** : निविदा बॉक्स वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा./आसनसोल, पूर्व रेलवे, डीआरएम कार्यालय, टीआरडी बिल्डिंग, स्टेशन रोड, आसनसोल-713301 के कार्यालय में उपलब्ध होगा। **आरएफक्यू के बंद होने एवं खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 03.12.2025 को 12.30 बजे (बंद किया जाना) एवं 13.00 बजे (खोला जाना)। **निविदा (आरएफक्यू) के खुलने का स्थान** : वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा./पूर्व रेलवे, आसनसोल का कार्यालय। **वेबसाइट का विवरण और कार्यालय का पता जहाँ से आरएफक्यू का क्रय आदि किया जा सकता है:** आरएफक्यू कागजात वेबसाइट **http://www.er.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है, कार्यालय: वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा./आसनसोल, पूर्व रेलवे, डीआरएम कार्यालय, टीआरडी बिल्डिंग, स्टेशन रोड, आसनसोल -713301, ई-मेल: **srdeegasner@gmail.com आरएफक्यू कागजात का मूल्य:** रु. 34,810/- (अप्रतिदेय) (जीएसटी सहित) जो "एफए एण्ड सीएओ/पूर्व रेलवे/कोलकाता" के पक्ष में "कोलकाता" में देय डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा किया जाएगा (निविदा बॉक्स में मूल आरएफक्यू कागजातों के साथ जमा किया जाएगा।) **बोली प्रतिभूति/बयाना राशि:** रु.10.68 लाख/एमडब्ल्यू जो आरएफपी के प्रत्युत्तर के साथ बैंक गारंटी के रूप में जमा की जानी चाहिए। बोली प्रतिभूति के लिए बैंक गारंटी का प्रारूप आरएफपी के अपेंडिक्स-II में दिया गया गया है। **परफॉर्मेंस सिक्यूरिटी (पीबीजी)** : (पीबीजी) रु.16.02 लाख/एमडब्ल्यूपी। यह पीबीजी राशि सफल बोलीदाता द्वारा पीपीए हस्ताक्षर होने के 30 दिनों के अंदर जोनल रेलवे के पास जमा करनी होगी। **अनुमानित परियोजना लागत:** रु. 1,79,43,000/- (जीएसटी को छोड़कर) [एमएनआरई की बेंचमार्क लागत (रु./केडब्ल्यू) जीएसटी रु. 35,886/- को छोड़कर (>100 केडब्ल्यू से 500 केडब्ल्यू तक के लिए) सं.32/24/2020-एसपीवी डिवीज़न 27.10.2021 के माध्यम से एमएनआरई ऑर्डर के अनुसार]। **नाम, पदनाम, पता एवं अन्य विवरण (आरएफक्यू के प्रत्युत्तर में जमा करने के लिए)** : वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा./आसनसोल, पूर्व रेलवे, डीआरएम कार्यालय, टीआरडी बिल्डिंग, स्टेशन रोड, आसनसोल -713301 पात्रता मानदंड: **तकनीकी क्षमता:** 1. बोलीदाता के पास तकनीकी बोली जमा करने की निर्धारित तिथि से पहले डेवलपर या ईपीसी मोड में ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफटॉप प्रणालियों की न्यूनतम कुल 200 केडब्ल्यू क्षमता की सफल स्थापना का अनुभव होना चाहिए। यह अनुभव बोलीदाता के लिए स्वयं का होना चाहिए। या बोलीदाता के पास तकनीकी बोली जमा करने की निर्धारित तिथि से पहले किसी भी क्षेत्र जैसे आवासीय, सामाजिक, औद्योगिक, वाणिज्यिक, सरकारी या किसी अन्य में डेवलपर या ईपीसी मोड में किसी भी ग्रिड कनेक्टेड प्रणाली की न्यूनतम कुल 1000 केडब्ल्यू क्षमता की सफल स्थापना और आरंभ करने का अनुभव होना चाहिए। यह अनुभव बोलीदाता के लिए स्वयं का होना चाहिए। 2. उपर्युक्त अनुभव को स्थापित करने के लिए अनुभव का विवरण, ग्राहक/उपयोगकर्ता एजेंसी से आदेशों की प्रतियाँ, स्थापना और आरंभ करने के प्रमाण पत्र जैसे स्व-प्रमाणित कागजात, आरंभ करने (कमीशनिंग) के प्रमाण स्वरूप कमीशनिंग रिपोर्ट/मीटर स्थापना रिपोर्ट के साथ एसईसीआई/स्टेट नोडल एजेंसी के साथ परियोजना/आवेदन पंजीकरण संख्या, अपेंडिक्स-I अनेक्सर-II में उल्लिखित किया जाएगा और तकनीकी प्रस्ताव के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। 3. **वित्तीय क्षमता:** (i) इच्छुक बोलीदाता का पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान औसत कारोबार रु.150 लाख/वर्ष होना चाहिए। बोलीदाता का पिछले तीनों वित्तीय वर्षों में शुद्ध मूल्य (नेट वर्थ) सकारात्मक होना चाहिए। (ii) मूल कंपनी: बोली लगाने वाली कंपनी में मूल कंपनी की न्यूनतम 26% हिस्सेदारी होने पर बोलीदाता की मूल कंपनी के पात्रता मानदंडों पर भी विचार किया जाएगा। बोली के साथ कागजाती साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। (iii) वार्षिक लेखों की लेखापरीक्षित एवं प्रमाणित प्रतियाँ संलग्न की जानी चाहिए। पिछले वर्षों के लिए, सांविधिक लेखापरीक्षकों (एकल प्रॉप्राइटरशिप/फर्म) द्वारा प्रमाणित टर्नओवर (कारोबार) का संक्षिप्त विवरण अपेंडिक्स-I अनेक्सर-III के अनुसार संलग्न किया जाना चाहिए। (iv) प्रॉप्राइटरी/पार्टनरशिप कंपनियों के लिए, संपूर्ण टर्नओवर के विवरण सहित आयकर रिटर्न की प्रतियाँ संलग्न की जानी चाहिए। सांविधिक लेखापरीक्षकों (एकल प्रॉप्राइटरशिप/फर्म) द्वारा प्रमाणित टर्नओवर का एक संक्षिप्त पृष्ठ भी संलग्न किया जाना चाहिए। ASN-228/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

उत्साहित मतदाताओं ने अपना फैसला किया इवीएम में बंद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/शिवाजीनगर। बिहार में विधानसभा चुनाव के तहत पहले चरण का मतदान खत्म हो गया है। शाम पांच बजे तक 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर 60.13 फीसदी मतदान हुआ है। पहले चरण के मतदान में कुल 1314 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें 1192 पुरुष और 122 महिलाएं शामिल हैं। पहले चरण की 102 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं, जबकि 19 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित थी। इस चरण में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए आयोग ने साधन उपलब्ध कराए थे। इनमें 1 करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, 1 करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं, और 758 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल थे।

बाहुबली और जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह यहां से चुनाव लड़ रहे हैं। मोकामा हुए हत्याकांड के बाद इस सीट की चर्चा पूरे देश में है। इस हत्याकांड का आरोप अनंत सिंह पर लगा है। उन्हें चुनाव प्रचार के बीच में गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उनके प्रचार की कमान केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के हाथ में रही।

शिवाजीनगर से संवाददाता के अनुसार प्रखंड रोसड़ा और वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र के सभी बूथों पर मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। विशेषकर पहली बार मतदान करने वाले युवाओं

और महिलाओं में उत्साह का माहौल नजर आया। सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन की ओर से कड़े प्रबंध किए गए थे। प्रत्येक बूथ पर पुलिस बलों की तैनाती की गई थी। ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी या अव्यवस्था न हो।

मतदान केंद्रों पर पहली बार वोट डालने आए युवाओं ने लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लेने को लेकर खुशी जाहिर किया। कई युवाओं ने कहा कि यह उनके जीवन का गर्व का क्षण है जब उन्होंने पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं बुजुर्गों और महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया। प्रखंड क्षेत्र के डुमरा मोहन, रानी परती बल्लीपुर, बंधार,परसुराम, बोरज, दसौत आदि गांव में मतदान केंद्रों पर प्रशासनिक अधिकारी लगातार निरीक्षण करते रहे। मतदान कर्मियों ने भी अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा के साथ अपने चुनावी कार्य का निर्वहन किया ।अंतिम रिपोर्ट के अनुसार, शिवाजीनगर प्रखंड में लगभग 65 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। पूरे क्षेत्र में मतदान के दौरान शांतिपूर्ण और उत्सव जैसा माहौल बना रहा स्थानीय प्रशासन ने मतदाताओं और मतदान कर्मियों की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने चुनाव को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। मतदान केंद्रों पर सीओ बिना भारती। बीडीओ आलोक कुमार सिंह, बीपीआरओ नाजिश परवीन, शिवाजीनगर थानाध्यक्ष रबिंद्र कुमार , हथौड़ी थानाध्यक्ष मौसम सहित काफी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे।

हजारों लीटर ब्रांडेड शराब के साथ दो लोगों को पुलिस ने दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। बिहार में जारी चुनाव के बीच बुधवार की रात दो बजे के करीब उत्पाद विभाग की टीम ने छह चक्का ट्रक से भारी मात्रा में ब्रांडेड शराब बरामद करने में सफलता पाई है, जिसका आकलन करने पर तीन हजार लीटर शराब पाया गया है। इस मामले में चालक समेत ट्रक पर सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जानकारी देते उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने बताया कि गंगा पुल स्थित चेकपोस्ट पर चुनाव को लेकर यूपी की ओर से आने वाले वाहनों की चेकपोस्ट प्रभारी निरीक्षक कुंदन कुमार के नेतृत्व में सघन जांच की जा रही थी। तभी रात दो बजे के करीब टीम ने जब एक छह चक्का ट्रक को रोककर चालक से पूछताछ की तो मामला संदेहास्पद प्रतीत होते ही गाड़ी को किनारे लगवा कर सघन जांच की जाने लगी।

तिरपाल से ढके ट्रक का तिरपाल हटाते ही उसकी बॉडी के चारों तरफ अंदर लकड़ी के बुरादा की बोरियां रखी पाई गई।

बुरादे की बोरियों को हटाते ही अंदर से शराब की पेटियां दिखाई देने लगी। इस मामले में चालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया, जिनकी पहचान मुजफ्फरपुर के सकरा थाना के गनीआरी निवासी मुन्ना कुमार और सकरा थाना के ही डिगोरीहार निवासी मुकेश कुमार राव के रूप में की गई। ट्रक से जब्त शराब का आकलन करने पर विभिन्न महंगे ब्रांड की कुल 2909 लीटर शराब पाई गई। पूछताछ में दोनों ने बताया कि लोड की गई गाड़ी उन्हें लखनऊ में सौंपी गई थी और ट्रक को हाजीपुर ले जाकर किसी अन्य चालक को सौंप देना था।

ट्रक पर लदा सामान किसका था और किसको देना था इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उत्पाद विभाग का अनुमान है कि विधानसभा चुनाव के दौरान वितरण के लिए इतनी बड़ी शराब की खेप ले जाई जा रही थी।

पुनर्वास की जमीन नहीं मिलने से आक्रोशित हुए लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला स्थित औराई के जीवाजोड़ में पुनर्वास की जमीन नहीं मिलने से लोगों में आक्रोश है। ये लोग बागमती परियोजना की वजह से विस्थापित हुए हैं।

उनका आरोप है कि अठारह वर्ष के बाद भी उन्हें पुनर्वास की जमीन नहीं मिली है। वहीं बागमती परियोजना भुगतान की 20 प्रतिशत राशि का भुगतान भी नहीं हुआ है।

इतना ही नहीं, प्राथमिक विद्यालय जीवाजोड़ को स्थानांतरित कर धरहरवा पंचायत के प्राथमिक विद्यालय कटौंझा में जोड़ दिया गया है। लोगों का कहना है कि प्रशासन इस गांव का अस्तित्व ही मिटाना चाहता है। इसलिए हमलोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

कुढ़नी प्रखंड की अमरख पंचायत अंतर्गत ग्राम मधौल ककरा के ग्रामीणों का आरोप है कि श्मशान घाट का निर्माण गलत जगह पर किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि कई बार प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधियों को इस बारे में अवगत कराया गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनकी मांग है कि श्मशान घाट अलग जगह पर बने।

किसान निधि सम्मान योजना में पैसे भेजने के नाम पर साइबर ठगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। विधानसभा चुनाव के मौसम में जहां नए मतदाताओं में मतदान को लेकर उत्साह देखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर साइबर ठग भी सक्रिय हो गए हैं। ये ठग अब किसान सम्मान निधि योजना का लालच देकर भोले-भाले ग्रामीणों और नए मतदाताओं को अपने जाल में फंसा रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, रजौली प्रखंड के कई गांवों में अंजना कुमारी और ऋचा कुमारी नाम की महिलाओं के मोबाइल पर फोन आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को ग्राम सेवक बताया और कहा कि आपके खाते में किसान सम्मान निधि की अगली किस्त 12,500 आ गई है, लेकिन उसे एक्टिव करने के लिए 1 रुपये भेजना होगा।

जब पीड़ितों ने पूछा कि कैसे भेजें, तो ठग ने चालाकी से कहा कि गूगल पे या फोन पे से भेज दीजिए, सिस्टम से लिंक कर दूंगा।

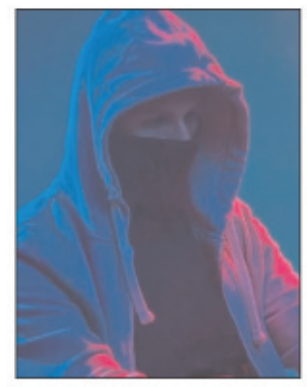

कुछ लोगों ने झांसे में आकर 1 रुपये भेज दिया। इसी दौरान ठग ने तकनीकी तरीके से उनके पूरे बैंक अकाउंट की जानकारी हासिल कर ली और खाते से रकम निकाल ली।

कई ग्रामीणों ने बताया कि जैसे ही उन्होंने ठग को 1 रुपये भेजा, उनके खाते से तुरंत 5000 से 10000 रुपये तक गायब हो गया।

फोन करने वाले व्यक्ति की भाषा इतनी सटीक और सरकारी अधिकारी जैसी थी कि सुनने वाला आसानी से भरोसा कर ले। ठग कहता है कि आपका नाम प्रधानमंत्री किसान पोर्टल पर दिख रहा है, बस आपका खाता वेरिफाई करना है, वरना पैसे रुक जाएंगे।

स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। रजौली थाना प्रभारी ने बताया कि ऐसे मामलों में तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति को ओटीपी, बैंक डिटेल या 1 रुपये तक न भेजें, वरना पूरा खाता खाली हो सकता है।

चुनाव के समय जब युवाओं और किसानों के खातों में सरकारी राशि या प्रोत्साहन राशि आने की खबरें चल रही हैं, ऐसे में साइबर ठगों ने इसे ठगी का नया हथियार बना लिया है। प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी योजना से जुड़ी जानकारी केवल आधिकारिक वेबसाइट या स्थानीय कार्यालय से ही प्राप्त करें।

मंत्री को झेलनी पड़ी फजीहत

मुजफ्फरपुर। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में जिले की 11 विधानसभा सीटों के लिए मतदान चल रहा है। गुरुवार को पर्यटन मंत्री राजू सिंह को खदेड़ कर भगा दिया। साहेबगंज के गोपीगंज स्थित बूथ संख्या 108 और 109 पर मतदान के दौरान अचानक माहौल गर्म हो गया। आरोप है कि वहां विरोधी दल के कार्यकर्ताओं ने पर्यटन मंत्री राजू सिंह के पहुंचते ही उनका विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते नारेबाजी तेज हुई और भीड़ आक्रोशित हो उठी। बढ़ते विरोध को देखते हुए सुरक्षा बलों ने हस्तक्षेप किया और मंत्री को वहां से वापस लौटना पड़ा। घटना के बाद मौके पर भारी संख्या में पुलिस तैनात कर दी गई।

दोपहर एक बजे तक 45 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने वोट डाल लिए थे। ग्रामीण क्षेत्र में मतदान की गति तेज है। उसकी अपेक्षा शहर में धीमी गति से वोट पड़ रहे हैं। कभी माओवाद प्रभावित रहा मीनापुर के गांव में जमकर वोट पड़ रहे हैं। यहाँ वोटिंग के छह घंटे बाद ही 50 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने वोट डाल दिए।

मतदान में बाधा पहुंचाने की आशंका में दो दर्जन लोग हिरासत में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। गुरुवार को जिले में कड़ी सुरक्षा घेरे के बीच मतदान कराया गया। इस दौरान मतदान में बाधा पहुंचाने की आशंका को लेकर पुलिस ने दो दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। मतदान समाप्त होने तक हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या और भी बढ़ने की संभावना है।

इस संबंध में जिला नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार दोपहर तक आठ लोगों को मतदान में बाधा पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, इस मामले में सदर एसडीपीओ गौरव पांडेय ने बताया कि यह कोई गिरफ्तारी नहीं है बल्कि शांतिपूर्ण मतदान की दिशा में सुरक्षात्मक कार्रवाई है।

जिले के सभी बूथों पर कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराया जा रहा है। कुछ बूथों पर कुछ लोगों द्वारा मतदान में बाधा पहुंचाने के लिए हल्ला गुल्ला किया गया जिन्हें तत्काल हिरासत में लेते हुए संबंधित थाने पर मतदान संपन्न

होने तक बैठा दिया गया।

इसके तहत तीन बजे तक हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या करीब दो दर्जन से अधिक हो चुकी थी। एसडीपीओ ने बताया कि हर थाना में तीन से चार लोगों को हिरासत में लेकर बैठाया गया है। मतदान के दौरान कहीं से किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं होने दी गई है।

इधर नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि उनके थाना क्षेत्र से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है जबकि औद्योगिक थाना से मिली जानकारी के अनुसार वहां भी चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि मतदान संपन्न हो जाने के बाद सभी को छोड़ दिया जाएगा। पुलिस की यह कार्रवाई सिर्फ शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिए की गई थी।

15 नवम्बर से शुरू होगी धान की खरीद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बांका। जिले में 15 नवंबर से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीदारी शुरू होगी। इसके लिए किसानों को प्रति क्विंटल 2369 रुपये की दर से भुगतान होगा। 17 प्रतिशत नमी के आधार पर पैक्सों एवं व्यापार मंडलों द्वारा कृषि विभाग के पोर्टल पर निर्बंधित किसानों से धान खरीद की जाएगी।

डीएम नवदीप शुक्ला ने सोमवार को धान खरीद को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक की। बैठक के दौरान डीएम ने निर्देश दिया कि सभी क्रय केंद्र पर नमी मापक यंत्र, कांटा, फिंगरप्रिंट स्कैनर, पंजों का संधारण और प्रचार प्रसार के सामग्री आदि की उपलब्धता 10 नवंबर तक सुनिश्चित कर लें।

बताया गया कि विभाग द्वारा धान खरीद की अंतिम तिथि 28 फरवरी, 2026 तय की गई है। धान बेचने में किसानों को किसी तरह की दिक्कत ना हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। रैयत किसान (जमीन मालिक) से अधिकतम 250 क्विंटल और बटाईदार किसान यानी

गैर रैयत किसानों से 100 क्विंटल धान खरीद होगी।

किसानों को भुगतान के लिए भी ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। धान बेचने के 48 घंटे के अंदर भुगतान कर दिया जाएगा। पैक्स और व्यापार मंडल के माध्यम से धान बेचने के लिए किसानों को पहले सहकारिता विभाग के पोर्टल पर आनलाइन आवेदन करना होगा। इसके बाद ही वे धान बेच सकते हैं। डीएम ने कहा कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए सभी प्रखंडों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी एवं जिला सहकारिता पदाधिकारी को दो दिनों के भीतर किसान सलाहकारों, कृषि समन्वयकों एवं प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित करने का आदेश दिया।

डीएम ने प्रबंध निदेशक, दी भागलपुर सेन्ट्रल कापरेटिव बैंक को सभी चयनित समितियों को नियमानुसार कैश क्रेडिट उपलब्धत कराने पर बल दिया। राज्य खाद्य निगम के जिला प्रबंधक ने बताया कि इस वर्ष अब तक कुल 11 राईस मिलों का पंजीकरण किया गया है, जिसमें सात निजी उसना, एक पैक्स अरवा एवं 3 निजी अरवा राईस मिल शामिल हैं। डीएम ने कहा कि 15 नवंबर तक सभी निबंधित मिलों का संयुक्त भौतिक सत्यापन कर वास्तविक मिलिंग क्षमता का प्रतिवेदन विभाग को भेजा जाए। इसके अलावा जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम द्वारा बताया गया कि जिले में कुल पांच फोर्टिफाइड चावल संग्रहण केंद्र क्रियाशील हैं। जिनकी कुल भंडारण क्षमता 7200 टन है। जिले में इस साल एक लाख 12 हजार हेक्टेयर में धान की खेती की गई है। लेकिन कुछ दिन पूर्व हुई झमाझम बारिश ने किसानों के अरमानों पर पानी फेर दिया। जिन किसानों ने धान की कटाई शुरू कर दी थी, उन्हें काफी नुकसान का सामना करना पड़ा।

सबसे ज्यादा नुकसान अमरपुर और बांका के आसपास के इलाके के किसानों को झेलनी पड़ी। किसान रुपेश चौधरी ने बताया कि इस बार फसल तो अच्छी थी लेकिन बेमौसम बारिश ने किसानों को काफी नुकसान दिया।

महिला मतदाता ने किया हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। बखरी विधानसभा के बूथ संख्या 228 उर्दू मध्य विद्यालय पठानटोली बूथ पर एक महिला का वोट किसी ने गिरा दिया।

महिला जब मतदान करने पहुंची तो उसके नाम और मतदाता सूची क्रमांक के आगे वोट कास्ट का निशान लगा हुआ था। जबकि महिला ने वोट नहीं गिराया था।

इधर तरह मतदान केंद्र संख्या 270 सामुदायिक भवन बगरस ध्यानचक्की में नये मतदाताओं की शिकायत थी कि उन्हें पर्ची नहीं मिली है। सादे कागज पर मतदाता क्रमांक लिखकर जाने पर सुरक्षा कर्मी उन्हें अंदर जाने नहीं दे रहे हैं।

एसडीएम सन्नी कुमार सौरव ने बताया कि ऐसा नहीं हो सकता। अगर है तो वे तुरंत मामले को देखते हैं।

उन्होंने बताया कि इस तरह के मतदाताओं की सहायता के लिए बूथों पर हेल्प डेस्क भी है।

भैंस पर सज-धज कर निकले मतदान करने

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण को लेकर मतदान जारी है। इस बीच मतदान के दौरान अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। वहीं, कुछ तस्वीरें लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। खास बात यह है कि वैशाली जिले के भगवानपुर से लोकतंत्र की एक अनोखी तस्वीर सामने आई। वहां किसान केदार यादव भैंस पर सवार होकर मतदान केंद्र पहुंचे। यह मंजर देख कुछ समय के लिए स्थीय लोग दंग रह गए।

तस्वीर में साफ तौर पर आप देख सकते हैं कि युवक ब्लैक टीशर्ट पहने हुए भैंस के ऊपर बैठा हुआ है। काला चश्मा लगाए हुए है। एक हाथ पर वोटर आईडी कार्ड लिया है। वहीं दूसरे हाथ पर वोटर लिस्ट व डंडा लिए हुए दिख रहा है। भैंस की सवारी बड़े ठाठ से करके मतदान केंद्र जब वह शख्स पहुंचा तो सबकी नजरे केदार पर ही टिकी रह गईं, कुछ पल के लिए। सोशल मीडिया पर केदार की वे फोटों तेजी से वायरल भी हो रही हैं। केदार यादव ने बताया कि वोट डालने के लिए उन्हें कोई वाहन नहीं मिला, इसलिए उन्होंने किसान होने के नाते अपनी भैंस को ही सवारी बना लिया। उन्होंने कहा, पांच साल बाद लोकतंत्र का महापर्व आया है। आज गाड़ी-घोड़ा नहीं चल रहा, लेकिन वोट डालना जरूरी है। हम किसान हैं, भैंस पालते हैं, इसलिए उसी पर सवार होकर वोट देने आया हूं। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि वे किसी भी परिस्थिति में मतदान जरूर करें, क्योंकि यह हर नागरिक का अधिकार और कर्तव्य है।

राजद प्रत्याशी ने पुलिसकर्मियों को हड़काया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान पटना जिले के मनेर नगर परिषद क्षेत्र में गहमागहमी का माहौल देखने को मिला। मनेर के महीनावा स्थित मध्य विद्यालय मतदान केंद्र संख्या 79 पर पुलिस कर्मियों द्वारा मतदाताओं की वोटर आईडी जांच करने और उन्हें मतदान से रोकने के आरोप के बाद माहौल गरम हो गया।

स्थानीय विधायक और राजद प्रत्याशी भाई वीरेंद्र ने मौके पर पहुंचकर पुलिसकर्मियों के इस रवैये का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को मतदाताओं की आईडी जांचने का कोई अधिकार नहीं है। विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा, आपको मतदाताओं को रोकने का अधिकार नहीं है। इस तरह की हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। अगर दोबारा ऐसा हुआ, तो मामला बिगड़ सकता है।

जानकारी के अनुसार, मतदान केंद्र के बाहर पुलिस कर्मियों द्वारा कई महिला और पुरुष मतदाताओं को वोटर कार्ड में नाम की ह्यमिसमैचह्न बताकर रोका जा रहा था। मतदाताओं ने इसकी शिकायत विधायक भाई वीरेंद्र से की, जिसके बाद उन्होंने मौके पर पहुंचकर विरोध जताया।

विवाद के दौरान विधायक और पुलिस कर्मियों के बीच काफी देर तक कहासुनी और हंगामा हुआ। लोगों ने बताया कि पुलिसकर्मी सुरेश तिवारी मतदाताओं को रोक रहे थे, जिसके चलते मतदान केंद्र पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हालांकि, पुलिस कर्मियों ने अपनी ओर से सफाई देते हुए कहा कि वे सिर्फ जांच-पड़ताल के उद्देश्य से मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने स्थिति को संभालने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया।

शाही लीची थीम पर बना मतदान केंद्र लोगों के आकर्षण का रहा केंद्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर में चुनावी प्रक्रिया और मतदाताओं के उत्साह को देखने के लिए फिलीपींस से दो विशेष मेहमान पहुंचे। ये दोनों मेहमान थे, दिल्ली में फिलीपींस की राजदूत मेलिसा एनी टेलन और रोजलियो बी. सिलवा जूनियर। उन्होंने मुजफ्फरपुर नगर विधानसभा क्षेत्र (संख्या-94) के एक मतदान केंद्र का दौरा किया, जो मुजफ्फरपुर की प्रसिद्ध शाही लीची थीम पर सजाया गया था। यह देखकर वे काफी प्रभावित हुए कि बिहार में मतदान कितनी व्यवस्थित और उत्साहपूर्ण तरीके से हो रहा है।

इस मौके पर नगर आयुक्त विक्रमवीर करण और टीएसपी कोटा किरण कुमार ने उन्हें बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 सीटों पर मतदान हो रहा है और मुजफ्फरपुर भी इसमें शामिल है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण में सुबह 9 बजे तक 13.13 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक, पहले दो घंटों में सहरसा जिले में सबसे ज्यादा 15.27 प्रतिशत वोटिंग हुई है। पहले चरण में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों के लिए सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ।

बूथ पर गायब मिला एजेंट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के दौरान महुआ सीट से जेजेडी प्रत्याशी तेज प्रताप यादव को अजीब स्थिति का सामना करना पड़ा। तेज प्रताप यादव जब बूथ नंबर 225 पर मतदान की स्थिति जानने पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि वहां उनका पोलिंग एजेंट मौजूद नहीं था। अचानक एजेंट के गायब होने से तेज प्रताप कुछ देर के लिए हैरान रह गए और बूथ पर खड़े होकर स्थिति को समझने की कोशिश करते रहे। उनके समर्थक एजेंट की तलाश में यहां-वहां भागते दिखे, लेकिन काफी देर तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई।

बाद में तेज प्रताप यादव ने समर्थकों को समझाते हुए कहा कि कोई बात नहीं, अगले बूथ पर चलते हैं, बाद में इसे देख लेंगे। हालांकि, इस दौरान तेज प्रताप यादव ने दावा किया कि महुआ से उनकी जीत तय है। जनता हमारे साथ है। थोड़ी दिक्कत आई है, लेकिन हम मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं।

हार-जीत की होने लगी चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 16 मंत्रियों की सीटों पर भी मतदान हुआ है। इसमें 15 सीटें ऐसी है, जहां पिछले बार के मुकाबले ज्यादा मतदान हुआ है। एक मात्र सीट कुढ़नी ऐसी रही है जहां 2020 के चुनाव से कम वोट पड़े। इन 15 सीटों पर ज्यादा मतदान को दोनों पक्ष अपने-अपने फायदे में बता रहे हैं। सत्ता पक्ष की ओर से कहा जा रहा है कि जनता सरकार के कामों से खुश हैं इसलिए ज्यादा से ज्यादा लोगों ने मतदान किया है।

डिप्टी सीएम और तारापुर से भाजपा प्रत्याशी सम्राट चौधरी ने कहा कि मैं बिहार प्रशासन, बिहार की जनता और चुनाव आयोग का धन्यवाद करना चाहता हूं कि मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। बिहार में आम मतदाताओं ने जिस तरह से बढ़-चढ़कर मतदान किया है, उससे साफ दिखता है कि इस बार पिछले चुनाव की तुलना में वोटिंग प्रतिशत में 4 से 5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। हमारे प्रतिनिधियों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार पहले चरण के बाद एनडीए 121 में से करीब 100 सीटों पर जीत रही है, और यह परिणाम 2010 के रिकॉर्ड को तोड़ने वाला होगा। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को भी आज के चुनाव में हार का सामना करना पड़ेगा। इस बार भी लालू प्रसाद यादव के पूरे परिवार में से कोई भी चुनाव नहीं जीतेगा। सभी को इस बार हार का सामना करना पड़ेगा। वहीं विपक्ष का मानना है कि ज्यादा मतदान सरकार की खिलाफ नाराजगी बताता है। लोग वर्तमान सरकार के मंत्रियों से खुश नहीं है और यही नाराजगी उन्होंने मतदान में बदली है। जनसुराज के ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर लिखा गया कि आज बिहार रिकॉर्ड तोड़ मतदान कर रहा है। शाम पांच बजे तक 61 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया है। अभी ये आंकड़े और बढ़ेंगे, लेकिन अभी तक के आंकड़ों ने ही पिछले कई विधानसभा चुनावों के आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का घरों से बाहर निकलकर वोट देना इस बात का साफ संकेत दे रहा है कि बिहार की जनता बदलाव के लिए वोट कर रही है, अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट दे रही है।

बिहार ने हमारे देश को हमेशा रास्ता दिखाया है : हिमन्त विश्व शर्मा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में असम के मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित किया

बरारी/कटिहार। भगवती मंदिर बरारी हाट के सामने के मैदान में गुरुवार को एनडीए प्रत्याशी विजय सिंह निषाद के समर्थन में एक जनसभा करने असम के मुख्यमंत्री हिमन्त विश्व शर्मा पहुंचे ।इस दौरान हजारों की भीड़ को संभालने के लिए सुरक्षा व्यवस्था पूरी चाक चौबंद थी।मंच पर भाजपा के जिलाध्यक्ष मनोज राय सहित बरारी विधानसभा के प्रखंड अध्यक्ष मौजूद रहे ।इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री हिमन्त विश्व शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मैं असम से आया हूँ।मैं असम से मा कामख्या मंदिर में पूजा कर विजय सिंह की जीत की आशीर्वाद लेकरआया हूँ।बिहार को सुशासन के रास्ते में आगे बढ़ाइए।आपलोगों का उत्साह देखकर यह लगता है कि आप का निर्णय हो चुका है कि दुबारा बरारी से विजय सिंह को आशीर्वाद दे रहे हैं। पहले भी विजय सिंह जीते हैं।पहले चरण में कम से कम 90 सीट गठबंधन को मिल रहा है।आपलोगों को मालूम है कि बिहार में हमारा देश को हमेशा रास्ता दिखाते हुए आ रहा है।देश के सामने कोई संकट होते है तो बिहार हमेशा रास्ता दिखता हैं।इमरजेंसी का 50 सालगिरह चल रहा है। जयप्रकाश नारायण को देश मे सम्पूर्ण क्रांति का माहौल बनाया था।तानाशाही के खिलाफ हमे देश को जागृत किया था।ऐसा ही आज हमें तानाशाही के खिलाफ दुबारा लड़ने का समय आ गया है।ये जो लालू यादव और तेजस्वी यादव की तानाशाही हैं इसे हमेशा हमेशा के लिए विदा करना है।ये दोनों बाप बेटा को बिहार के धरती से हमेशा हमेशा के लिए विदा करना है।मैं क्यों बोल रहा हूँ।आपको मालूम हो कि हमेशा हमारे हिन्दू को बाबरी मस्जिद के जगह में राम मंदिर चाहिए था । लेकिन जब भी राम मंदिर बनने का मौका आया तब बिहार में लालू ने लाल कृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार किया।बाबरी मस्जिद को तोड़े।लेकिन राम मंदिर नही बने।2014 में हिन्दू जागृत हुए फिर तब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बनाया। आडवाणी जी का जो काम आधा हो गया था। जब मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने और मोदी जी ने औ? अयोध्या में भाजपा राम मंदिर का निर्माण किया। भाजपा ने राम मंदिर बनाकर दुनिया को दिखा दिया।कि जब हम हिन्दू एक हो गए न तो हमारा कोई बाल भी बांका नही कर सकता हैं। ये बिहार जानकी मैया का भूमि हैं।ये बिहार सीता मैया का भूमि हैं।अभी हमारा बिहार में वोटर लिस्ट का संसोधन हुए।ये पूरा कांग्रेस पार्टी देश भर में चिल्लाया ।वोटर लिस्ट का करेक्शन होने से गरीबों का नाम कट जाएगा।किसी का नाम कटा।किसका नाम कटा 70 लाख घुसपैठियों का नाम कटा।घुसपैठियों का नाम जब तक रहेगा तब तक तारिक अनवर जीतते रहेगा।लेकिन जब घुसपैठियों का नाम खाली हो जाएगा तो जिंदगी में कभी तारिक अनवर जीत नहीं सकता हैं।इसलिए ये कांग्रेस पार्टी घुसपैठियों की पार्टी हैं।ये कांग्रेस पार्टी और ये लालू यादव ये लोग काम करते हैं घुसपैठियों के लिए साथ मे सत्ता भी देते हैं घुसपैठ को क्योंकि उसका खाना पीना घुसपैठी से होता हैं ।आप लोग लास्ट टाइम किसी ने तारिक अनवर को वोट डाला है, नहीं डाले हैं फिर भी वो जीते ,कैसे जीते घुसपैठियों के वोट से जीते हैं।इसलिए वे लोग एसआईआर होने नहीं देते हैं।इसीलिए वो लोग वोटर लिस्ट में बंगलादेशियो को हटाने नहीं देते है।लेकिन बिहार ने रास्ता दिखाया।70 लाख लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर किया।यही अभी बंगाल,झारखंड और असम में चलेगा।हम लोग ये घुसपैठियों को बसने पलने नहीं दूंगा। मेरा एक ही संदेश है।

अमित शाह के रोड शो से पहले खेमका ने भरी हुंकार, कहा–

सुशासन की डगर पर आगे बढ़ेगा पूर्णिया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। चुनावी माहौल अब अपने चरम पर है और भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार खेमका ने बुधवार को जब शहर की गलियों में कदम रखा, तो हर चौक-चौराहे पर जनसमर्थन की गूंज सुनाई दी। गुलाबबाग से लेकर कॉलेज चौक, रंगभूमि चौक, मधुबनी थाना क्षेत्र, प्रभात कॉलोनी, प्रताप नगर, कोरठबाड़ी और डिफेंस कॉलोनी तक लोगों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया।

खेमका ने कहा— 'पूर्णिया का मतदाता अब किसी भ्रम में नहीं है। वह जानता है कि विकास का रास्ता कमल के फूल से होकर ही गुजरता है। सुशासन और पारदर्शिता की जो नींव एनडीए ने रखी है, उसे और मजबूत करने का समय आ गया है।'

उन्होंने यह भी बताया कि शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह का पूर्णिया आगमन होने वाला है, जो भट्ठा बाजार में ऐतिहासिक रोड शो करेंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस अवसर पर बड़ी संख्या में पहुँचकर अपने नेता का स्वागत करें और भाजपा को विजय का आशीर्वाद दें। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि कार्यकर्ता दिन-रात गांवों और वार्डों में जाकर मतदाता पर्चियां बाँट रहे हैं। 'पूर्णिया का हर घर विकास की गवाही दे रहा है। जनता का प्रेम और कार्यकताओं का परिश्रम इस बार की जीत को ऐतिहासिक बना देगा,' उन्होंने विश्वास जताया।

श्री खेमका ने कहा — 'मेरा सपना एक समृद्ध और आधुनिक पूर्णिया का है। यह शहर अब सिर्फ उम्मीद नहीं, बल्कि उपलब्धि का प्रतीक बनेगा। यही मेरा संकल्प है और यही मेरा प्रण।' जनसंपर्क के दौरान उपमहापौर पल्लवी गुप्ता, गोपाल सिन्हा, मनोज सिंह, अवधेश प्रसाद सिंह, अभिजीत तिवारी, सोनू सिंह, अविनाश सिंह, राजेश केसरी और गौरव सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले।

जिला प्रशासन का कड़ा रुख, चुनाव ड्यूटी के लिए 1700 वाहन होंगे अधिग्रहित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार नगर। जिले में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे जिला प्रशासन ने वाहन मालिकों के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। चुनाव कार्य में वाहनों के सुचारू उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी सुवीर रंजन ने नोटिस प्राप्त सभी वाहन मालिकों को शुक्रवार शाम तक अनिवार्य रूप से अपने वाहन प्रशासन को सौंपने की अंतिम चेतावनी दी है।

डीटीओ सुवीर रंजन ने स्पष्ट किया कि सभी वाहन मालिक शुक्रवार शाम तक अपने वाहनों को निर्धारित संग्रहण स्थल जिला परिवहन कार्यालय, जिला कृषि बाजार समिति या डीएस कॉलेज पर जमा करा दें। नोटिस मिलने के बावजूद जो वाहन मालिक समय पर वाहन उपलब्ध नहीं कराएंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होने बताया कि स्कूली वाहनों का भी प्रयोग चुनावी कार्यों में किया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन से अपेक्षा की गई है कि शैक्षणिक कार्य समाप्त होने के बाद शनिवार तक वे अपने वाहनों को निर्धारित स्थल पर सुपुर्द करें। डीटीओ ने कहा कि आगामी चुनाव के सुचारू संचालन के लिए कुल लगभग 1700 वाहनों की आवश्यकता है। जिसमे 1400 वाहन मतदान संबंधी कार्यो के लिए तथा 300 वाहन सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से पहुंचे विशेष पुलिस बल के आवागमन के लिए। डीटीओ ने सभी वाहन मालिकों से प्रशासन के साथ सहयोग करने और लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की है। उन्होंने दोहराया कि निदेशों का पालन कर समय पर वाहन उपलब्ध कराना प्रत्येक वाहन स्वामी का कर्तव्य है और नियमों की अवहेलना करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क विवाद से मचा बवाल, वायरल वीडियो के बाद पुलिस हरकत में एक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ सोशल मीडिया पर फैले वीडियो ने प्रशासन को किया सतर्क, एसडीपीओ बोले – 'कानून का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई तय'

बनमनखी/पूर्णिया। बुधवार की शाम बनमनखी अनुमंडल के रूपेश्वरी ओपी क्षेत्र में सड़क किनारे हुए मामूली विवाद ने देखते ही देखते बड़ा रूप ले लिया। बाइक को साइड देने को लेकर हुई झड़प का वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर फैला, पूरा मामला चर्चा में आ गया। वीडियो में घायल युवक ने खुद को कांग्रेस समर्थित कार्यकर्ताओं के हमले का शिकार बताया, जिसके बाद पुलिस हरकत में आ गई।

घटना में घायल व्यक्ति की पहचान अजीत मंडल (40 वर्ष), पिता स्व. राजेन्द्र मंडल, निवासी जानकीनगर, थाना जानकीनगर, जिला पूर्णिया के रूप में हुई। वायरल वीडियो के बाद बनमनखी एसडीपीओ शैलेश प्रीतम ने तुरंत संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई का आदेश दिया। पुलिस की जांच में सामने आया कि यह विवाद बाइक को साइड देने को लेकर हुआ था, जिसके दौरान झड़प में अजीत मंडल को आंख में चोट आई। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद उच्च स्तरीय अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक आरोपी अमित यादव (30 वर्ष), निवासी रमजानी, थाना जानकीनगर को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है।

एसडीपीओ शैलेश प्रीतम ने कहा कि सोशल मीडिया पर फैली किसी भी भ्रामक या उकसाने वाली सूचना पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया 'कानून की नजर में सभी समान हैं। किसी को भी सामाजिक या राजनीतिक पहचान के आधार पर विशेषाधिकार नहीं मिल सकता।'

पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रशासन अब घटनाओं पर बाद में नहीं, क्षण-क्षण पर प्रतिक्रिया देने की नीति पर काम कर रहा है। वायरल वीडियो का सच जांच के बाद सामने आएगा, लेकिन इस पूरी घटना ने यह संकेत जरूर दे दिया है कि अब बनमनखी में कानून और व्यवस्था दोनों का नियंत्रण पुलिस के दृढ़ हाथों में है।

समेली गांव से 4 साल का बच्चा लापता गुस्साए परिजनों ने की सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ आंगनबाड़ी केंद्र के लिए घर से निकला था कृष्णा, पुलिस ने सीसीटीवी में युवक के साथ जाते दिखा

समेली/कटिहार। प्रखंड के समेली ठाकुरबाड़ी टोला से 4 वर्षीय बच्चे की 48 घंटे बाद भी बरामदगी नहीं होने के कारण गुस्साए परिजनों ने एनएच 31 को जाम कर बच्चे के बरामदगी की मांग कर रहे है। मंगलवार सुबह एक चार वर्षीय बच्चा कृष्णा कुमार लापता हो गया है। जहाँ कुरसेला थाना क्षेत्र के समेली प्रखंड क्षेत्र के मुरादपुर पंचायत के वार्ड संख्या-19 निवासी पंकज कुमार मंडल का पुत्र कृष्ण कुमार मंगलवार की सुबह करीब 10:30 बजे आंगनबाड़ी केंद्र के लिए घर से निकला था। लेकिन वापस नहीं लौटा।

वही परिजन व स्थानीय ग्रामीण बच्चे के घर न लौटने पर परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन शुरू की है वही मोहल्ले और नजदीकी इलाकों में तलाश के बावजूद कृष्ण कुमार का कोई सुराग नहीं मिला है। इसके बाद घटना की खबर पूरे क्षेत्र में फैल गई और ग्रामीणों के भीड़ मौके पर जुट गई है। वही कृष्ण कुमार की मां प्रियंका देवी, पिता पंकज कुमार मंडल सहित परिजन घटना को लेकर बदहवास है।सदर एसडीपीओ सर्किल 2 रंजन कुमार सिंह को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर जाँच में जुट गए है और परिजनों से पूछताछ कर मामले की जानकारी ली। कटिहार एसपी शिखर चौधरी ने पुलिस टीम को जांच में लगाया गया। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर एक नशेड़ी युवक बच्चे के साथ जाते हुए दिखा।इसके बाद पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एसडीपीओ रंजन कुमार सिंह ने बताया कि बच्चे की सुरक्षित बरामदगी के लिए लगातार छानबीन की जा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही बच्चे को बरामद कर लिया जाएगा।बच्चे के लापता होने से परिवार में चिंता का माहौल है। परिजनों का कहना है कि क्षेत्र में नशेड़ी युवकों की गतिविधियां बढ़ रही हैं, जिससे ऐसी घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में सख्त गश्त और निगरानी बढ़ाने की अपील की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

विश्वप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य, समाजसेवी एवं शहर के लंगरटोली स्थित दूबे क्लिनिक के निदेशक डॉ. सुनील कुमार दूबे ने अपनी पत्नी समाजसेविका उषा दूबे, पुत्र डॉ. साजन दूबे, भावो रिकी दूबे संग बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बूथ संख्या 872 पर मतदान किया।

बैरिया पंचायत में सभा रद्द होने से नाराज भीड़ ने कुर्सियां तोड़ीं

अमदाबाद/कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड क्षेत्र के बैरिया मदरसा इस्लामिया आवेदिया मैदान में गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के आगमन को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी मनोहर प्रसाद सिंह के समर्थन में सभा का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम को लेकर दोपहर दो बजे से ही मैदान में हजारों की संख्या में लोग जुटने लगे थे। लेकिन निर्धारित समय पर इमरान प्रतापगढ़ी के नहीं पहुंचने से भीड़ में नाराजगी फैल गई। कुछ ही देर में नाराज भीड़ उग्र हो उठी और ब्रैकेटिंग, कुर्सियाँ, लाइटिंग, बॉक्स आदि तोड़फोड़ कर दिए। स्थिति बिगड़ने पर कांग्रेस विधायक ने किसी तरह जान बचाई और पास ही स्थित फिरोज नामक व्यक्ति के घर में शरण ली। बाद में पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर विधायक को सुरक्षित बाहर निकाला। मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों ने तुरंत हालात को काबू में किया। उग्र भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को सख़्त रुख अपनाना पड़ा।

जन सुराज का ज्वार धमदाहा में, पप्पू सिंह ने की बदलाव की पुकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धमदाहा/पूर्णिया। धमदाहा की फिजा गुरुवार को कुछ अलग थी— सड़कों पर जो भीड़ उमड़ी, वह सिर्फ एक राजनीतिक रैली नहीं, बल्कि जनता की चुप्पी टूटने का संकेत थी। जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने जब अपने काफिले के साथ रोड शो की शुरूआत की, तो पूरा बाजार नारों और उम्मीदों की गूंज में डूब गया।

जोश से लबरेज समर्थकों के बीच पप्पू सिंह का लहजा सधा हुआ मगर धारदार था। उन्होंने भीड़ की ओर इशारा करते हुए कहा —'दो दशक से जिस राजनीति ने जनता को ठहराव में बाँध रखा है, अब उसका अध्याय बंद होना चाहिए। 11 नवंबर को स्कूल के बस्ता छाप पर बटन दबाकर अपने बच्चों का कल सुरक्षित कीजिए। यही सही जवाब होगा उन लोगों के लिए जिन्होंने बीस साल तक विकास को राजनीति की बंधक बना रखा।'उन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी किसी जाति या व्यक्ति की नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों की आवाज है। 'हम उन गांवों की बात कर रहे हैं जहाँ स्कूल तो हैं, मगर शिक्षा नहीं; अस्पताल हैं, मगर इलाज नहीं; योजनाएँ हैं, मगर लाभ नहीं। अब यह ढोंग नहीं चलेगा— जनसुराज बदलाव का नाम है, और यह बदलाव जनता के हाथ में है,ह्व उन्होंने गर्जना करते हुए कहा। सड़क किनारे खड़े युवाओं और महिलाओं की आँखों में उम्मीद का चमकता भाव था। काफिले के साथ जनसुराज प्रत्याशी राकेश कुमार उर्फ बंटी यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. बी.के. ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष अमर कुमार उपाध्याय, शंभू मंडल समेत बड़ी संख्या में समर्थक शामिल थे।

स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। बिहार राज्य चुनाव आयोग के निदेशानुसार स्विप कार्यक्रम के अंतर्गत आदर्श मध्य विद्यालय धनपाड़ा के छात्र-छात्रा एवं शिक्षकों द्वारा अपने पोषक क्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया।इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार आनंद ने बताया कि स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत रैली के माध्यम से आदर्श मध्य विद्यालय धनपाड़ा के पोषक क्षेत्र में बच्चों द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया जिसका मुख्य उद्देश्य आगामी 11 नवंबर को होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में क्षेत्र के मतदाता निर्भीक होकर बिना लोभ-लालच के अधिक से अधिक संख्या में अपना मतदान जरूर करेंगे।

इस कार्यक्रम से शिथिल पड़े मतदाताओं में अपने वोट के महत्व के बारे में सही जानकारी मिलेगी तथा अपने वोट का उपयोग जरूर करेंगे विद्यालय के बच्चों द्वारा मतदान जागरूकता संबंधित नारों एवं स्लोगन से संपूर्ण पोषक क्षेत्र गुंजाइमान रहा।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों में कालेश्वर साह,सियाराम यादव,अमित कुमार, सवेरा खातून,कुमारी श्वेता सुमन,श्वेता सिंह,मनोज कुमार, सुषमा कुमारी आदि उपस्थित रहे।

राहुल गांधी की कसबा सभा : सीमांचल की धरती से बदलाव नहीं, जागरण का शंखनाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कसबा/पूर्णिया। गुरुवार को कसबा विधानसभा क्षेत्र के एम.एल. आर्य कॉलेज परिसर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने जो सभा की, वह महज एक चुनावी कार्यक्रम नहीं बल्कि जनजागरण का शंखनाद साबित हुई। सीमांचल की इस मिट्टी से उन्होंने जो स्वर उठाया, वह राजनीति की सीमाओं को पार कर जनभावनाओं में उतर गया।

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार को अब केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सोच और प्रणाली के पुनर्निर्माण की जरूरत है। उन्होंने कहा— 'जब व्यवस्था जनता से दूर हो जाती है, तो परिवर्तन की जिम्मेदारी जनता खुद लेती है। अब वह वक्त आ चुका है जब बिहार को ठहराव नहीं, दिशा चाहिए।' उन्होंने बेरोजगारी, शिक्षा, किसानों की बदहाली और स्वास्थ्य सेवाओं की उपेक्षा को लेकर केंद्र और राज्य, दोनों सरकारों पर सीधा हमला बोला। राहुल ने कहा— 'यह देश तभी आगे बढ़ेगा जब नौजवानों को रोजगार मिलेगा, किसानों को सम्मान मिलेगा और महिलाओं को सुरक्षा का भरोसा। सिर्फ नारे से नहीं, नीयत से विकास होगा।' सभा में उनके साथ कांग्रेस प्रत्याशी मोहम्मद इरफान आलम मौजूद थे। मंच पर जन अधिकार पार्टी के सुप्रीमो पप्पू यादव, प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, विधायक विजयेंद्र यादव सहित कई स्थानीय नेता उपस्थित थे। सभा स्थल पर उमड़ी भीड़ राहुल गांधी के हर वाक्य पर उत्साह से तालियां बजाती रही। बीच-बीच में भीड़ से नारे गूंजते रहे— 'राहुल तुम संघर्ष करो, सीमांचल तुम्हारे साथ है।' उनकी हर बात में जनता के जज्बात झलक रहे थे। राहुल गांधी ने अपने भाषण के अंत में कहा— 'यह चुनाव सिर्फ सीटों का सवाल नहीं है, यह उस विश्वास की लड़ाई है जो वर्षों से टूटता आया है। हम एक ऐसा बिहार चाहते हैं जो युवाओं के सपनों, किसानों की मेहनत और महिलाओं की आत्मनिर्भरता से मजबूत हो।'

संपादकीय

सड़कों पर जगह-जगह गति मापक यंत्र ,फिर भी दुर्घटनाएं

सरकार के तमाम प्रयासों और दावों के बावजूद देश भर में सड़क हादसों की रफ्तार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। चाहे वाहन में सवार लोग हों या फिर पैदल यात्री, सड़क पर चलना किसी के लिए भी खतरे से खाली नहीं रह गया है। दुर्घटनाओं के लिए यातायात नियमों का पालन नहीं करना, लापरवाही या तेज गति से वाहन चलाना और सड़क निर्माण एवं देखरेख में खामियों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। मगर सवाल है कि इन व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने का दायित्व किसका है?गौरतलब है कि तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह बजरी से लदे एक ट्रक और बस के बीच भीषण टक्कर हो गई। इससे पहले, रविवार को राजस्थान के फलोदी में दो वाहनों के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में बस और जीप आपस में टकरा गए। सोमवार को जयपुर के हरमाड़ा में एक तेज रफ्तार ट्रक ने कई वाहनों को टक्कर मारी दी। इन हादसों में पचास से अधिक लोगों की जान चली गई।सरकार और प्रशासन की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना, दुर्घटना संभावित स्थलों को चिह्नित करना, सड़क निर्माण की गुणवत्ता और देखभाल की निगरानी करना शामिल हैं। मगर, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की हाल की एक रपट कुछ और ही सच्चाई बयां करती है।इसके मुताबिक, वर्ष 2023 में 1.72 लाख लोगों की जान सड़क हादसों में गई है और यह आंकड़ा वर्ष 2022 के मुकाबले 2.6 फीसद अधिक है। इनमें से 68 फीसद से ज्यादा मौतें तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई हैं। साफ है कि सरकार की ओर से सड़क हादसों में कमी लाने के लिए जो सुधारात्मक योजनाएं और उपाय किए जाते हैं, वे प्रभावी तरीके से लागू नहीं हो पा रहे हैं। आखिर इन योजनाओं को सरकारी कागजों से बाहर निकालकर सही मायने में जमीन पर उतारने में गंभीरता क्यों नजर नहीं आती है?जयपुर के हरमाड़ा में जो सड़क हादसा हुआ, उसका मंजर तो किसी फिल्म के डरावने दृश्य की तरह था। एक ट्रक ने पहले कार को टक्कर मारी और फिर वह तेज रफ्तार से कई वाहनों को रौंदता हुआ आगे निकल गया। इस घटना की प्रारंभिक जांच में लापरवाही से वाहन चलाने की बात सामने आई है। सवाल है कि अगर सड़कों पर इस तरह की भयानक घटनाएं होती हैं, तो वाहनों में सवार और पैदल यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? सड़कों पर जगह-जगह गति मापक यंत्र लगाए जाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन क्या यह व्यवस्था ठीक से काम कर पा रही है।अगर नियमों का उल्लंघन करने पर उचित कार्रवाई की जाती है, तो फिर तेज गति से वाहन चलाने वालों के हौसले बेलगाम क्यों हैं? जाहिर है, व्यवस्था में कहीं न कहीं लापरवाही बरती जा रही है, पड़ रहा है। ऐसे में जरूरी है कि वाहनों की रफ्तार से लेकर सड़कों के निर्माण की गुणवत्ता तक की निगरानी के लिए एक सशक्त तंत्र बनाया जाना चाहिए।

भाजपा ने रणनीतिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनाव का मुख्य चेहरा बनाया हुआ है। राज्य में मोदी फैक्टर अब भी प्रभावी है लेकिन स्थानीय असंतोष इसे सीमित कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य और शिक्षा के ढ़ांचे की बदहाली, लगातार पलायन और अपराध के बढ़ते ग्राफ ने सुशासन की कहानी को कमजोर किया है। बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के बाद से ही राज्य की सियासत उबाल पर है। दो चरणों में मतदान और 14 नवंबर को परिणाम, इन दो तिथियों के बीच अब हर बयान, हर गठबंधन, हर रैली और हर अपराध की खबर चुनावी हवा की दिशा तय करेगी। इस बार मुकाबला केवल नीतीश बनाम तेजस्वी या एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन का नहीं है बल्कि अनुभव बनाम उम्मीद, सुशासन बनाम बदलाव और भरोसे बनाम मोहभंग की त्रिकोणीय लड़ाई बन गया है। बीस वर्षों से सत्ता के शिखर पर बैठे नीतीश कुमार का राजनीतिक भविष्य अब जनता की अदालत में है और इस फैसले में बिहार का आने वाला दशक छिपा है। बिहार में इस बार 7.43 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डालेंगे, जिनमें 3.50 करोड़ महिलाएं और 3.92 करोड़ पुरुष शामिल हैं। इनमें से करीब 14 लाख युवा ऐसे हैं, जो पहली बार मतदान करेंगे। यही नई पीढ़ी अब इस चुनाव की दिशा मोड़ सकती है क्योंकि वह जातीय समीकरणों से अधिक रोजगार, शिक्षा, पलायन और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर केंद्रित है। इस बार का चुनावी रण बिहार की पारंपरिक राजनीति की जड़ों को चुनौती दे रहा है।

बदलते बिहार का रण- क्या बदलेगा 2025 का गणित?

(योगेश कुमार गोयल)

जातिवाद, परिवारवाद और गठबंधन की राजनीति के बीच अब विकास, सुरक्षा और रोजगार की गूंज पहले से अधिक मुखर हो चुकी है। राज्य की राजनीतिक पटकथा पिछले दो दशकों में अनेक बार बदली लेकिन एक चेहरा स्थायी रहा, नीतीश कुमार। 2005 में उन्होंने लालू यादव के शासन से 'सुशासन' की ओर संक्रमण का नारा दिया और जनता ने उसे हाथों-हाथ लिया लेकिन बीस वर्षों में वही चेहरा अब थकान का प्रतीक बन गया है। सत्ता विरोधी लहर स्पष्ट दिख रही है और विपक्ष इसे 'नीतीश थकान सिंड्रोम' कहकर प्रचारित कर रहा है। तेजस्वी यादव की आरजेडी, कांग्रेस और वाम दलों के साथ गठित महागठबंधन इस बार जोर-शोर से मैदान में है। वहीं एनडीए, जिसमें जेडीयू, भाजपा, लोजपा (रामविलास) और हम जैसे सहयोगी हैं, अपने पुराने समीकरणों पर भरोसा कर रहा है। मगर इन समीकरणों की जमीन पहले जैसी ठोस नहीं रही। भाजपा और जेडीयू के रिश्तों में तनाव है, सीट बंटवारे को लेकर खींचतान हुई है और नीतीश कुमार की उम्र और स्वास्थ्य पर लगातार चर्चा हो रही है।

भाजपा ने रणनीतिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनाव का मुख्य चेहरा बनाया हुआ है। राज्य में मोदी फैक्टर अब भी प्रभावी है लेकिन स्थानीय असंतोष इसे सीमित कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य और शिक्षा के ढ़ांचे की बदहाली, लगातार पलायन और अपराध के बढ़ते ग्राफ ने सुशासन की कहानी को कमजोर किया है। पटना से लेकर मुजफ्फरपुर और गया तक अपराध की घटनाएं आम होती जा रही हैं। हाल ही में मोकामा में हुई हत्या ने राज्य की कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। चुनावी माहौल के बीच खुलेआम गोली चलना और जन सुराज के प्रत्याशी का खुलकर समर्थन कर रहे बाहुबली दुलारचंद यादव की हत्या यह संकेत देती है कि बिहार आज भी अपराध के साए से मुक्त नहीं है। विपक्ष इसे 'सुशासन का पतन' और 'जंगल राज' कहकर प्रचारित कर रहा है। जनता के मन में यह सवाल गूंज रहा है कि क्या बिहार का 'जंगल राज' कभी 'मंगल राज' बन सकेगा?

इन सबके बीच भ्रष्टाचार भी इस बार बड़ा मुद्दा बनकर उभरा है। प्रशांत किशोर, जो पहले चुनावी रणनीतिकार थे और अब जन सुराज पार्टी के नेता हैं, उन्होंने एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं पर भ्रष्टाचार और परिवारवाद के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके आरोपों ने सत्ता पक्ष को रक्षात्मक बना दिया है। भाजपा ने पलटवार किया लेकिन जन धारणा में पीके की 'साफ-सुथरी राजनीति' का प्रभाव देखा जा सकता है। जन सुराज पार्टी का जनाधार भले सीमित हो लेकिन वह कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति पैदा कर सकती है। युवाओं और पढ़े-लिखे वर्ग में पीके की अपील बढ़ रही है, खासकर उन लोगों के बीच, जो जातिगत राजनीति से ऊब चुके हैं और नए विकल्प की तलाश में हैं।

एनडीए सरकार ने इस बार मतदाताओं को लुभाने के लिए कई लोकलुभावन घोषणाएं की हैं, महिलाओं को 10 हजार रुपये की सहायता राशि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि, युवाओं के लिए बेरोजगारी भत्ता, किसानों को फसल बीमा राहत और मुफ्त बिजली जैसी योजनाएं। भाजपा और जेडीयू दोनों इस बात पर दांव लगा रहे हैं कि महिलाओं का वर्ग, जो बिहार के चुनावों में अब निर्णायक बन चुका है, इन योजनाओं से प्रभावित होकर वोट करेगा। 2020 के चुनाव में महिला मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक था और इस बार भी यह रुझान कायम रह सकता है। महिला मतदाताओं की नब्ज इस बार निर्णायक हो सकती है, वे ही तय करेंगी कि स्थायित्व बेहतर है या परिवर्तन की शुरुआत। दूसरी ओर, विपक्ष भी अपनी रणनीति पर आक्रामक है। तेजस्वी यादव ने रोजगार, शिक्षा और पलायन के मुद्दे को केंद्र में रखकर युवाओं को आकर्षित करने की कोशिश की है। राहुल गांधी के साथ उनकी साझा रैलियों में भीड़ उमड़ रही है लेकिन भीड़ को वोट में बदलना उनकी सबसे बड़ी चुनौती है। विपक्ष ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी का मुद्दा उठाया, यह नैरेटिव खासकर शहरी मतदाताओं और पढ़े-लिखे वर्ग में कुछ हद तक असर डाल सकता है। राज्य का जातीय गणित भी बदला है। 2022 के जाति आधारित सर्वेक्षण ने यह स्पष्ट किया कि बिहार में अत्यंत पिछड़ा वर्ग अब सबसे बड़ा समूह है, करीब 36 प्रतिशत। ओबीसी करीब 27 प्रतिशत, एससी 19.6 प्रतिशत और मुस्लिम लगभग 17 प्रतिशत हैं। यही वर्ग अब चुनाव का निर्णायक चेहरा बन गया है। एनडीए इन वर्गों में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में है जबकि इंडिया गठबंधन यादव-मुस्लिम समीकरण को सहेजकर साथ ही पिछड़ों और दलितों को जोड़ने की रणनीति पर काम कर रहा है। सवाल यह है कि क्या जातीय पहचान अब भी वोट का आधार बनी रहेगी या फिर मतदाता अपनी प्राथमिकताएं बदल चुका है? दिलचस्प तथ्य यह है कि बिहार के ग्रामीण इलाकों में एनडीए की पकड़ मजबूत है जबकि शहरी इलाकों में विपक्ष को समर्थन बढ़ता दिख रहा है। लेकिन भाजपा सत्ता विरोधी भावना को संगठनात्मक ताकत से काउंटर करने की कोशिश कर रही है। मोदी फैक्टर और केंद्र की योजनाओं का लाभ एनडीए को मिला है पर यह लाभ तभी टिकेगा, जब नीतीश सरकार की छवि 'थकी हुई व्यवस्था' से उबर सके। भाजपा के भीतर भी यह चिंता है कि नीतीश अब वोट खींचने वाले नहीं रहे पर वे गठबंधन के लिए 'अनिवार्य चेहरा' हैं, उन्हें हटाना जोखिम भरा कदम होगा। विपक्ष के पास मौका है लेकिन उसके भीतर नेतृत्व का असंतुलन एक बड़ी कमजोरी भी है। तेजस्वी यादव की लोकप्रियता सीमित क्षेत्रों में केंद्रित है और कांग्रेस की पकड़ कमजोर पड़ चुकी है। यदि विपक्षी गठबंधन एकजुट रह सका और भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, अपराध जैसे मुद्दों को जनता के बीच जीवंत बनाए रख सका तो मुकाबला बेहद करीबी हो सकता है अन्यथा एनडीए सत्ता-विरोधी लहर को भी 'स्थायित्व और सुशासन' की ढ़ाल से झेल लेगा। एक और बड़ा प्रश्न यह है कि क्या बिहार में इस बार महिला मतदाता कोई निर्णायक बदलाव ला पाएंगी? यह प्रश्न इसलिए अहम है क्योंकि 2005 से लेकर 2020 तक हर चुनाव में महिला मतदाताओं का रुझान उस दल की जीत से जुड़ा रहा है, जिसने उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सुविधा का भरोसा दिलाया। यदि महिलाएं एनडीए की योजनाओं से प्रभावित हुईं तो यह गठबंधन को बढ़त दिला सकता है लेकिन यदि उन्हें लगे कि उनके जीवन में वास्तविक सुधार नहीं हुआ तो वे बदलाव का विकल्प चुन सकती हैं। बिहार का यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं बल्कि राजनीतिक संस्कृति के संक्रमण का चुनाव है। एक तरफ 'सुशासन बाबू' की थकान और सत्ता के स्थायित्व की कहानी है, दूसरी ओर नई पीढ़ी की उम्मीदें और बदलाव की मांग। बीच में प्रशांत किशोर जैसा तीसरा विकल्प है, जो राजनीति के पुराने समीकरणों को चुनौती दे रहा है। यह चुनाव बताएगा कि बिहार अब भी परंपरागत जातीय राजनीति में बंधा है या वह सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को केंद्र में रखकर नई दिशा चुनने को तैयार है। 14 नवंबर को जब नतीजे आएंगे तो केवल यह नहीं बताएंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा बल्कि यह भी उजागर करेंगे कि बिहार का जनमत अब भी बीस वर्षों पुराने भरोसे पर टिका है या नई सोच की ओर अग्रसर हो चुका है। मोकामा जैसी घटनाएं, बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार के आरोप, बेरोजगारी और पलायन की त्रासदी ने बिहार के मतदाताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इस चुनाव के नतीजे केवल सत्ता नहीं, बिहार की राजनीति की आत्मा को भी नया रूप देंगे। यह चुनाव बिहार के लिए वह मोड़ साबित हो सकता है, जहां से राज्य या तो भविष्य की ओर छलांग लगाएगा या फिर अतीत के साए में लौट जाएगा, जहां 'जंगल राज' और 'मंगल राज' के बीच केवल जनता की समझदारी की दीवार खड़ी है।(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

प्रदूषण पर वोट बैंक की राजनीति से नरक बनी दिल्ली

(योगेंद्र योगी)

दिल्ली-एनसीआर की मिट्टी लगातार प्रदूषण और शहरीकरण की मार झेलते हुए बंजर होती जा रही है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सॉइल एंड वॉटर कंजर्वेशन (आईआईएसडब्ल्यूसी), देहरादून की रिपोर्ट में खुलासा किया था कि कई जिलों की जमीन की उर्वरता और गुणवत्ता मान्य स्तर से नीचे गिर चुकी है। किसी भी देश की राजधानी देश के आर्तरिक हालात का मापदंड हो सकती है। राजधानी की हालत देख कर बाकी देश के विकास की तस्वीर का अंदाजा लगाया जा सकता है।राजधानी दिल्ली की सूरत–सीरत से पता लगाया जा सकता है शेष भारत के क्या हालात हैं। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि हर तरह के प्रदूषण के लिहाज से दिल्ली नरक बन चुकी है। दिल्ली की हवा, पानी–मिट्टी सब प्रदूषित हो चुकी है। प्रदूषण का स्तर भी भयावह हो चुका है। स्विट्जरलैंड की एयर क्वालिटी फर्म आईक्यूएआइआर की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली की हवा दिवाली के बाद तेजी से खराब हुई। पटाखों का धुआँ, वाहनों के धुएँ, निर्माण कार्य और पराली जलाने से हवा में जहरीले कण घुल गए हैं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक दीपावली पर दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 350 रिकॉर्ड किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। दिवाली से पहले सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में सिर्फ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी थी और समय-सारिणी तय की थी। दिल्ली-एनसीआर के शहरों में पटाखों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जमकर धज्जियां उड़ीं। सुप्रीम कोर्ट ने रात आठ बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन लोगों ने आधी रात के बाद तक भी जमकर पटाखे फोड़े, जिसके चलते हवा को दमघोंटू बना दिया।

दिल्ली सरकार और प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियां अब आपातकालीन कदमों पर विचार कर रही हैं, जिनमें स्कूल बंद करना, निर्माण कार्य रोकना और वाहनों के उपयोग को सीमित करना शामिल हो सकता है। दिल्ली के लोग वायु प्रदूषण के कारण कई बीमारियों से पीड़ित हैं, जिनमें सांस की बीमारियां (अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस, निमोनिया), हृदय रोग (हार्ट अटैक, स्ट्रोक), और जोड़ों की समस्याएं (गठिया) शामिल हैं। प्रदूषण से फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी आ रही है और जीवन प्रत्याशा भी कम हो रही है। पहले माना जाता था कि वायु प्रदूषण सिर्फ सांस की बीमारियों का कारण बनता है, लेकिन अब विशेषज्ञों ने यह साफ कर दिया है कि पीएम 2.5 जैसे सूक्ष्म प्रदूषक शरीर के अंदर सूजन पैदा करके हड्डियों और जोड़ों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के रीयल-टाइम आंकड़ों से पता चला है पटाखों के कारण दिल्ली के 26 सक्रिय ध्वनि निगरानी केंद्रों में से 23 ने तय सीमा से ज़्यादा शोर दर्ज किया, जो पिछले साल 22 केंद्रों और 2023 में 13 केंद्रों से ज़्यादा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 2022 के आदेश में प्राधिकारों को निर्देश दिया था कि वे ध्वनि प्रदूषण को वायु प्रदूषण के समान मानें तथा यह सुनिश्चित करें कि दोनों पर काबू के लिए उपायों को एक साथ लागू किया जाए। इसके बावजूद इस बार दीपावली पर सबसे तेज़ पटाखे रात 9 बजे से 11 बजे के बीच फोड़ने की आवाज़ दर्ज की गई। कई इलाकों में आधी रात के बाद भी उच्च स्तर दर्ज किए गए। शांत क्षेत्र भी तेज आवाज के शिकार हुए। 24 फरवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में अपशिष्ट पृथक्करण की दयनीय स्थिति पर केंद्र और कई राज्य प्राधिकारियों को फटकार लगाई। न्यायालय ने सभी एनसीआर राज्यों को अपशिष्ट प्रबंधन प्रयासों पर हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि कार्रवाई न करने पर निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध लग सकता है। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बावजूद दिल्ली–एनसीआर के हालात सुधरने के बजाए ओर बिगड़ते चले गए। देश की राजधानी को मुस्लिम विदेशी आक्रांतओं ने हर बार लूटा था। आजादी के बाद दिल्ली देश के नीति–नियंताओं लूट–खसौट का शिकार हो चुकी है। दिल्ली किसी भी दृष्टिकोण से जीने लायक नहीं रह गई। नेता और राजनीतिक दलों की वोट बैंक की राजनीति ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। नेता जब तक क्षुद्र स्वार्थों से हट कर नहीं सोचेंगे तब तक दिल्ली के हालात में सुधार की गुंजाइश नजर नहीं आती। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पुष्कर मेला 2025-लोक संस्कृति का वाहक पुष्कर मेला

(रमेश सर्राफ धमोरा)

पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं। पुष्कर मेले को खास माना जाता है क्योंकि यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक महत्व का एक अनूठा संगम है। राजस्थान में अजमेर से लगभग 11 किलीमीटर दूर हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर है। यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। यहां पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होता है जो इस मेले की शोभा को और बढ़ा देते हैं। पुष्कर मेला कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक लगता है। मेलों के रंग राजस्थान में देखते ही बनते हैं। ये मेले मरुस्थल के गांवों के कठोर जीवन में एक नवीन उत्साह भर देते हैं। लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर जगह-जगह पर नृत्य गान आदि समारोहों में भाग लेते हैं। यहां पर काफी मात्रा में भीड़ देखने को मिलती है। लोग इस मेले को श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतीक मानते हैं। पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं। पुष्कर मेले को खास माना जाता है क्योंकि यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक महत्व का एक अनूठा संगम है। पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं। जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं। पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती है, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं, जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं। राजस्थान में त्यौहारों, पर्वों एवं मेलों की अनूठी परम्परा एवं संस्कृति है वैसी देश में अन्यत्र कहीं मिलना कठिन है। यहां का प्रत्येक मेला एवं त्यौहार लोक जीवन की किसी किवदन्ती या किसी ऐतिहासिक कथानक से जुड़ा हुआ है। इसलिए इनके आयोजन में सम्पूर्ण लोक जीवन पूरी सक्रियता से भाग लेता है। इन मेलों में राजस्थान की लोक संस्कृति जीवन्त हो उठती है। इन मेलों के अपने गीत हैं, जिनके प्रति जन साधारण की गहरी आस्था दृष्टिगोचर होती है। इससे लोग एकता के सूत्र

में बंधें रहते हैं। राजस्थान में अधिकांश मेले पर्व व त्यौहार के साथ जुड़े हुए हैं। मेलों का महत्व देवताओं एवं देवियों की आराधना को लेकर भी है क्योंकि देर्वाचन से मानव को शान्ति प्राप्त होती है। वैसे तो राजस्थान के विभिन्न भागों में बहुत बड़ी संख्या में मेले आयोजित किए जाते हैं, परन्तु कुछ गिने-चुने मेलों का अपना ही महत्व होता है। यहां के धार्मिक मेलों में सम्बंधित धर्म अनुयायियों के अतिरिक्त अन्य धर्म के लोग एवं अन्य जाति के लोग भी खुलकर भाग लेते हैं। मेला स्थल से परे पुष्कर नगरी का माहौल एक तीर्थनगरी सरीखा होता है। कार्तिक में स्नान का महत्व हिंदू मान्यताओं में वैसे भी काफी ज्यादा है। इसलिए यहां साधु भी बडी संख्या में नजर आते हैं। मेले के शुरुआती दिन जहां पशुओं की खरीद-फरोख्त पर जोर रहता है। वहीं बाद के दिनों में पूर्णिमा पास आते-आते धार्मिक गतिविधियों का जोर हो जाता है। श्रद्धालुओं के सरोवर में स्नान करने का सिलसिला भी पूर्णिमा को अपने चरम पर होता है। पुष्कर मेले के दौरान इस नगरी में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखा जाता है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है और पुष्कर मेला राजस्थान का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। पुष्कर मेले की प्रसिद्धि का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में ताजमहल का जो दर्जा विदेशी सैलानियों की नजर में है। ठीक वही महत्व त्यौहारों से जुडे पारम्परिक मेलों में पुष्कर मेले का है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है। क्योंकि यहां समूचे ब्रह्मांड के रचयिता माने जाने वाले ब्रह्मा जी का निवास है। पुष्कर के महत्व का वर्णन पद्मपुराण में मिलता है। इसके अनुसार एक समय ब्रह्मा जी को यज्ञ करना था। उसके लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए उन्होंने धरा पर अपने हाथ से एक कमल पुष्प गिराया। वह पुष्प अरावली पहाडियों के मध्य गिरा और लुढकते हुए दो स्थानों को स्पर्श करने के बाद तीसरे स्थान पर ठहर गया। जिन तीन स्थानों को पुष्प ने धरा को स्पर्श किया वहां जलधारा फूट पडी और पवित्र सरोवर बन गए। सरोवरों की रचना एक पुष्प से हुई इसलिए इन्हें पुष्कर कहा गया। प्रथम सरोवर कनिष्ठ पुष्कर, द्वितीय सरोवर मध्यम पुष्कर कहलाया। जहां पुष्प ने विराम लिया वहां एक सरोवर बना, जिसे ज्येष्ठ पुष्कर कहा गया। ज्येष्ठ पुष्कर ही आज पुष्कर के नाम से विख्यात है। पुष्कर में लगभग चार सौ मंदिर है। इसीलिए इसे मंदिर नगरी भी कहा जाता है। महाभारत में पुष्कर राज के बारे में लिखा है कि तीनों लोकों में मृत्यु लोक महान है और मृत्यु लोक में देवताओं का सर्वाधिक प्रिय स्थान पुष्कर है। चारों धामों की यात्रा करके भी यदि कोई व्यक्ति पुष्कर सरोवर में डुबकी नहीं लगाता है तो उसके सारे पुण्य निष्फल हो जाते हैं। यही कारण है कि तीर्थ यात्री चारो धामों की यात्रा के बाद पुष्कर की यात्रा जरूर करते हैं। तीर्थ राज पुष्कर को पृथ्वी का तीसरा नेत्र भी माना जाता है। पुष्कर नगरी में विश्व का एकमात्र ब्रह्मा मंदिर है तो दूसरी तरफ दक्षिण स्थापत्य शैली पर आधारित रामानुज संप्रदाय का विशाल वैकुंठ मंदिर। इनके अलावा सावित्री मंदिर, वराह मंदिर के अलावा अन्य कई मंदिर हैं। पास में ही एक छोटे से मन्दिर में नारद जी की मूर्ति। एक मन्दिर में हाथी पर बैठे कुबेर तथा नारद की मूर्तियां हैं। ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लिखित है कि अपने मानस पुत्र नारद द्वारा सृष्टिकर्म करने से इन्कार किए जाने पर ब्रह्मा ने उन्हें शाप दे दिया कि तुमने मेरी आज्ञा की अवहेलना की है। अतः मेरे शाप से तुम्हारा ज्ञान नष्ट हो जाएगा और तुम गन्धर्व योनि को प्राप्त करके कामिनियों के वशीभूत हो जाओगे। तब नारद ने भी दुःखी पिता ब्रह्मा को शाप दिया कि आपने बिना किसी कारण मुझे शाप दिया है। अतः मैं भी आपको शाप देता हूं कि तीन लोक में आपकी पूजा नहीं होगी और आपके मंत्र, श्लोक कवच आदि का लोप हो जाएगा। तभी से ब्रह्मा जी की पूजा नहीं होती है। मात्र पुष्कर क्षेत्र में ही वर्ष में एक बार उनकी पूजा-अर्चना होती है। कई आस्थावान लोग पुष्कर परिक्रमा भी करते हैं। सुबह और शाम के समय यहां आरती होती है। वह दृश्य अत्यंत मनोहारी होता है। पुष्कर सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा पर पर्व स्नान का बडा महत्व माना गया है। क्योंकि कार्तिक पूर्णिमा पर ही ब्रह्मा जी का वैदिक यज्ञ संपन्न हुआ था। तब यहां सम्पूर्ण देवी-देवता एकत्र हुए थे। उस पावन अवसर पर पर्व स्नान की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस प्रकार प्रयाग को तीर्थराज कहा जाता है उसी प्रकार से इस तीर्थ को पुष्कर्राज कहा जाता है। हिन्दुओं के लिए पुष्कर एक पवित्र तीर्थ व महान पवित्र स्थल है। वर्तमान समय में इसकी देख-रेख की व्यवस्था सरकार ने सम्भाल रखी है। अतः तीर्थस्थल की स्वच्छता बनाए रखने में भी काफी मदद मिली है। यात्रियों की आवास व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाता है। यहां आने वाला हर तीर्थयात्री यहां की पवित्रता और सौंदर्य की मन में याद संजो कर ही लौटता है।(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

संक्षिप्त समाचार

रामानंद यादव ने सबसे अधिक 17.56 लाख तो भाई वीरेंद्र ने सबसे कम 3.49 लाख खर्च किया

पटना, एजेंसी। पटना जिले के सभी 14 विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों में अबतक चुनाव खर्च के मामले में राजद के डॉ. रामानंद यादव टॉप पर हैं। फतुहा से राजद प्रत्याशी रामानंद यादव ने सबसे अधिक 17.56 लाख खर्च करने का ब्योरा दिया है। सबसे कम मनेर के राजद प्रत्याशी भाई वीरेंद्र ने 3.49 लाख खर्च का हिसाब दिया है। पटना समाहरणालय के व्यय कोषांग में सभी प्रत्याशियों ने अपने चुनाव खर्च का ब्योरा दिया है। हालांकि अधिकतर आंकड़े दो राउंड के हैं। खर्च का ब्योरा ऑनलाइन उपलब्ध है। इस बीच मंगलवार को कोषांग में दिनभर प्रत्याशियों द्वारा उपलब्ध कराए गए ब्योरे का हिसाब लगाने में अधिकारी और कर्मी जुटे रहे। जिला प्रशासन बुधवार को फाइनली खर्च का ब्योरा वेबसाइट पर जारी करेगा। इस बीच, व्यय प्रेक्षक पद्म राम ने जिले के सभी प्रमुख बैंकों के प्रतिनिधियों को चुनाव प्रचार समाप्त होने और मतदान के 72 घंटे के दौरान हर बड़ी और संदिग्ध निकासी पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया है।

7 तक भरें यूजीसी-नेट दिसंबर परीक्षा का फॉर्म, एनटीए ने जारी की एडवाइजरी

पटना, एजेंसी। एनटीए ने यूजीसी-नेट दिसंबर-2025 परीक्षा के आवेदन की प्रक्रिया पूरी करने को लेकर एडवाइजरी जारी की है। एजेंसी ने बताया है कि आवेदन पोर्टल 7 नवंबर की रात 11:50 बजे तक खुला रहेगा। जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक फॉर्म नहीं भरा है, वे जल्द आवेदन पूरा कर लें। एनटीए ने कहा है कि आवेदन प्रक्रिया तभी पूरी मानी जाएगी जब उम्मीदवार परीक्षा शुल्क का सफलतापूर्वक भुगतान कर देंगे। साथ ही उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि फॉर्म भरने के बाद वे कन्फर्मेशन पेज डाउनलोड कर सुरक्षित रखें, ताकि भविष्य में जरूरत पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके। एजेंसी ने यह भी कहा है कि अभ्यर्थी फीस जमा करने से पहले अपने सभी विवरण ध्यान से जांच लें, क्योंकि बाद में किसी प्रकार का सुधार या बदलाव नहीं किया जाएगा। उम्मीदवारों को एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित रूप से विजिट करने की सलाह दी गई है, ताकि परीक्षा से जुड़ी नवीनतम जानकारी और नोटिस प्राप्त होते रहें।

एसएससी सीएचएसएल टियर-1 : शहरों की सूची हुई जारी, 12 नवंबर से परीक्षा

पटना, एजेंसी। 8 नवंबर के बीच वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे। एडमिट कार्ड में परीक्षा केंद्र का पता, तिथि और जरूरी दिशा-निर्देश दिए रहेंगे। एसएससी ने बताया कि जिन्होंने सेल्फ स्लॉट बुकिंग की थी, उन्हें उनकी पसंद के अनुसार परीक्षा शहर और तिथि दी गई है। हालांकि, कुछ तकनीकी कारणों से परीक्षा की शिफ्ट में बदलाव हो सकता है, लेकिन शहर वही रहेगा। वहीं जिन्होंने वैकल्पिक शहर चुना था, उन्हें भी उनकी पसंद के मुताबिक शहर दिया गया है। जिन अभ्यर्थियों ने स्लॉट बुकिंग नहीं की, उन्हें उपलब्धता के आधार पर परीक्षा शहर और तिथि दी गई है। अगर किसी उम्मीदवार को अपनी पसंद का शहर नहीं मिला है, तो वह 8 नवंबर रात 11 बजे तक आयोग की वेबसाइट पर फीडबैक पोर्टल के जरिए शिकायत दर्ज कर सकता है। अगर सीटें खाली रहीं, तो आयोग ऐसे अभ्यर्थियों को नया शहर आवंटित कर सकता है। पटना/7एसएससी ने सीएचएसएल टियर-1 परीक्षा के लिए परीक्षा शहरों की जानकारी जारी कर दी है। अब अभ्यर्थी अपनी सिटी इंटीमेशन स्लिप डाउनलोड कर यह देख सकते हैं कि उन्हें कौन-सा परीक्षा शहर मिला है। आयोग ने बताया कि सिटी इंटीमेशन स्लिप बुधवार को जारी की गई है। अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट पर लॉगइन कर अपने परीक्षा शहर की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षा 12 नवंबर से देशभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर शुरू होगी।

पटना में वायु प्रदूषण दिल्ली के बराबर, एक्यूई 207, वेटनरी मैदान इलाके की स्थिति सबसे खराब

पटना, एजेंसी। पटना में वायु प्रदूषण बुधवार को दिल्ली के बराबर पहुंच गया। दोनों शहरों का एक्यूआई लेवल 207 रिकॉर्ड किया गया है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मानक के मुताबिक, जहां का एक्यूआई लेवल 200 से अधिक है, वहां की हवा के स्वास्थ्य के लिए खराब है। पटना में एयरपोर्ट, वेटनरी मैदान और आसपास के इलाका सबसे प्रदूषित है।वेटनरी मैदान के पास लगातार दूसरे दिन एक्यूआई लेवल 311 दर्ज किया गया है। दानापुर और सचिवालय इलाका यलो जोन से एक दिन बाद ऑरेंज जोन में पहुंचा गया है। पटना सिटी, तारामंडल और गांधी मैदान इलाके का एक्यूआई लेवल 100-200 के बीच में दर्ज किया गया है। वायु प्रदूषण विशेषज्ञ रविरंजन सिन्हा ने बताया कि शहर के विभिन्न इलाकों में कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। निर्माण एजेंसियां वायु प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का पालन नहीं कर रही हैं। पटना सहित राज्य के सभी जिलों में हवा में नमी आने के कारण वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है।

पहले चरण में 16 मंत्रियों की किस्मत दांव पर, उत्तर बिहार पर सबकी नजर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। पहले चरण के चुनाव में राज्य में 121 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। इनमें उत्तर बिहार के तीन जिलों मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और दरभंगा की 31 सीटें भी शामिल हैं। इस चरण में कुल 16 मंत्री मैदान में हैं, जिनमें उत्तर बिहार के सात हैं।

कुढ़नी से पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, साहेबगंज से पर्यटन मंत्री राजू सिंह, जाले से नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश कुमार, दरभंगा नगर से भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री संजय सरावगी, सरायरंजन से जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, कल्याणपुर से सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी और बहादुरपुर से समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी हैं। मुजफ्फरपुर के दोनों मंत्री भाजपा और समस्तीपुर के जदयू के टिकट पर मैदान में हैं।

दरभंगा में दो मंत्री भाजपा और एक जदयू कोटे से हैं। मुजफ्फरपुर के कांटी में दो पूर्व मंत्रियों (जदयू से अजित कुमार और राजद से इसराइल मंसूरी) की भी टक्कर है। दोनों उपमुख्यमंत्री भी इसी चरण में : अन्य मंत्रियों में दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व विजय कुमार सिन्हा के भाग्य का फैसला भी पहले चरण में ही होगा। सम्राट तारापुर से हैं, उनके सामने राजद के अरुण कुमार और जन सुराज पार्टी के संतोष कुमार सिंह हैं।

वहीं, लखीसराय में विजय सिन्हा को चुनौती देने के लिए कांग्रेस ने अमरेश कुमार अनीश को उतारा है। सिवान में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय का मुकाबला राजद के अवध बिहारी चौधरी से है। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री रत्नेश सदा सोनबरसा में हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. सुनील कुमार बिहारशरीफ, नालंदा सीट से ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार भोरे, आइटी मंत्री कृष्ण कुमार मंटू अमनौर और पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन बांकीपुर से मैदान में हैं।

समस्तीपुर में मंत्रियों के सामने पुराने योद्धा ही टक्कर में : साहेबगंज में मंत्री के सामने राजद के पृथ्वीनाथ राय हैं। कुढ़नी में भाजपा उम्मीदवार मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता के सामने राजद के सुनील कुमार सुमन मुकाबले में हैं। समस्तीपुर के सरायरंजन और कल्याणपुर में जदयू से दो मंत्री हैं और उनका मुकाबला पुराने प्रतिद्वंद्वी क्रमशः राजद के अरविंद सहनी और भाकपा (माले) के रंजीत राम से है।

दरभंगा की जाले सीट पर मंत्री जीवेश कुमार के सामने कांग्रेस के ऋषि मिश्रा हैं। बहादुरपुर में मंत्री मदन सहनी के सामने लालू प्रसाद यादव के विश्वस्त राजद के भोला यादव हैं। वे 2015 में यहां से जीत चुके हैं। इस सीट पर जन सुराज से मो. आमिर हैदर भी मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़े।

दरभंगा शहरी विधानसभा क्षेत्र से राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी छठी बार विधानसभा पहुंचने के लिए जोर लगाए रहे। दूसरी ओर महागठबंधन के वीआईपी प्रत्याशी उमेश सहनी और जन सुराज पार्टी से सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी आरके मिश्रा हैं।

बिहार में डिप्टी सीएम की कार पर पथराव, गांव की गली में घेरकर चप्पलें फेंकी और नारेबाजी

लखीसराय, एजेंसी। बिहार चुनाव में आज पहले चरण के तहत 121 सीटों पर वोटिंग जारी है। इस बीच लखीसराय विधानसभा क्षेत्र से बड़ी खबर आ रही है। जहां उपमुख्यमंत्री और लखीसराय निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा की कार को राजद समर्थकों ने घेर लिया और उनके ऊपर चप्पल फेंकी और मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान वहां अफरा तफरी का माहौल बन गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

वहीं उपमुख्यमंत्री और लखीसराय निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि , 'ये राजद के गुंडे हैं। एनडीए सत्ता में आ रही है इसलिए इनके छत पर बुलडोजर चलेगा। गुंडे मुझे गांव में जाने नहीं दे रहे हैं।

विजय सिन्हा ने आरोप लगाते हुआ कहा कि विजय सिन्हा जीतने वाले हैं।उन्होंने मेरे पोलिंग एजेंट को भगा दिया और उसे वोट नहीं देने दिया।।।उनकी गुंडागर्दी देखिए।।।यह खोरियारी गांव के 404 और 405 बूथ नंबर हैं।'

भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा ने आगे कहा, 'ये राजद के गुंडे हैं। सत्ता में आए बिना ही ये गुंडे बिहार के उपमुख्यमंत्री को बाहर जाने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यहां के स्क्कायर और कमजोर हैं जो यहां आकर कह रहे हैं कि शांतिपूर्ण मतदान हो रहा है।।। यदि किसी भी तरह की कोई घटना होती है तो हम यहीं पर धरना-प्रदर्शन करेंगे। ऐसे प्रशासन पर धिक्कार है।

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़

पटना, एजेंसी। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को तड़के से ही शहर और आसपास के क्षेत्रों के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हर-हर गंगे और जय मां गंगे के जयघोष के बीच महिला-पुरुष श्रद्धालु ब्रह्म मुहूर्त में ही गंगा स्नान के लिए पहुंचने लगे। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना एवं दान-पुण्य कर भगवान से सुख-समृद्धि की कामना की। गंगा घाटों पर अपर समाहर्ता अनिल कुमार और वरीय उप समाहर्ता विनय कुमार सहित प्रशासनिक और पुलिस टीम सुबह से ही मुस्तैद रही।

सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और नदी में गहराई वाले स्थानों पर विशेष निगरानी की गई। लॉ कॉलेज घाट, रानी घाट, बीएनआर घाट, बालू घाट, घघा घाट, रौशन घाट, चौधरी टोला घाट, पथरी घाट, कदम घाट के अलावा गायघाट, भद्र घाट, महावीर घाट, खाजेकलां घाट, दमराही घाट और दीदारगंज घाट सहित आधा दर्जन से अधिक घाटों पर भी स्नान करने आए श्रद्धालुओं की लंबी भीड़ देखने को मिली। कई घाटों पर मेला भी लगा, जहां खाने-पीने की दुकानों के साथ पूजा सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की बिक्री होती रही।

कार्तिक स्नान का समापन हो गया

कार्तिक पूर्णिमा के साथ ही एक माह से चल रहा कार्तिक स्नान का क्रम भी आज समाप्त हो गया। श्रद्धालुओं द्वारा घाट से लौटने के बाद शहर के प्रमुख मंदिरों में दर्शन-पूजन का सिलसिला पूरे दिन चलता रहा। इसे लेकर शक्तिपीठ बड़ी पटनदेवी,| सिद्ध पीठ छोटी पटनदेवी, अगमकुआं स्थित शीतला माता मंदिर में लोग उमड़ पड़े। यहां मंगला आरती के बाद कपाट खुलते ही भक्तों की लम्बी कतारें लग गईं। शक्तिपीठ बड़ी पटनदेवी के महंत विजय शंकर गिरि ने बताया कि मंगला आरती से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दर्शन के लिए उमड़ पड़ी।

गुरु नानक के एकता, समानता और प्रेम के संदेश कल्याणकारी

पटना, एजेंसी। सिख पंथ के प्रथम गुरु, गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश उत्सव पर बुधवार को तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में भव्य विशेष दीवान का आयोजन किया गया। दीवान में संगत की भारी भीड़ उमड़ी। रागी जत्थों द्वारा की गई शबद-कीर्तन की स्वर लहरियों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। विशेष दीवान की शुरुआत जपुजी साहिब पाठ से हुई।

भाई हरजीत सिंह, भाई नविंदर सिंह, लखनऊ के भाई गुरमीत सिंह, टाटा नगर के भाई गुरदीप सिंह और अमृतसर दरबार साहिब के भाई सुखजीत सिंह ने शबद-कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को निहाल किया। कथावाचक ज्ञानी दलजीत सिंह और ज्ञानी सुखदेव सिंह ने गुरु नानक देव जी के जीवन, उपदेश और मानव कल्याण के संदेश पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि

गुरु नानक देव जी ने एकता, समानता, और प्रेम का संदेश दिया था, जिसकी प्रासंगिकता आज बढ़ गई है। मानवता के लिए उनके संदेश कल्याणकारी हैं।

इधर, प्रकाश उत्सव के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा पूर्व केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने तख्त श्री हरिमंदिर साहिब में पहुंचकर मत्था टेका और गुरुघर का आशीर्वाद लिया। जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह ने दोनों को सिरोपा से सम्मानित किया। प्रबंधक समिति के पदाधिकारियों ने उन्हें प्रतीक चिह्न और दशमेश गुरु की जीवनी पर आधारित पुस्तक भेंट की। मुख्यमंत्री ने गुरु नानक देव जी के उपदेशों को जीवन में अपनाने की अपील की।

विश्व शांति व भाईचारे के लिए अरदास की गई

जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह द्वारा विश्व शांति व भाईचारे के लिए अरदास की गई। ज्ञानी दिलीप सिंह ने हुकुमनामा और शस्त्र दर्शन कराया। अमृत संचार कार्यक्रम में करीब एक दर्जन लोगों ने सिख पंथ की दीक्षा ग्रहण की। दीवान में तख्त श्री हरमंदिर साहिब प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही, महासचिव इंद्रजीत सिंह, उपाध्यक्ष गुरविंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में संगत शामिल रही। प्रकाश पर्व में भाग लेने के लिए पंजाब, हरियाणा, झारखंड, छत्तीसगढ़, दिल्ली सहित कई राज्यों से श्रद्धालु पहुंचे। इस मौके पर गुरुवाणी प्रचार सेवा केंद्र में प्रो. लाल मोहर उपाध्याय द्वारा रचित पुस्तक 'जाहर पीर जगत गुरु बाबा' का विमोचन भी हुआ।

कदमकुआं के दलदली रोड मे घटना, अफरातफरी मची:100 साल पुरानी धर्मशाला की दीवार गिरी, 4 लोग फंसे, सीढ़ी लगा निकाला

पटना, एजेंसी। कदमकुआं के दलदली रोड में 100 साल पुरानी धर्मशाला की दीवार भरभरा कर गिर गई। सीढ़ी से लगी दीवार गिरने से नीचे उतरने का रास्ता बंद हो गया। इससे अफरातफरी मच गई। एक ही परिवार के चार लोग फंस गए। सूचना मिलने पर डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम टीम के साथ पहुंचे। फायर ब्रिगेड का दस्ता भी पहुंच गया। फायर कर्मियों ने बाहर से सीढ़ी लगाकर चंदन साह, पूजा कुमारी, खुशबू कुमारी और शीला देवी को बाहर निकाला। करीब एक घंटा तक ये लोग मकान में फंसे

रहे। डीएम ने इस पुराने भवन को बुधवार को ही तोड़ने का आदेश दिया।

डीएम ने कहा कि इस भवन के रहने से कभी भी अप्रिय घटना हो सकती है। उस मकान के आसपास स्थानीय लोगों को जाने से मना किया गया। नीचे का रास्ता बंद होने की वजह से अंदर फंसे चंदन साह, पूजा कुमारी, खुशबू कुमारी और शीला देवी जोर-जोर से बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे। लोगों ने फौरन स्थानीय पुलिस को मामले की जानकारी दी। इसके बाद प्रशासन बचाव दल को लेकर आया। फायर कर्मी भी पहुंचे। सीढ़ी लगा कर सभी को बाहर निकाल लिया गया। धर्मशाला काफी पुराना होने के कारण जर्जर हो गई है। काफी दिनों से मरम्मत नहीं होने से सभी दीवारों में दरार आ गई है। एक दरार वाली दीवार गिर गई।

दलदली रोड के रहने वाले दिनेश प्रसाद ने बताया कि बड़े चाचा स्व. भगवान दास ने धर्मशाला बनाई थी और दान दे दी थी। आधे हिस्से में धर्मशाला और आधे में अखाड़ा था। करीब 20 वर्ष से शीला देवी और उनका परिवार इसमें रह रहा है। उन्हें बार-बार खाली करने को कहा गया, लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया। धर्मशाला जर्जर हो चुकी है।

मधुबनी में बड़ी कार्रवाई, इंडो-नेपाल सीमा पर 20 लाख नेपाली रुपए के साथ एक युवक गिरफ्तार

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी पुलिस को विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी सफलता मिली है। इंडो-नेपाल सीमा से सटे लदनिया थाना क्षेत्र में एसएसबी (सीमा सुरक्षा बल) और मधुबनी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 20 लाख नेपाली करेंसी के साथ एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार, लदनिया थाना क्षेत्र के झलौन गांव के पास एनएच-227 पर पुलिस और एसएसबी जवानों ने चेकिंग अभियान चलाया हुआ था। इसी दौरान एक बाइक की तलाशी के दौरान उसकी डिक्की से 19 लाख 80 हजार 800 नेपाली रुपए बरामद किए गए।

लदनिया थानाध्यक्ष अनुप कुमार

ने बताया कि विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की सघन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव तक यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा थानाध्यक्ष ने यह भी बताया कि इंडो-नेपाल सीमा खुली होने के कारण अक्सर तस्करी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इसी का फायदा उठाकर कुछ लोग अवैध गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही जयनगर बॉर्डर पर भी एसएसबी और मधुबनी पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से 20 लाख नेपाली करेंसी और लगभग 20 लाख भारतीय रुपए बरामद हुए थे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव के दौरान सीमा क्षेत्रों में सतर्कता और निगरानी और अधिक कड़ी कर दी गई है ताकि किसी भी तरह की अवैध गतिविधि पर तुरंत रोक लगाई जा सके।

राजद ने अधूरा वीडियो दिखा भ्रामक आरोप लगाया : ललन

पटना, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' ने कहा कि राजद ने अधूरा वीडियो दिखाकर मुझ पर भ्रामक आरोप लगाया है। वे बुधवार को मीडिया से मुखातिब थे। राजद की शिकायत पर खुद पर दर्ज हुए मुकदमे के बारे में बोल रहे थे। कहा कि मेरा पूरा वीडियो सुनिए।

सबकुछ स्पष्ट हो जाएगा। चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है। निष्पक्ष है। हमलोग उसका सम्मान करते हैं। उनके अनुसार, यह पूरा वीडियो जिस गांव का है, वहां राजद के एक दबंग नेता रहते हैं। वे गरीबों को डरा-धमकाकर बूथों पर नहीं जाने देते। मैंने उन्हीं के बारे में लोगों से कहा- अगर वे इस बार भी ऐसा करें, तो उनको घर से निकलने नहीं दीजिए। हां, उनको वोट गिराने दीजिए। इसमें क्या गलत है? हम अपने वोटों की सुरक्षा नहीं करें? हमारे वोटरों को छह इंच छोटा करने की धमकी दी जा रही। मैंने कहा कि ऐसी धमकी देने वाले खुद छह इंच छोटा हो जाएंगे। मैंने तो अपने गरीब-गुरबा वोटरों की रक्षा व उनको उत्साहित करने के लिए यह बात कही।

लखीसराय में सुबह 7 से शाम 5 बजे तक मतदान:जिलाधिकारी ने जारी किए निर्देश, एसपी करेंगे शांति व्यवस्था की निगरानी

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय जिले में 6 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। लखीसराय विधानसभा में सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक वोट डाले जाएंगे। वहीं, सूर्यगढ़ा विधानसभा के शहरी क्षेत्रों को छोड़कर नक्सल प्रभावित इलाकों में सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान होगा।

मतदान की तैयारियाँ पूरी, कर्मियों को सौंपे गए वाहन और ईवीएम : जिलाधिकारी सह निर्वाचन अधिकारी मिथिलेश कुमार मिश्र ने दोनों विधानसभा क्षेत्रों में मतदान की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। गांधी मैदान स्थित वाहन कोषांग से सेक्टर पदाधिकारियों, मतदान कर्मियों और ईवीएम ले जाने वाले कर्मियों को वाहन आवंटित किए गए। ईवीएम, कागजात और

मतपत्रों के डिस्पैच का कार्य शुरू हो गया है। सेक्टर पदाधिकारी और पीठासीन अधिकारी आज रात ही अपने निर्धारित बूथों पर पहुंचकर तैयारी पूरी करेंगे।

प्रचार थमते ही प्रत्याशियों की बढ़ी बेचैनी : चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद लखीसराय विधानसभा में 13 और सूर्यगढ़ा विधानसभा में 8 उम्मीदवारों की बेचैनी बढ़ गई है। आज प्रत्याशी मतदाताओं से व्यक्तिगत रूप से मिलकर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं।

दोनों विधानसभा क्षेत्रों में करीब साढ़े सात लाख मतदाता : सूर्यगढ़ा विधानसभा (167) में कुल 436 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां 3,55,834 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। लखीसराय विधानसभा (168) में 904 मतदान केंद्र हैं और कुल 3,89,624 मतदाता हैं। दोनों विधानसभा क्षेत्रों में 15,586 नए युवा मतदाता, 5,946 दिव्यांग मतदाता और 2,671 सर्विस वोटर शामिल हैं।

शांतिपूर्ण मतदान के लिए सख्त निगरानी और हेल्पलाइन जारी : शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए दोनों शहरों में कुल 11 चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। किसी भी गड़बड़ी की सूचना के लिए निर्वाचन आयोग ने हेल्पलाइन नंबर 1950 जारी किया है। कुल 100 सेक्टर पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जिनमें सूर्यगढ़ा में 49 और लखीसराय में 51 पदाधिकारी शामिल हैं।

कड़ी सुरक्षा और पारदर्शिता पर प्रशासन का फोकस : लखीसराय के जिलाधिकारी मिथिलेश कुमार मिश्र ने बताया कि दोनों विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव शांति और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के लिए सभी पुलिस बल, सेक्टर पदाधिकारियों और कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है। सीसीटीवी कैमरों और मीडिया कोषांग की निगरानी में मतदान होगा ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति पर तुरंत नियंत्रण किया जा सके। वहीं एसपी अजय कुमार ने कहा कि जिले के सभी बूथों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है, खासकर नक्सल प्रभावित इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

डेलॉय की रिपोर्ट: कर्ज तक सीमित पहुंच समेत कई चुनौतियों से जूझ रहा एमएसएमई क्षेत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) औपचारिक ऋण तक सीमित पहुंच जैसी कई संरचनात्मक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इससे इन उद्योगों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। हालांकि, उनकी डिजिटल तैयारी एक उज्ज्वल बिंदु है। डेलॉय इंडिया की बुधवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) समकक्षों की तुलना में डिजिटल तत्परता के उच्च स्तर का प्रदर्शन करने के बावजूद भारतीय एमएसएमई बड़े उद्यमों की उत्पादकता के सिर्फ 18 फीसदी पर काम करते हैं। ओईसीडी अर्थव्यवस्थाओं में यह 45-70 फीसदी है।यह अंतर वैश्विक समकक्षों की तुलना में उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को सीमित करता है। डेलॉय इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा, जीडीपी में करीब 30 फीसदी का योगदान करने वाला भारत का एमएसएमई क्षेत्र पुरानी प्रौद्योगिकी, नियामकीय जटिलताएं और बुनियादी ढांचे की समस्याओं से भी जूझ रहा है। डेलॉय एमएसएमई चुनौती सूचकांक डेलॉय के एमएसएमई चुनौती सूचकांक के अनुसार, सिले परिधान जैसे क्षेत्रों में एमएसएमई को ऋण संबंधी गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ता है, क्योंकि जोखिम बहुत अधिक हैं। इनमें कम मुनाफा और तीव्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा शामिल है, जिससे उनके उत्पादों की प्रतिस्थापना कठिन हो जाती है। एमएसएमई क्षेत्र का निर्यात में 45 फीसदी योगदान है।यह 24 करोड़ से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने इस बैंक की बेच दी पूरी हिस्सेदारी, दो साल में ही काटा 62.5 प्रतिशत का मुनाफा

मुंबई, एजेंसी। आनंद महिंद्रा की कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने आरहीएल बैंक में अपनी पूरी की पूरी, 3.53 प्रतिशत की हिस्सेदारी बेच दी है। यह सौदा 678 करोड़ रुपये में हुआ है। इस बिक्री से कंपनी को अपने निवेश पर 62.5 प्रतिशत का तगड़ा मुनाफा हुआ है। मुंबई की यह बड़ी कंपनी, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 26 जुलाई 2023 को आरबीएल बैंक में यह हिस्सेदारी खरीदी थी। तब कंपनी ने इसमें 417 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी ने आज आरबीएल बैंक में अपनी पूरी हिस्सेदारी 678 करोड़ रुपये में बेच दी है। यह हमारे निवेश पर 62.5 प्रतिशत का लाभ है। इस खबर के उजागर होने के बाद, क्रस्श्व पर रू्रूके शेयर गुरुवार को 12 बजे 1.84 प्रतिशत चढ़कर 3,647.50 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। इस घोषणा के बाद आरबीएल के शेयर भी चए गए। दिन के 12 बजे इसके शेयर 1.06 फीसदी बढ़ कर 327.45 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। शुरुआत में आरबीएल बैंक में निवेश करने के बाद, रू्रूके मैनेजिंग डायरेक्टर, अनीश शाह ने कहा था कि कंपनी आरबीएल बैंक में अपनी हिस्सेदारी 9.9 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाने का कोई इरादा नहीं रखती है, जब तक कि कोई बहुत खास वजह न हो। शाह ने कहा था, फिलहाल, हम हिस्सेदारी बढ़ाने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। लेकिन इससे हमें बैंकिंग सेक्टर को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। यह लगभग 40,000 करोड़ रुपये के मार्केट कैपिटलाइजेशन वाले बिजनेस के लिए वैल्यू बढ़ाने में मददगार है।

अक्तूबर में पांच महीने के निचले स्तर पर पहुंचा पीएमआई

भारत के सेवा क्षेत्र की रफ्तार धीमी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सेवा क्षेत्र ने अक्तूबर में धीमा प्रदर्शन किया। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेस्क (पीएमआई) के अनुसार विकास की गति पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। सूचकांक सितंबर के 60.9 से गिरकर अक्तूबर में 58.9 पर आ गया। हालांकि, यह स्तर अब भी 50 के तटस्थ अंक से ऊपर है, जो बताता है कि सेवा क्षेत्र में गतिविधियां अब भी विस्तार के दायरे में बनी हुई हैं।

एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट में कहा गया है कि मांग में तेजी और हाल के जीएसटी सुधारों ने कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा दिया, लेकिन प्रतिस्पर्धी दबाव और भारी बारिश ने गति को बाधित किया।

सर्वेक्षण से पता चला कि नए व्यावसायिक ऑर्डरों में तेजी से वृद्धि हुई, लेकिन पांच महीनों में यह सबसे धीमी गति से हुई। यह बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बाढ़ व भूस्खलन जैसे मौसम संबंधी व्यवधानों के संयुक्त प्रभाव को दर्शाता है।

इनपुट लागत में 14 महीनों में सबसे धीमी वृद्धि हुई

एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत का सेवा क्षेत्र पीएमआई अक्तूबर में घटकर 58.9 पर आ गया, जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि इसके बावजूद, पीएमआई अपने दीर्घकालिक औसत से काफी ऊपर बना हुआ है। साथ ही इनपुट लागत में 14 महीनों में सबसे धीमी वृद्धि हुई है, जिससे कंपनियों को कुछ राहत मिली है।

भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में हुआ सुधार

मंदी के बावजूद, कंपनियों ने वृद्धि के प्रमुख चालकों के रूप में निरंतर मजबूत घरेलू मांग और प्रभावी विपणन का हवाला दिया। भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में भी सुधार हुआ व बाहरी बिक्री में भी वृद्धि हुई। हालांकि विस्तार की गति मार्च के बाद से सबसे कमजोर रही।

रोजगार के रुझान सकारात्मक रहे

रोजगार के रुझान मोटे तौर पर सकारात्मक रहे, क्योंकि सेवा प्रदाताओं ने नए व्यवसाय को समर्थन देने तथा डिलीवरी कार्यक्रम बनाए रखने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को नियुक्त किया। हालांकि, रोजगार सृजन की गति धीमी रही, जो 18 महीनों में संयुक्त रूप से सबसे धीमी गति थी। लगातार नियुक्तियों से लगभग चार वर्षों में पहली बार लंबित कार्यों में कमी आई।

समग्र पीएमआई अक्तूबर में घटकर 60.4 पर आ गया

भविष्य की ओर देखते हुए, सेवा अर्थव्यवस्था में आशावाद बना रहा, जो मजबूत मांग, बेहतर विज्ञापन और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण रणनीतियों की उम्मीदों पर आधारित था। फिर भी, समग्र आत्मविश्वास का स्तर तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। समग्र पीएमआई, जिसमें विनिर्माण और सेवा दोनों गतिविधियां शामिल हैं, भी सितंबर के 61.0 से थोड़ा कम होकर अक्तूबर में 60.4 पर आ गया, जो विनिर्माण में तेजी के बावजूद सेवाओं में मंदी को दर्शाता है।

इनपुल लागत मुद्रास्फीती अपने निचले स्तर पर पहुंची

सर्वेक्षण में बताया गया है कि इनपुट लागत मुद्रास्फीति एक साल से भी ज्यादा समय में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है, जिसमें आंशिक रूप से जीएसटी से जुड़े सुधारों का भी योगदान है। इससे लागत का बोझ कुछ हद तक कम हुआ है। नतीजतन, बिक्री मूल्य सात महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़े, जिससे व्यवसायों और उपभोक्ताओं, दोनों को राहत मिली।

रूसी कच्चे तेल आयात में कटौती करेगा भारत

प्रतिबंधों के बीच भारतीय रिफाइनर रोक देंगे सीधी खरीद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत नवंबर के अंत से रूस से कच्चे तेल की सीधी खरीद में कटौती करने जा रहा है। इससे नवंबर के अंत से भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात घट सकता है।यह कदम रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद उठाया जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि भारत के कुल रूसी तेल आयात में आधे से अधिक हिस्सा रखने वाली भारतीय रिफाइनरी कंपनियां नए अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुपालन में रूसी तेल की प्रत्यक्ष खरीद में कटौती कर सकती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी शामिल हैं।

दरअसल, अमेरिका ने रूस की दो तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर 21 नवंबर से कड़े आर्थिक प्रतिबंध

लगाने की घोषणा की है। इसके तहत इन कंपनियों की सभी अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, अन्य देशों की संस्थाएं भी अगर इनके साथ बड़े लेनदेन करती हैं तो उन पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

रूसी कच्चे तेल की खेप में दिखेगी गिरावट: नौवहन सूचना फर्म केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, 21 नवंबर के बाद रूसी कच्चे तेल की खेपों में गिरावट दिखेगी, क्योंकि अधिकांश भारतीय रिफाइनरी अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन करते हुए रोसनेफ्ट और लुकोइल से सीधी खरीद घटाएंगी या रोक देंगी।

दिसंबर में तेजी से घटेगा आयात अन्य देशों से खरीदारी पर जोर: रितोलिया ने कहा, दिसंबर में रूसी तेल की आपूर्ति में तेज गिरावट आ सकती है, जबकि 2026 के शुरुआती दौर में यह स्थिति नए व्यापारिक माध्यमों और वैकल्पिक मार्गों के जरिये धीरे-धीरे सामान्य हो सकती है। घटते रूसी आयात की भरपाई के लिए भारतीय रिफाइनरी कंपनियां पश्चिम एशिया, लैटिन अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका, कनाडा और अमेरिका से खरीदारी बढ़ा रही हैं।भारत ने अक्तूबर में अमेरिका से प्रतिदिन 5.68 लाख बैरल क्रूड आयात किया, जो मार्च, 2021 के बाद सर्वाधिक है। आपूर्ति समझौता है।मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी ने भी रूसी तेल की भविष्य की खेप रोकने की घोषणा की है। हालांकि, रोसनेफ्ट की आंशिक हिस्सेदारी वाली नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी (गुजरात) मौजूदा रूसी तेल खरीद तरीके को बनाए रखेगी। 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से 18 लाख बैरल प्रतिदिन क्रूड आयात किया।

अमेजन इंडिया ने वेयरहाउस स्टोरेज शुल्क में 11 प्रतिशत बढ़ोतरी की, जानें इसका विक्रेताओं पर क्या असर पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमर्स दिग्गज अमेजन इंडिया ने अपनी वेयरहाउस स्टोरेज फीस में लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। नई दर 15 नवंबर, 2025 से लागू होगी और अब यह 50 प्रति घन सेंटीमीटर प्रति माह होगी। कंपनी ने कहा कि शुल्क वृद्धि का उद्देश्य बाजार के अनुरूप समायोजन और बढ़ती परिचालन लागतों को ध्यान में रखना है। अमेजन ने 2023 के बाद पहली बार स्टोरेज शुल्क में बदलाव किया है। इसके अलावा, इस साल कंपनी ने 300 तक कीमत वाले 1.2 करोड़ से अधिक कम मूल्य वाले उत्पादों पर रेफरल फीस समाप्त कर दी थी। 300 से 500 तक के उत्पादों, जैसे बेडशीट, घड़ियां, होम फर्निशिंग और एथनिक वियर पर शुल्क केवल 1 प्रतिशत या उससे कम कर दिया गया था। वहीं, उच्च मूल्य वर्ग जैसे फैशन और छोटे उपकरणों पर शुल्क में 7 प्रतिशत तक की कमी लागू की गई है। अमेजन ने कहा कि 2025 में उसकी कुल शुल्क वृद्धि दर में काफी कमी आई है, लेकिन कई विक्रेताओं ने बढ़ती लागत और बार-बार होने वाले संशोधनों पर चिंता व्यक्त की। व्यापारियों ने कहा कि भंडारण और अन्य शुल्कों में बार-बार बढ़ोतरी से कम रेफरल शुल्क का लाभ कम हो रहा है, और कुछ का दावा है कि नवीनतम बदलावों से पहले उनसे सलाह नहीं ली गई। पुणे के एक विक्रेता ने कहा कि अमेजन अब हर छह महीने में शुल्क संरचना में संशोधन कर रहा है और विक्रेताओं से परामर्श नहीं कर रहा है। वे कहते रहते हैं कि यह विक्रेताओं के हित में है।

युवाओं नई कार्यसंस्कृति: बेहतर तनख्वाह और मन मुताबिक नौकरी की मांग पर अड़ी

● 82 प्रतिशत एआई को लेकर उत्साहित ● लचीलापन, उद्देश्य और संतुलित जीवनशैली को प्राथमिकता दे रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। जेन-जी, आज दुनिया में चर्चा का सबसे गर्म मुद्दा बन चुके हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर क्यों? वजह है उनके सोचने का अलग तरीका, उनकी मांग और पसंद। यह पीढ़ी स्थापित मानकों पर सवाल उठाने वाली और बदलाव को नए नजरिए से देखने वाली है। इसी बीच रैंडस्टैड इंडिया की ताजा रिपोर्ट द जेन-जी वर्कप्लेस ब्लूप्रिंट ने बताया है कि यह नई पीढ़ी अपने ऑफिस से क्या चाहती है और किन हालातों से बिल्कुल भी समझौता नहीं करना चाहती है।

युवा पेशेवर की प्राथिमकताएं: रिपोर्ट के मुताबिक भारत में युवा पेशेवर अपने करियर विकल्पों पर पुनर्विचार कर रहे हैं। वे अब नौकरी चुनते समय सिर्फ अच्छी सैलरी ही नहीं, बल्कि लचीलापन, उद्देश्य और संतुलित जीवनशैली को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यह रिपोर्ट 750 भारतयी युवाओं पर आधारित सर्वे से तैयार की गई है। इसमें उनके कार्य संबंधी प्राथमिकताओं, करियर दृष्टिकोण, रिटेंशन फैक्टर्स, एआई व सीखने के नजरिए का विश्लेषण किया गया है। रिटेंशन फैक्टर्स, वे कारक हैं जो कर्मचारियों या ग्राहकों को किसी संगठन को छोड़ने से रोकते हैं। रैंडस्टैड इंडिया के एमडी और सीईओ विश्वनाथ पीएस ने कहा कि जो नियोक्ता आजीवन सीखने, समावेशिता और लचीलापन अपने कार्यस्थल में शामिल करेंगे, वे न केवल इस पीढ़ी की प्रतिभा को आकर्षित और बनाए रखेंगे, बल्कि भविष्य के लिए तैयार संगठनों का निर्माण करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की कार्यशक्ति में इस पीढ़ी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, ऐसे में कंपनियों को अपनी टैलेंट रणनीतियों, कार्यसंस्कृति और कर्मचारी जुड़ाव के तरीकों में तेजी से बदलाव लाने की जरूरत है। रैंडस्टैड डिजिटल इंडिया के प्रबंध निदेश मिलिंद शाह ने कहा कि भारतीय जेन जी का फुल-टाइम जॉब के साथ साइड हसल यानी फुल-टाइम नौकरी के साथ-साथ अतिरिक्त काम को प्राथमिकता देना। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री को अब ऐसी संस्कृति बनानी होगी, जो तकनीकी दक्षता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता दोनों को साथ लेकर चले। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 82 प्रतिशत जेन-जी कार्यस्थल पर एआई के इस्तेमाल को लेकर उत्साहित हैं, और 83 प्रतिशत पहले से ही समस्या-समाधान के लिए एआई टूल्स का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, 44 फीसदी युवाओं ने एआई के कारण भविष्य में नौकरियों पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंता भी जताई है।

जेन-जी के लिए लचीलापन की परिभाषा

अध्ययन के अनुसार, जेन-जी के लिए लचीलापन सिर्फ घर से काम करने या ऑफिस टाइम में ढील भर नहीं है बल्कि इसका मतलब है अपनी सुविधा और जीवनशैली के हिसाब से काम करने की आजादी। वे ऐसी नौकरियां चाहते हैं जहां समय, लोकेशन और काम करने के तरीके में आजादी मिले। नके लिए यह मायने रखता है कि वे अपनी उत्पादकता के हिसाब से काम कर सकें, न कि सख्त दफ्तर की घड़ी के अनुसार। इसके अलावा, यात्रा के अवसर और विदेश से रिमोट वर्क करने की सुविधा भी युवा पेशेवरों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। जो कंपनियां इस संतुलन को अपनाएंगी, वे अगली पीढ़ी के शीर्ष तकनीकी प्रतिभाओं को हासिल करेंगी।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए बड़े अवसर खोलेगा : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा कर रहे हैं। भारत की तरफ से केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल न्यूजीलैंड के दौरे पर हैं। दोनों पक्ष समझौते से जुड़ी वार्ता को जल्द पूरा करना चाहते हैं। संभावना जताई जा रही है कि अगले कुछ महीने में समझौते पर अंतिम सहमति बन सकती है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि यह समझौता दोनों पक्षों के लिए बड़े अवसर खोलेगा। उन्होंने कहा कि यह सौदा जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सभी संवेदनशील मुद्दों पर विचार के बाद होगा।

गौरतलब है कि दोनों पक्षों के वार्ताकार पिछली बैठकों में हुई प्रगति को आगे बढ़ाने और लंबित मुद्दों पर सहमति बनाने की दिशा में सकारात्मक चर्चा कर रहे हैं। समझौता संतुलित, व्यापक और परस्पर लाभकारी साझेदारी पर केंद्रित होगा, जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल व्यापार 1 अरब 30 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है। यह उससे पहले वित्त वर्ष की तुलना में 48 फीसदी अधिक रहा है।

प्रस्तावित समझौते के तहत व्यापार और निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार होगा। समझौते के तहत लक्ष्य रखा गया है कि दोनों पक्षों के बीच व्यापार अगले 10 वर्षों में दोगुना से

अधिक की बढ़ोतरी होगी। इसलिए दोनों पक्ष समझौते से जुड़े वार्तों को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लकसन ने कहा है कि भारत और न्यूजीलैंड की समृद्धि, सुरक्षा और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। ऑकलैंड में आयोजित एक कार्यक्रम में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले के साथ प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर ने हिस्सा लिया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग से न केवल व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते पर तेजी से काम कर रहे हैं। इस समझौते से न्यूजीलैंड के व्यवसायों को भारतीय बाजार में विशाल अवसर प्राप्त होंगे।

सरकारी बैंकों को सितंबर तिमाही में रिकॉर्ड 49,546 करोड़ का मुनाफा

दो बैंकों के लाभ में कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। एसबीआई की अगुवाई में सरकारी बैंकों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की सितंबर तिमाही में रिकॉर्ड 49,546 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। यह सालाना आधार पर 9 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस दौरान दो बैंकों के मुनाफे में कमी भी दर्ज की गई। 12 बैंकों को सितंबर, 2024 की समान तिमाही में 45,547 करोड़ का लाभ हुआ था। इस तरह, इस बार यह 3,909 करोड़ रुपये से ज्यादा है। वित्तीय नतीजों से पता चलता है कि 12 बैंकों के कुल मुनाफे में 20,160 करोड़ रुपये के साथ अकेले एसबीआई की हिस्सेदारी 40 फीसदी रही।इसका लाभ सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़ा है। फीसदी के लिहाज से इंडियन ओवरसीज बैंक का लाभ सबसे अधिक 58 फीसदी बढ़कर

1,226 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 33 फीसदी बढ़त के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसे 1,213 करोड़ का मुनाफा हुआ। बैंकों के कारोबार में भी तेज वृद्धि हुई है। एसबीआई का कारोबार जहां 100 लाख करोड़ हो गया, वहीं पंजाब नेशनल बैंक का 27.86 लाख करोड़ रुपये हो गया। 26.79 लाख करोड़ के साथ केनरा तीसरे स्थान पर है। यूनियन बैंक का कारोबार 22 लाख करोड़ के पार है।

सार्वजनिक क्षेत्र के सभी 12 बैंकों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 11 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ44,218 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था।एक साल पहले की समान तिमाही में इन बैंकों को 39,974 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआथा।सितंबर, 2025 को समाप्त पहली छमाही में इन बैंकों का कुल लाभ पहली बार 90,000 करोड़ रुपये को पार कर गया।

बड़े बैंकों का कम बढ़ा लाभ

सितंबर तिमाही के दौरान बड़े बैंकों के मुनाफे की वृद्धि की रफ्तार धीमी रही।उदाहरण के तौर पर, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक के फायदे में क्रमशः 19 फीसदी, 14 फीसदी एवं 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब एंड सिंध बैंक के लाभ में 23 फीसदी की तेजी आई। हालांकि, बैंक ऑफ इंडिया का फायदा 8 फीसदी और यूको बैंक का केवल तीन फीसदी ही बढ़ा।

दो बैंकों के मुनाफे में गिरावट

चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को छोड़कर सभी 12 सरकारी बैंकों के मुनाफे में तेजी दर्ज की गई इस अवधि में बैंक ऑफ बड़ौदा का शुद्ध लाभ 8 फीसदी घटकर 4,809 करोड़ रुपये रह गया। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ 10 फीसदी कम होकर 4,249 करोड़ रुपये रह गया।

उपायुक्त ने की जिला अनुकम्पा समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में जिला अनुकम्पा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के कुल 7 मामलों में सभी आवश्यक अभिलेखों की समिति द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा उपरांत 3 मामलों में सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण पाए गए, जिसके आधार पर योग्यता एवं विभागीय निदेर्शानुसार ग्रेड के पदों जैसे निम्नवर्गीय लिपिक तथा आदेशपाल के पद पर नियुक्ति हेतु समिति द्वारा अनुशंसा की गई। वहीं शेष 4 मामलों में आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने हेतु पत्राचार करने का निर्देश दिया गया। इस बैठक में परियोजना निदेशक आलोक शिकारी कच्छप, जिला पंचायतीराज पदाधिकारी-सह-जिला स्थापना उप समाहर्ता डॉ. शिशिर कुमार सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के क्रम में खुली बदहाल व्यवस्था की पोल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने 26 सितंबर 2025 को मंडल कारा धनबाद का निरीक्षण किया था। निरीक्षण में मिले तथ्यों से उन्होंने जेल प्रशासन को अवगत कराया है। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि मंडल कारा धनबाद में दिसंबर 2023 से अधीक्षक का पद रिक्त पड़ा है।

जिला प्रशासन के एक दंडाधिकारी के पास वर्तमान में मंडल कारा धनबाद के अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार है। नियमित अधीक्षक नहीं होने के चलते जेल की प्रशासनिक व्यवस्था से लेकर प्रबंधन की स्थिति बेहद खराब है।

अपनी रिपोर्ट में जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने लिखा है कि जेल परिसर का मुख्य दरवाजा जीर्णशीर्ण हालत में था, टाइल्स उखड़े व टूटे हुए थे, जिन्हें बदलने की जरूरत है। संतरी पोस्ट खराब स्थिति में है। विजिटर रूम की व्यवस्था जर्जर है। वह बहुत छोटा है और अस्थाई रूप से कपड़ों से किसी तरह विजिटर रूम बनाया गया

है। जेल का नाला खुला था, वहां से दुर्गंध आ रही थी। उसे कवर करने व नाले में कीटनाशक के छिड़काव की आवश्यकता है। नालों के मरम्मत की भी आवश्यकता है। साफ-सफाई आवश्यक है। जेल के भीतर ब्लाक ए व ब्लाक बी के कुछ शौचालय बने हैं और कुछ बनने वाले हैं।

महिला सेल के शौचालय, बाथरूम, चापानल की मरम्मती की आवश्यकता है। जांच में किचन सही हालत में नहीं मिला। रोटी मेकिंग मशीन भी सही हालत में नहीं था। उसकी मरम्मती की आवश्यकता है। जेल परिसर में कुछ भवन बंद मिले, जिन्हें ध्वस्त करने की आवश्यकता है। जेल के बड़े भूखंड को कृषि कार्य में उपयोग में लाया जा सकता है। एक मिनी ट्रैक्टर व एक घास काटने की मशीन की आवश्यकता है। वाटर कूलर सभी इकाइयों में है। इसकी सफाई व मरम्मत आवश्यक है।

निरीक्षण के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने पाया कि मंडल कारा धनबाद में कुल स्वीकृत पद 90 हैं। इनमें केवल 33 ही कार्यरत हैं। इस जेल में रिक्त पदों की संख्या 57 हैं। कक्षपाल के कुल स्वीकृत पद 51 हैं, जिनमें केवल चार ही कार्यरत हैं। अब भी 47 पद रिक्त पड़े हैं। कक्षपाल की कमी को पूरा करने के लिए 12 भूतपूर्व सैनिक कक्षपाल की ड्यूटी कर रहे हैं। ये संविदा पर कार्यरत हैं। इनके अलावा 12 पुरुष गृह रक्षक व पांच महिला गृह रक्षक कक्षपाल के रूप में वहां तैनात हैं।

इंस्टाग्राम से हुई शादी का मामला पहुंचा थाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड के धनबाद जिले के कालूबथान ओपी क्षेत्र से एक दिलचस्प प्रेम कहानी सामने आई है, जहां इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती ने न सिर्फ मोहब्बत का रूप लिया बल्कि शादी तक का सफर तय कर लिया।

आंखद्वारा गांव के गोपाल मंडल के 28 वर्षीय पुत्र दुलाल मंडल की मुलाकात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पश्चिम बंगाल के सांकतोड़िया निवासी रीतू गोराई (20 वर्ष) से हुई। दोनों के बीच चैटिंग का सिलसिला शुरू हुआ और धीरे-धीरे यह दोस्ती प्यार में बदल गई।

करीब चार महीने तक ऑनलाइन बातचीत और एक-दूसरे से मिलने-जुलने के बाद दोनों ने जीवन भर साथ निभाने का फैसला किया। इसके बाद 2 नवंबर को दोनों अपने-अपने घर से चुपचाप निकल गए और पश्चिम बंगाल के रघुनाथपुर स्थित शिव मंदिर में शादी कर ली। शादी के बाद भी उन्होंने अपने परिवारों को इस बारे में कुछ नहीं बताया।

इधर मंगलवार की रात अचानक दोनों प्रेमी-प्रेमिका कालूबथान ओपी पहुंचे और पुलिस से अपने नए जीवन की शुरूआत में सहयोग की गुहार लगाई। पुलिस को उन्होंने बताया कि वे दोनों बालिग हैं और एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते।

खबर मिलते ही पूर्व मुखिया सष्टिपद सिंह और दोनों के स्वजन भी थाना पहुंचे। रीतू के परिजनों ने उसे समझाने की काफी कोशिश की कि वह घर लौट आए, लेकिन युवती ने साफ कहा कि अब वह दुलाल के साथ ही रहना चाहती है।

अंततः स्थिति को देखते हुए कालूबथान ओपी प्रभारी नितेश कुमार मिश्रा ने लड़की को दुलाल के पिता और स्वजनों के साथ उसके ससुराल भेज दिया। इस तरह सोशल मीडिया पर शुरू हुई यह प्रेम कहानी थाने से होते हुए ससुराल तक पहुंच गई।

धनबाद की यह कहानी एक बार फिर साबित करती है कि इंस्टाग्राम पर शुरू हुई दोस्ती अगर सच्चे दिल से निभाई जाए, तो यह रिश्ते की डोर बनकर जिंदगी का नया अध्याय भी खोल सकती है।

ठंड ने पकड़ी रफ्तार, सुबह-शाम बढ़ रही धुंध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। चक्रवाती तूफान मोंथा के बाद जमशेदपुर में ठंड ने रफ्तार पकड़ ली है। बुधवार से शहर में ठंड के तेवर और तेज दिखने लगे हैं। सुबह-शाम धुंध बढ़ गया है और रात आठ बजे के बाद भी कई क्षेत्रों में कोहरा साफ देखा जा रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, इस हफ्ते तापमान में लगातार गिरावट दर्ज होती रहेगी। बुधवार को शहर का न्यूनतम तापमान 15.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग का दावा है कि आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान तेजी से गिरेगा और 11 नवंबर तक यह घटकर करीब 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, इस साल नवंबर में तापमान का ट्रेंड सामान्य से कुछ ज्यादा नीचे जा सकता है। चक्रवाती तूफान के गुजरने के बाद आमतौर पर हवा का दबाव बदलता है।

जमीन पर नमी, हवा की दिशा और क्लियर स्काई के कारण रात में तापमान तेजी से नीचे गिरता है। हवा उत्तरी दिशा से साफ और सूखी आने लगेगी जिससे सुबह के समय ठंड ज्यादा महसूस होगी। दिन में थोड़ी धूप रहेगी लेकिन शाम के बाद ठंड और कोहरा तेज होगा।

मौसम विभाग के अनुसार इस बार मानसून के बाद संक्रमणकालीन मौसम लंबा रहा। अक्टूबर में नमी बनी रही और उसके बाद अचानक साफ आसमान और उत्तरी हवा के कारण तापमान तेजी से नीचे जाने लगा।

विशेषज्ञों के मुताबिक, शहर में पिछले तीन सालों के मुकाबले इस बार नवंबर में न्यूनतम तापमान कम रहने की संभावना है। पिछले वर्ष नवंबर के पहले पखवाड़े में तापमान 15 से 17 डिग्री रहता था, लेकिन इस बार 11 तारीख से पहले ही यह 13 डिग्री तक गिरने का अनुमान है। इससे लोगों को अचानक ठिठुरन वाली ठंड महसूस होगी। धुंध और कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम हो जाएगी। सड़कों पर खतरा बढ़ सकता है। वाहन चालक रात के समय और सुबह 6 से 8 बजे के दौरान अधिक सतर्क रहें। शहर में वाहनों की संख्या ज्यादा होने के कारण अचानक कोहरा दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। खासकर हाइवे व बाहरी इलाकों में दृश्यता तेजी से घटेगी।

चक्रवात के बाद जमशेदपुर में ठंड की एंट्री सामान्य से ज्यादा तेज तरीके से हो चुकी है। तापमान में लगातार गिरावट शहर के लिए आने वाले दिनों में चुनौती भी है और सावधानी भी जरूरी है। 11 नवंबर से पहले ही 13 डिग्री के आसपास पहुंचने का अनुमान यह संकेत है कि इस बार सर्दी अपनी पूरी ताकत से असर दिखाएगी।

कांग्रेस के बयान से गठबंधन असहज

सरकार असहज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में कुछ कांग्रेस नेताओं के बयान से गठबंधन के लिए असहज स्थिति बनती जा रही है। पार्टी के सीनियर नेताओं के कारण ही ऐसा हुआ है। तमाम बयान ऐसे वक्त में आ रहा है जब घाटशिला में उपचुनाव होने की तिथि नजदीक आ रही है। ऐसे बयानों से ना सिर्फ गठबंधन बल्कि सरकार भी असहज हो रही है। इस विवाद की शुरूआत वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर के बयान से हुई है। उन्होंने झारखंड में अनुसूचित जाति आयोग के गठन में देरी होने से संभावित नुकसान को लेकर सवाल उठाया है और मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखा है। पत्र लिखे जाने के बाद इसे मीडिया में जारी कर उन्होंने कहीं ना कहीं सरकार को असहज कर दिया है। कांग्रेस के ही कुछ सीनियर नेता लगातार कह रहे हैं कि कैबिनेट मंत्री रहते हुए ऐसी बातें वे सामान्य बैठकों में भी कर सकते थे। मीडिया में लाने की जरूरत नहीं है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने किसी का नाम लिए बगैर इस तरह के बयानों से बचने की सलाह दी है।

दूसरा मामला कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार बलमुचु का है। उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि झामुमो कांग्रेस के अलावा विकल्प खोज रहा है और इसकी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है कि जरूरत पड़ने पर पार्टी में टूट हो जाए। इसके लिए उन्होंने कुछ तर्क भी दिए हैं। दरअसल, बलमुचु घाटशिला से चुनाव लड़ना चाहते थे जबकि कांग्रेस ने वह सीट झामुमो के लिए छोड़ दी है। पार्टी के सीनियर नेताओं को लगता है कि गठबंधन बचाने के लिए ऐसा करना अनिवार्य था।

इधर, नया प्रकरण डीजीपी को लेकर उठा है। मीडिया के कुछ हिस्सों में यह खबर चल रही है कि डीजीपी ने इस्तीफा दे दिया है। इससे उत्साहित होकर पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता केएन त्रिपाठी ने इस्तीफा के पहले अनुराग गुप्ता की गिरफ्तारी की मांग सार्वजनिक रूप से करनी शुरू कर दी है।

ऐसे में सवाल उठता है कि जो निर्णय मुख्यमंत्री का करना है उसके लिए कांग्रेस के नेता मीडिया में आकर गठबंधन को कमजोर करने का काम कर रह हैं। तमाम बयानों पर प्रदेश कांग्रेस की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है।

जेल से छूटी महिला ने फिर किया नशे का कारोबार

बहन और जीजा भी तस्करी में शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने राजधानी में सक्रिय एक बड़े ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस रैकेट से जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से कुल 140 ग्राम ब्राउन शुगर (करीब 28 लाख रुपये मूल्य) और 2.65 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

चौंकाने वाली बात यह है कि गिरफ्तार आरोपी परिवार की युवती महज 20-25 दिन पहले ही जेल से छूटी थी और दोबारा ब्राउन शुगर के धंधे में सक्रिय हो गई। एसएसपी राकेश रंजन को सूचना मिली थी कि कुछ लोग बिहार के सासाराम से ब्राउन शुगर लेकर रांची आ रहे हैं और न्यू मार्केट चौक, रातू रोड के पास अपने सहयोगियों को सप्लाई करने वाले हैं।

सूचना पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सोमवार देर रात न्यू मार्केट चौक स्थित टेम्पो स्टैंड के पास सादे कपड़ों में छापेमारी की। रात करीब 10:15 बजे एक महिला संदिग्ध हालात में दिखाई दी। पुलिस ने घेराबंदी की तो उसके तीन साथी भाग निकले, जबकि महिला पकड़ी गई। गिरफ्तार महिला ने अपना नाम सेजल उर्फ साहिस्ता प्रवीण उर्फ सेजल गुप्ता बताया। तलाशी में उसके पास से 92.46 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ।

सेजल की निशानदेही पर पुलिस ने उसके एदलहातु, बरियातू स्थित किराए के घर में छापेमारी की। वहां से 10.24 ग्राम ब्राउन शुगर और 2.65 लाख रुपये नकद बरामद हुए। सेजल ने पूछताछ में बताया कि यह कारोबार उसके पिता मो. सरवर के इशारे पर चलता है। सेजल के खुलासे पर पुलिस ने रातू स्थित अलकमर कालोनी में छापेमारी कर उसकी बहन मुस्कान उर्फ सागुफ्ता प्रवीण और जीजा मो. राजू को भी गिरफ्तार किया। दोनों के पास से 36.85 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया।

पूछताछ में पता चला कि यह गिरोह बिहार के सासाराम से बबन साह उर्फ मौसा जी और सूरज कुमार से ब्राउन शुगर लेकर आता था और रांची के विभिन्न इलाकों में इसकी सप्लाई करता था।

गिरफ्तार चारों आरोपियों सेजल, उसके पिता मो. सरवर, बहन मुस्कान और जीजा मो. राजू को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि यह परिवार पहले भी नशीले पदार्थों की तस्करी में गिरफ्तार हो चुका है और कुछ सप्ताह पहले ही जेल से बाहर आया था।

राजद प्रत्याशी को 17 दिनों बाद मिली जमानत

बैंक लूट से जुड़ा है मामला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। बिहार की सासाराम विधानसभा सीट से राजद प्रत्याशी सत्येंद्र साह को गुरुवार को जमानत मिल गई। गढ़वा जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय शिवनाथ त्रिपाठी की अदालत ने उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए रिहाई का आदेश जारी किया। जेल से बाहर आने पर राजद कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। जानकारी के अनुसार, सत्येंद्र साह पर वर्ष 2004 में गढ़वा थाना क्षेत्र स्थित एक बैंक से 10 लाख रुपये नकद लूटने का मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में लंबे समय से स्थायी वारंट निर्गत था। पुलिस को उनकी तलाश थी, लेकिन वे अब तक गिरफ्त से बाहर थे।

बीते 20 अक्टूबर 2025 को जब सत्येंद्र साह सासाराम विधानसभा क्षेत्र से राजद प्रत्याशी के रूप में नामांकन कर निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय से बाहर निकल रहे थे, तभी रोहतास जिले के करहगर थाना पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद करहगर पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उन्हें गढ़वा पुलिस के हवाले कर दिया था। इसके बाद गढ़वा पुलिस ने सत्येंद्र साह को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। सत्येंद्र साह की गिरफ्तारी के बाद से वे गढ़वा मंडल कारा में बंद थे। करीब 17 दिनों तक जेल में रहने के बाद गुरुवार को अदालत से उन्हें राहत मिली। जमानत आदेश के बाद उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने इसे सत्य की जीत बताया।

सत्येंद्र साह की रिहाई ने सासाराम विधानसभा क्षेत्र की चुनावी सरगर्मी को और बढ़ा दिया है। राजद कार्यकर्ता उनकी जमानत को पार्टी के लिए सकारात्मक संकेत मान रहे हैं। वहीं, विपक्षी दल इस मुद्दे को चुनावी प्रचार में उठाने की तैयारी में हैं। गढ़वा से मिली इस खबर ने सासाराम के राजनीतिक माहौल को और गर्मा दिया है।

इनामी बदमाश धराया

सासाराम । किराना व्यवसायी सूरज प्रसाद के अपहरण मामले में छह माह से फरार चल रहे कुख्यात अशोक साह उर्फ अशोक मास्टर को रोहतास जिला पुलिस की विशेष टीम ने झारखंड से गिरफ्तार कर लिया।

रोहतास एसपी रौशन कुमार के अनुसार अशोक साह उर्फ अशोक मास्टर पर 50 हजार का इनाम राज्य सरकार ने घोषित किया था। उसकी गिरफ्तारी झारखंड के पलामू जिला के हुसैनाबाद थाना के गम्हरिया गांव से की गई है।

एसपी ने बताया कि अशोक के खिलाफ नासरीगंज, डेहरीनगर, तिलौथू, रोहतास व करवंदिया थाना में आधा दर्जन कांड दर्ज है।

अशोक साह पर हत्या, फिरौती के लिए अपहरण करने से संबंधित आधा दर्जन मामले रोहतास जिला के विभिन्न थाना में दर्ज है। तामा कार्रवाई करवंदिया थाना में गत 28 अप्रैल को 50 लाख की फिरौती के लिए अमरातालाब के एक किराना व्यवसायी सूरज प्रसाद का अपहरण से जुड़ी है।

28 अप्रैल को अपहरणकताओं ने स्वीफ्ट डिजायर कार से अमरातालाब बाजार से व्यवसायी का अपहरण कर लिया था।

क्रिकेट खेलने निकले बालक का नदी से शव बरामद

परिजनों ने जतायी हत्या की आशंका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। सिसई थाना क्षेत्र की पंडरिया पारस नदी से गुरुवार की सुबह एक 10 वर्षीय स्कूली बच्चे का शव बरामद किया गया है। शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कुम्हार मोड़ निवासी आयुष राज (पिता शिव प्रसाद साहू) के रूप में की गई है।

बताया गया कि आयुष बसिया रोड स्थित सेंट मैरिज स्कूल का छात्र था और दो दिनों से लापता था। परिजनों के अनुसार, आयुष बुधवार सुबह करीब 8 बजे घर से क्रिकेट खेलने के लिए निकला था, लेकिन इसके बाद वह घर नहीं लौटा।

देर शाम तक जब उसका कोई पता नहीं चला तो परिवार के सदस्य और स्थानीय लोग उसकी खोज में जुट गए। रात में पंडरिया स्थित पारस नदी के किनारे उसकी चप्पल और बल्ला मिला। बाद में नदी में खोजबीन के दौरान आयुष का शव बरामद हुआ।

शव मिलने के बाद क्षेत्र में मातम छा गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि आयुष की हत्या कर शव को नदी में फेंका गया है। उनके अनुसार, बच्चे के चेहरे और शरीर पर चोट के निशान हैं, जिससे हत्या की आशंका और गहराती जा रही है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया है। सिसई थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में हर पहलू से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा होगा।

इस घटना से सिसई क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं।

आश्रितों को अनुदान एवं सरकारी सेवा में नियोजन को ले बैठक

खूंटी। उग्रवादी हिंसा में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह-अनुदान एवं सरकारी सेवा में नियोजन से संबंधित जिला अनुकम्पा समिति की बैठक आज समाहरणालय कक्ष में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

समिति द्वारा उग्रवादी हिंसा में मृत व्यक्तियों से संबंधित कुल 8 मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। प्राप्त आवेदनों की जांच के क्रम में 2 आश्रितों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज पूर्ण एवं संतोषजनक पाए गए, जिसके आधार पर समिति द्वारा अनुशंसा कर अग्रेतर कार्रवाई हेतु संबंधित विभाग को भेजने का निर्णय लिया गया, ताकि मृतक के आश्रितों को अनुग्रह-अनुदान एवं अन्य सरकारी लाभ शीघ्र उपलब्ध कराया जा सके। वहीं, शेष मामलों में आवश्यक अभिलेखों की कमी पाए जाने पर संबंधित आश्रितों को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने हेतु पत्राचार करने का निर्देश दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो, परियोजना निदेशक आलोक शिकारी कच्छप, डीपीआरओ डॉ. शिशिर कुमार सिंह, डीएसपी मुख्यालय, जिला भूमि सुधार उप-समाहर्ता, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला स्थापना उप-समाहर्ता समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सदर अस्पताल में अब फ्री होगा मोतियाबिंद का आपरेशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। मोतियाबिंद के ऑपरेशन का इंतजार कर रहे मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। सदर अस्पताल में अब मोतियाबिंद का फ्री में ऑपरेशन शुरू हो गया है। साथ ही, मरीजों को तीन समय का मुफ्त भोजन भी अस्पताल प्रबंधन की ओर से उपलब्ध कराया जा रहा है।

यह पहल आयुष्मान भारत योजना के तहत शुरू की गई है। गुरुवार को बड़ी संख्या में मरीजों की जांच ओपीडी में की गई। मोतियाबिंद ऑपरेशन में नारायण फाउंडेशन की ओर से सहयोग किया जा रहा है, जबकि ऑपरेशन का नेतृत्व डॉ. प्रदीप कुमार कर रहे हैं।

पहले सरकारी स्तर पर केवल मेडिकल कॉलेज में ही मोतियाबिंद का ऑपरेशन होता था, जिससे मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता था। अब सदर अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने से लोगों को काफी राहत मिली है। यह व्यवस्था जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त पहल है।

डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में लेंस के लिए अतिरिक्त पैसे लगते थे, लेकिन सदर अस्पताल में मरीजों को पूरी तरह मुफ्त सुविधा दी जा रही है। यहां लेंस, दवा और जांच फ्री हैं। मरीजों को सबसे पहले

ओपीडी में जांच करानी होगी।

स्वास्थ्य विभाग ने सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी और सहिया को निर्देश दिया है कि मोतियाबिंद के मरीजों को चिन्हित कर सदर अस्पताल भेजें। इसके साथ ही जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक मरीज लाभ ले सकें। ओपीडी प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक चलता है। चिन्हित मरीजों का ऑपरेशन क्रमवार किया जा रहा है। धनबाद के सिविल सर्जन डा. आलोक विश्वकर्मा ने बताया कि सदर अस्पताल में निशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन हो रहा है। जहां भी ऐसे मरीज मिलें, उन्हें अस्पताल भेजा जा सकता है। आयुष्मान भारत के तहत सभी सुविधाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पांच पूर्व मुख्यमंत्री भाजपा प्रत्याशी के लिए मांग रहे वोट

रांची। घाटशिला उपचुनाव में चार दिन शेष बचे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने यहां जीत के लिए पूरा दम लगा दिया है। पांच पूर्व मुख्यमंत्री घाटशिला से भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के लिए प्रचार में लगे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी घाटशिला में प्रतिदिन प्रचार और प्रेस कान्फ्रेंस के जरिए माहौल भाजपा के पक्ष में करने में लगे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास जनसभा और रोड शो जैसे आयोजन से लोगों को भाजपा के लिए वोट करने की अपील कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और मधु कोड़ा भी प्रतिदिन मतदाताओं के बीच पहुंच कर वोट मांग रहे हैं। जबकि चम्पाई सोरेन सुदूर गांव तक जाकर भाजपा प्रत्याशी और अपने पुत्र बाबूलाल सोरेन के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं।

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने बताया कि पार्टी की असली ताकत उसके कार्यकर्ता हैं। जनता के बीच भाजपा प्रत्याशी के लिए उत्साह है।

डिप्टी सीएम के काफिले के साथ हुई घटना पर आयोग गंभीर

राजद समर्थकों पर लगाया आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के बीच गुरुवार को लखीसराय जिले के खुड़ियारी गांव में उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब डिप्टी सीएम और भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार सिन्हा के काफिले पर कथित रूप से राजद समर्थकों ने हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि भीड़ ने सिन्हा की गाड़ी पर चप्पल, पत्थर और गोबर फेंका और मुदार्बाद के नारे लगाए। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति संभाली और भीड़ को तितर-बितर किया।

घटना के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के डीजीपी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। चुनाव आयोग ने कहा कि कोई भी व्यक्ति कानून अपने हाथ में नहीं ले सकता और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आयोग ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे बिना किसी भय के अपने-अपने बूथों पर जाकर मतदान करें।

जानकारी के मुताबिक, घटना के समय सिन्हा चुनाव प्रचार के लिए इलाके से गुजर रहे थे। आरोप है कि इसी समय राजद समर्थकों ने उनकी गाड़ी को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की। मौके पर पुलिस बल मौजूद था, जिसने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भीड़ को वहां से हटाया। फिलहाल किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि स्थिति अब सामान्य है और मामले की जांच की जा रही है।

घटना के बाद डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ये राजद के गुंडे हैं। एनडीए सत्ता में आ रही है, इसलिए इनके छाती पर बुलडोजर चलने वाला है। ये मुझे गांव में जाने नहीं दे रहे। मेरे पोलिंग एजेंट को भी बूथ से भगा दिया गया। उन्होंने बताया कि घटना लखीसराय विधानसभा के खोरियारी गांव के 404 और 405 नंबर बूथों के पास हुई। सिन्हा ने कहा कि वह मौके पर एसपी से भी फोन पर बात कर चुके हैं और पुलिस स्थिति पर नजर रख रही है।

लखीसराय जिले के हलसी प्रखंड के खुड़ियारी गांव स्थित बूथ संख्या 404 और 405 पर बूथ कैप्चरिंग की सूचना मिलने पर एसपी अजय कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लेते हुए मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। सुरक्षा बलों ने गांव में फ्लैग मार्च कर लोगों में विश्वास बहाल किया।

इसी दौरान उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिंह भी गांव पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने उनका विरोध किया। आक्रोशित लोगों ने उनकी गाड़ी पर जूते-चप्पल और गोबर फेंका। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

साल 2020 के विधानसभा चुनाव में बिहार में तीन चरणों में मतदान हुआ था। उस समय एनडीए ने 125 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि महागठबंधन को 110 सीटें मिली थीं। जनता दल (यूनाइटेड) को 43, भाजपा को 74, राजद को 75 और कांग्रेस को 19 सीटें मिली थीं। इस बार दोनों गठबंधनों के बीच सीधी टक्कर मानी जा रही है।

एमएस धोनी नहीं खेलेंगे आईपीएल

चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक ने कर दिया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के समाप्त होते ही ये चर्चा शुरू हो गई कि चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल का अगला सीजन खेलेंगे या नहीं. वहीं इस बात पर जब-जब धोनी से सवाल किया गया, तब-तब माही ने इस सवाल के जवाब को देने के लिए कुछ वक्त मांगा. लेकिन अब सीएसके के मालिक काशी विश्वनाथन ने एमएस धोनी के अगले आईपीएल 2026 में खेलने के बारे में बड़ा अपडेट दिया है.

सीएसके के मालिक ने धोनी पर क्या कहा?- महेंद्र सिंह धोनी और सीएसके के लिए आईपीएल 2025 कुछ खास नहीं रहा. इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 10वें नंबर पर रही. इसी के साथ धोनी के आईपीएल से रिटायर होने की अटकलें भी लगाई जाने लगीं. लेकिन अब

सीएसके के मालिक ने इन सभी चर्चाओं पर विराम लगा दिया है. काशी विश्वनाथन का कहना है कि एमएस धोनी आईपीएल का अगला सीजन जरूर खेलेंगे. प्रोवोक लाइफस्टाइल के यूट्यूब चैनल से एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें एक बच्चा सीएसके के सीईओ से सवाल करता है कि क्या धोनी जल्दी ही रिटायर हो जाएंगे. तब काशी विश्वनाथन जवाब देते हैं कि 'धोनी रिटायर नहीं होंगे. मैं इस बारे में भी उनसे पूछूंगा और फिर आपको बताता हूं'. सीएसके मालिक ने टीम के अगले सीजन में परफॉर्म करने को लेकर कहा कि 'हम जीतने के लिए स्ट्रेटजी बना रहे हैं, लेकिन जीतेंगे या नहीं, इस बारे में नहीं पता है'.

सीएसके के लिए बेकार रहा आईपीएल 2025 - आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने अपना पहला टाइटल हासिल किया. वहीं चेन्नई सुपर किंग्स की सबसे आखिर में 10वें नंबर पर रही. इस सीजन एमएस धोनी के बल्ले से भी रन देखने को नहीं मिले. धोनी ने आईपीएल 2025 में खेले 14 मैचों की 13 पारियों में 24.50 की औसत से 196 रन बनाए. धोनी का आईपीएल के 18वें सीजन में बेस्ट स्कोर नाबाद 30 रन रहा.

आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को देखना चाहते हैं वसीम अकरम

नई दिल्ली, एजेंसी। महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने आईसीसी से मांग की है कि 'खेल से राजनीति को अलग करने' के लिए वो दखल दे। विजडन को दिए इंटरव्यू में अकरम ने कहा कि वह क्रिकेट में राजनीति को नापसंद करते हैं। हर लीग क्रिकेट में हर देश के खिलाड़ियों को चुना जाना चाहिए। उनका साफ इशारा इंडियन प्रीमियर लीग की तरफ था। महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने आईसीसी से मांग की है कि 'खेल से राजनीति को अलग करने' के लिए वो दखल दे। विजडन को दिए इंटरव्यू में अकरम ने कहा कि वह क्रिकेट में राजनीति को नापसंद करते हैं। हर लीग क्रिकेट में हर देश के खिलाड़ियों को चुना जाना चाहिए। उनका साफ इशारा इंडियन प्रीमियर लीग में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के खेलने पर लगे बैन की

तरफ था। इंटरव्यू में अकरम ने कहा, 'सॉरी, लेकिन मैं क्रिकेट में राजनीति को पसंद नहीं करता। साफ-साफ कहता हूं। खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। लीग क्रिकेट में हर देश के खिलाड़ियों को चुनो। हिम्मती बनो। बड़े दिल वाला बनो। लेकिन दुर्भाग्य से ये नहीं हो रहा है। और मुझे लगता है कि यहां आईसीसी को दखल देना चाहिए। यहां क्रिकेट बोर्ड्स को आगे आना चाहिए। यह मायने नहीं रखना चाहिए कि लीग का मालिक कौन है। यह मायने नहीं रखता कि टीमों के मालिक कौन हैं। हर देश के हर खिलाड़ी को चुना जाना चाहिए।' आईपीएल का नाम तो नहीं लिया मगर इशारा साफ अकरम ने वैसे तो पाकिस्तानी क्रिकेटरों या आईपीएल का जिक्र नहीं किया। सीधे-सीधे ये नहीं कहा कि आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को मौका मिलना चाहिए लेकिन उनका इशारा तो एकदम साफ था। आईपीएल में किसी भी देश का खिलाड़ी खेल सकता है, बस पाकिस्तान का नहीं। आईपीएल खेल चुके हैं पाकिस्तानी खिलाड़ी वैसे पाकिस्तान के खिलाड़ी हमेशा से आईपीएल में बैन नहीं रहे हैं। शोएब अख्तर, कामरान अकमल, सोहेल तनवीर जैसे कई पाकिस्तानी क्रिकेटर आईपीएल में खेल चुके हैं।

वीनस विलियम्स की ऑकलैंड क्लासिक में होगी

वाइल्ड कार्ड एंट्री

वॉशिंगटन, एजेंसी। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स न्यूजीलैंड में होने वाले ऑकलैंड क्लासिक 2026 में वापसी करेंगी। उन्हें इस डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी विलियम्स 16 महीने के ब्रेक के बाद 2025 के बीच में प्रतियोगिता में लौटीं। उन्होंने वाशिंगटन में वर्ल्ड नंबर 35 पेटन स्टर्न्स पर यादगार जीत के साथ वापसी की, जहां वह टूर-लेवल पर महिलाओं के एकल में जीत हासिल करने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनी। इसके बाद उन्हें एकल और युगल में यूएस ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिला। एकल में उन्होंने पहले राउंड में चेक गणराज्य की 11वीं सीड कैरोलिना मुचोवा को तीन सेट तक टक्कर दी और कनाडाई उभरती हुई स्टार लेयला फर्नांडीज के साथ युगल में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं थी। ऑकलैंड क्लासिक टूर्नामेंट के डायरेक्टर निकोलस लैम्पेरिन ने कहा, 'वीनस का महिला टेनिस के विकास पर गहरा असर रहा है और उनके खेल के प्रति अटूट जुनून ने अगली पीढ़ी को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि सभी खेल प्रेमियों को खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक को एक्शन में देखने का यह मौका नहीं छोड़ना चाहिए।' ऑकलैंड क्लासिक पांच से 11 जनवरी 2026 तक चलेगा। यह18 जनवरी से शुरू होने वाले 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट होगा।

फीडे विश्व कप शतरंज

अर्जुन की जीत से शुरुआत

गुकेश - प्रज्ञानन्दा नें खेला ड्रॉ

गोवा, एजेंसी। फीडे विश्व कप 2025 के दूसरे राउंड की पहली बाजी से सारे दिग्गज वरीय खिलाड़ी विश्व कप के अपने अभियान को आरंभ करते नजर आए, पहले बोर्ड पर विश्व चैम्पियन डी गुकेश और उज्बेकिस्तान के नोगेरबेक कायबेक की बाजी की पहली चाल चलकर उदघाटन करने के लिए खुद मेजबान गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद पहुंचे। गुकेश नें सफ़ेद मोहरो से केटालन ओपनिंग खेलते हुए अपने अभियान की शुरुआत की और मध्य खेल तक उनके मोहोरे बेहद सक्रिय तो नोगेरबेक के मुश्किलों मे नजर आ रहे थे पर खेल की 29वीं चाल में गुकेश से भूल हुई और उन्होने अपने ऊंट की काले के ऊंट से अदला बदली स्वीकार करते हुए नोगेरबेक को वापसी का मौका दे दिया और 84 चालों तक चली यह मैराथन बाजी बेनतीजा रही। प्रज्ञानन्दा को भी औस्ट्रेलिया के टेमुर कुयबोकोरोव नें ड्रॉ पर रोक लिया, हालांकि दूसरे वरीय भारत के अर्जुन एरीगैसी नें अपने अभियान को जीत से आरंभ किया, अर्जुन नें बुल्गारिया के मार्टिन पेट्रोव पर जीत दर्ज की, उन्होने काले मोहरो से इटेलिअन ओपनिंग में 42 चालों में जीत दर्ज की। अन्य खास मुकाबलों में जर्मनी के विश्व नंबर चार विंसनेट केमर नें रूस के व्लादिसलाव कोवलेव को हराया तो अनुभवी खिलाड़ियों में अजरबैजान के शाकिरयार ममेद्यारोव नें हंगरी के कांटोर ग्रिगेली को, फ्रांस के मकसीम लागरेव नें भारत के सूर्या शेखर गांगुली को और अर्मेनिया के लेवान आरोनियन नें एक रोमांचक मुक़ाबले में भारत के अरोण्यक घोष को पराजित किया।

आरसीबी को बेचने का हुआ ऐलान

आईपीएल 2026 से पहले फ्रेंचाइजी को मिलेगा नया मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा आईपीएल और पूर्व डब्ल्यूपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फ्रेंचाइजी बिकने जा रही है. आरसीबी की मौजूदा मालिक इस फ्रेंचाइजी से बाहर हो रही है और उसने इसे बेचने का ऐलान कर दिया है. एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आईपीएल की शुरुआती 8 फ्रेंचाइजी में से एक आरसीबी की बिक्री प्रक्रिया शुरू हो गई है और अगले आईपीएल सीजन से पहले ये प्रक्रिया खत्म होने की उम्मीद है. यानि फ्रेंचाइजी के मौजूदा ओनर को उम्मीद है कि मार्च 2026 से पहले आरसीबी को इसका नया मालिक मिल जाएगा, जो आईपीएल और डब्ल्यूपीएल में इस फ्रेंचाइजी को चलाएगा.

शुरू हुई बिक्री प्रक्रिया, मार्च 2026 तक होगी खत्म - आईपीएल के पहले सीजन से ही एक्टिव रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की बिक्री को लेकर पिछले कुछ हफ्तों से सुगबुगाहटें जारी थीं और कुछ बड़े बिजनेस घरानों ने इसमें रुचि भी दिखाई थी. मगर तब ये सिर्फ अटकलें थी लेकिन अब

खुद फ्रेंचाइजी की मौजूदा ओनर डिएजियो ने इसका ऐलान कर दिया है. क्रिकबज की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि डिएजियो ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को भेजी गई एक चिट्ठी में बताया कि उसकी सब्सिडिएरी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड ने फ्रेंचाइजी में स्ट्रैटेजिक रिव्यू शुरू किया है.

माल्या 2008 में खरीदी थी आरसीबी फ्रेंचाइजी

2008 में बीसीसीआई ने जब आईपीएल शुरू करने का ऐलान किया था, तो 8 शहरों की फ्रेंचाइजी के लिए बोली लगाई गई थी. इसमें बेंगलुरु की बोली मशहूर बिजनेसमैन विजय माल्या ने जीती थी. उन्होंने तब 111.6 मिलियन डॉलर यानि उस वक्त करीब 600-700 करोड़ रुपये में ये फ्रेंचाइजी खरीदी थी. तब ये आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे महंगी टीम थी. यूनाइटेड स्पिरिट्स के मालिक उस वक्त माल्या ही थे. हालांकि, 2013 में डिएजियो ने स्कैम सबसे बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर ली थी और 2014 में वो 54 फीसदी से ज्यादा शेयरहोल्डिंग के साथ पूरा मालिकाना हक डिएजियो के हाथों में आ गया था और तब से वो ही फ्रेंचाइजी के मैनेजमेंट में अहम भूमिका निभा रही थी.

चैंपियंस लीग

फिल फोडेन ने दागे 2 गोल

● डॉर्टमुंड के खिलाफ मैनचेस्टर सिटी की आसान जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर सिटी ने बोरुसिया डॉर्टमुंड पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम ने चैंपियंस लीग स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल कर लिया है। फिल फोडेन इस मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने दो गोल दागे। डॉर्टमुंड ने शुरुआती समय में मैनचेस्टर सिटी को रोके रखा, लेकिन 22वें मिनट फिल फोडेन ने बॉक्स के किनारे से एक सटीक लो शॉट लगाकर मैच का रुख बदल दिया। इसके 7 मिनट बाद एर्लिंग हालैंड ने डोकू के क्रॉस पर एक जोरदार शॉट लगाकर सिटी की बढ़त को दोगुना कर दिया। यहां से डॉर्टमुंड मुकाबले में 0-2 से पिछड़ गई थी। शानदार शुरुआत के बावजूद मेहमान टीम सिटी की गति और मूवमेंट को संभालने में नाकाम रही। हाफ टाइम से पहले गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल को बार-बार एक्शन में आना पड़ा। फिल फोडेन ने 57वें मिनट में फिर से गोल दागते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। मुकाबले के 72वें मिनट डॉर्टमुंड ने जवाब दिया। वाल्डेमर एंटोन ने एक शॉर्ट फ्री किक के बाद वॉली मारकर गोल किया। मैच खत्म होने में 20 मिनट से भी कम समय शेष रह गया था। मुकाबले का स्कोर 3-1 था। इस बीच बुंडेसलीगा टीम ने आगे बढ़कर हमला किया। करीम एडेयेमी दो बार गोल के करीब पहुंचे, लेकिन सब्स्टीट्यूट रेयान चेर्की ने स्टॉपेज टाइम (90+1) में गोल करके नतीजा पक्का कर दिया। मैनचेस्टर सिटी चैंपियंस लीग स्टैंडिंग में अब टॉप-3 टीमों बायर्न म्यूनिख, आर्सेनल

और इंटर से सिर्फ 2 प्वाइंट पीछे है। अब डॉर्टमुंड इस महीने के आखिर में विलारियल की मेजबानी करने से पहले अपनी पहली चैंपियंस लीग हार से उबरने की कोशिश करेगा। डॉर्टमुंड के कोच निको कोवाक ने कहा, 'हमने देखा है कि सिटी साफतौर पर बेहतर टीम है। हमने अच्छी शुरुआत की, लेकिन काफी मौके नहीं बना पाए और कुल मिलाकर बहुत पैसिव रहे। यह मुकाबला सिटी के खिलाफ था, लेकिन चार गोल खाना फिर भी थोड़ा ज्यादा है, आखिर में गोलों का अंतर भी मायने रख सकता है।'

63वें वालोंग डे पर 'वालोंग डे हॉफ मैराथन' का आयोजन

● 1962 के ऐतिहासिक युद्ध की वीरता को श्रद्धांजलि

वालोंग (अरुणाचल प्रदेश), एजेंसी। वालोंग हॉफ मैराथन 2025 भारतीय सैनिकों के अमिट साहस, बलिदान और धैर्य को समर्पित है। यह कार्यक्रम भारतीय सेना और अरुणाचल प्रदेश की जनता के बीच अटूट संबंध और परस्पर गर्व का प्रतीक बना। भारत की पूर्वी सीमा पर स्थित वालोंग के युद्धक्षेत्र से बुधवार को 'वालोंग हॉफ मैराथन 2025' का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन भारतीय सेना द्वारा 63वें वालोंग डे के उपलक्ष्य में किया गया, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध में हुए वीरता भरे वालोंग युद्ध की स्मृति को पुनर्जीवित किया। इस मैराथन में करीब 700 प्रतिभागियों, जिनमें सेना के जवानों से लेकर नागरिक पुरुष और महिलाएं भी शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ को तीन श्रेणियों में बांटा गया था, 21 किमी हॉफ मैराथन, 10 किमी रन और 5 किमी ट्रिब्यूट रन, जिसमें प्रतिभागियों ने देश के वीर सपूतों के सम्मान में कदम से कदम मिलाया। यह मैराथन केवल शारीरिक सहनशक्ति और फिटनेस की परीक्षा नहीं थी, बल्कि इसमें स्मरण, एकता और देशभक्ति का संदेश भी निहित था। विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार रखे गए, जिनमें पदक और दो लाख रुपए तक की नकद राशि भी शामिल थी।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स : स्वियाटेक को हराकर एनिसीमोव ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की चौथी सीड अमांडा एनिसीमोव ने बुधवार को पोलैंड की दूसरी सीड इगा स्वियाटेक को 6-7 (3), 6-4, 6-2 से शिकस्त दी। इसी के साथ अमांडा एनिसीमोव ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। मुकाबले के पहले सेट में, दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस को मजबूती से बनाए रखा। हालांकि, एनिसीमोवा ने चार ब्रेक प्वाइंट हासिल किए, लेकिन स्वियाटेक ने उन सभी को बचा लिया। पहले 12 गेम सर्विस पर जाने के बाद टाईब्रेक में 7-6 (3) से जीत हासिल की। मुकाबले का दूसरा सेट भी काफी कड़ा रहा। एनिसीमोव ने तीसरे गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट बचाकर अपनी सर्विस बचाई। दोनों ने 5-4 तक अपनी सर्विस बनाए रखी। स्वियाटेक के पांचवें सर्विस गेम में, अमेरिकी खिलाड़ी ने एक महत्वपूर्ण लेट ब्रेक का मौका भुनाया और मैच को बराबर करने के लिए सेट 6-4 से जीत लिया।

संक्षिप्त समाचार

सात फेरे नहीं होने पर भी विवाह वैध... हिंदू शादी को लेकर हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हिंदू विवाह की मान्यता को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ कर दिया कि यदि किसी हिंदू शादी में सप्तपदी यानी सात फेरे की रस्म पूरी न भी हो, तो भी वह विवाह अपने आप में अवैध नहीं माना जाएगा। परंपरागत रूप से सात फेरे को हिंदू विवाह का सबसे अहम हिस्सा माना जाता है, लेकिन कोर्ट ने कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम में हर स्थिति में सप्तपदी को अनिवार्य शर्त नहीं बताया गया है। यह फैसला न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने सुनाया है। यह फैसला उस मामले में आया, जिसमें पति ने पत्नी की तलाक अर्जी को चुनौती देते हुए कहा कि वे बंजारा (लंबाडा) जनजाति से हैं, जो अनुसूचित जनजाति में आती है। ऐसे में हिंदू विवाह अधिनियम उन पर लागू नहीं होता। पत्नी ने दावा किया था कि शादी हिंदू रीतियों के अनुसार हुई और इसलिए तलाक भी इसी कानून के तहत हो।

बच्ची को भगा ले जाने का डर! दिल्ली हाईकोर्ट ने रूसी मां से कस्टडी छीन पिता को दी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने रूसी महिला के साथ बच्ची को भारत से भगा ले जाने के डर से बड़ा फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट में लंबित एक समान मामले का हवाला देकर कोर्ट ने चार साल की मासूम की अंतरिम कस्टडी भारतीय पिता को दे दी। यह फैसला इसलिए खास, क्योंकि रूसी मां और बच्ची दोनों रूसी पासपोर्ट धारक हैं। कोर्ट ने हालिया घटनाओं पर तीखी टिप्पणी की। एक रूसी महिला (विक्टोरिया बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य) ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को धता बताते हुए बच्चे को लेकर भारत छोड़ दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अधिकारियों की लापरवाही करार दिया और देश की एम्बेसी की भूमिका पर गुस्सा जताया। दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस अनिल क्षत्रपाल और हरीश वी शंकर की ने कहा, ऐसे में रूसी मां को अनियंत्रित कस्टडी देना भारतीय अदालतों की साख छीनने जैसा होगा। 2023 में रूसी दूतावास ने मां-बेटी को एग्जिट परमिट दिलाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन कोर्ट सतर्क रहा। जजों ने कहा, अगर मां बच्ची को लेकर भाग गई, तो भारतीय फैसलों को लागू कराना नामुमकिन हो जाएगा। ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए हाईकोर्ट ने तर्क दिया कि बच्ची रूस में पैदा हुई, लेकिन जन्म के तुरंत बाद भारत आ गई। यहां की मिट्टी, संस्कृति और परिवेश में ढल चुकी है। मां का दावा था कि कानूनी सिद्धांतों को नजरअंदाज किया गया, लेकिन कोर्ट बोला, बच्ची को यहां से रूस ले जाना उसके हित में नहीं। यह उसकी जड़ों से अलगाव होगा।

60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी में शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की कंपनी के चार पूर्व कर्मचारियों को समन

नई दिल्ली , एजेंसी। व्यवसायी से 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के केस में नया अपडेट आया है। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक्ट्रेस की कंपनी में काम करने वाले चार पूर्व कर्मचारियों को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। चार में से एक का बयान दर्ज किया जा चुका है। बेस्ट डील प्राइवेट लिमिटेड में काम करने वाले 4 कर्मचारियों को समन भेजा गया है। आर्थिक अपराध शाखा के अधिकारी ने बताया कि कंपनी का एक कर्मचारी शाखा के सामने पेश हो चुका है और उसका बयान भी दर्ज हो चुका है, जबकि तीन कर्मचारियों का पेश होना बाकी है। उन तीनों से भी पूछताछ कर बयान दर्ज कराया जाएगा। ये चारों कर्मचारी कंपनी में पहले काम करते थे।

पहले अक्टूबर 2025 का लक्ष्य था

फिर बढ़ी दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे की डेडलाइन, अब 2026 में खोला जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली से देहरादून तक 210 किलोमीटर का नया एक्सप्रेसवे फरवरी 2026 तक खुल जाएगा। इससे यात्रा का समय आधे से ज्यादा कम होकर सिर्फ ढाई घंटे रह जाएगा। पहले अक्टूबर 2025 का लक्ष्य था, लेकिन देरी के कारण अब नया डेडलाइन सेट हुआ है। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने निर्देश दिया है कि सभी फेज पूरे होने के बाद ही उद्घाटन होगा। प्रोजेक्ट की लागत 11,869 करोड़ रुपये है। शुरू में दिसंबर 2024 तक पूरा करने का प्लान था।

प्रोजेक्ट को चार हिस्सों में बांटा गया है। हर फेज के निर्माण कार्य अलग-अलग हो रहा है।

अक्षरधाम से शुरू होकर गीता कॉलोनी, शास्त्री पार्क, गाजियाबाद का मंडोला विहार और बागपत का खेकड़ा तक का हिस्सा छह महीने से ज्यादा समय से पूरा है। सितंबर में दिल्ली में जलभराव हुआ तो कई बाइक सवारों ने

बैरियर हटाकर इसका इस्तेमाल किया और जाम से बच गए। बागपत के पास से सहारनपुर तक का ज्यादातर हिस्सा तैयार है। कुछ स्ट्रेच पर फिनिशिंग काम बाकी है। सहारनपुर बाइपास से गणेशपुर तक की मौजूदा सड़क को चौड़ा किया जा रहा है। निर्माण अंतिम चरण में है। देहरादून के पास एलिवेटेड सेक्शन पर सुरक्षा और फिनिशिंग काम चल रहा है। मानसून में बाढ़ के कारण सावधानी बरती गई। दात काली मंदिर के पास प्रोटेक्शन वर्क, मोबाइल टावर और टनल की फिनिशिंग नवंबर तक पूरी हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 26 फरवरी 2021 को नींव रखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 दिसंबर 2021 को फिर से शिलान्यास किया। एक्सप्रेसवे अक्षरधाम से शुरू होकर बागपत, बारौत, शामली और सहारनपुर होते हुए देहरादून पहुंचेगा। प्रोजेक्ट की शुरुआत से जंगलों की कटाई पर सवाल उठे। राज्यसभा में जुलाई में बताया गया कि 17,913 पेड़ काटे या ट्रांसप्लांट किए गए। एनएचएआई ने जवाब दिया कि 50,600 नए पेड़ लगाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड वन विभाग को 40 करोड़ रुपये दिए गए। मार्च में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने अफोरेस्टेशन की जानकारी न देने पर जुर्माना लगाया।

अरे गजब! पोर्टल ढूंढ़ ले रहा फोन, दिल्ली पुलिस नहीं पकड़ पा रही चोर

नई दिल्ली, एजेंसी।
चोरी और झपटे गए मोबाइल फोन का पता लगाने के लिए टेलिकॉम विभाग ने सीईआईआर पोर्टल (सेंट्रल इक्विपमेंट आईडेंटिटी रजिस्टर) बनाया है। इस पर बीते दो साल में दिल्लीवालों द्वारा करीब साढ़े आठ लाख शिकायतें दर्ज कराई गईं। पोर्टल ने साढ़े पांच लाख से ज्यादा मोबाइल फोन की लोकेशन का पता लगाकर पुलिस को जानकारी भी दी, लेकिन सिर्फ 13 हजार फोन ही बरामद किए जा सके। पोर्टल से मिली जानकारी और बरामद मोबाइल फोन के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह महज तीन फीसदी ही है।

करीब दो साल में 8.70 लाख शिकायते

मोबाइल चोरी और झपटमारी के मामलों में दिल्ली देश में सबसे आगे है। सीईआईआर पोर्टल के मुताबिक अब तक दिल्ली के 8,70,341 मोबाइल मालिकों ने अपने चोरी या झपटे गए फोन को ब्लॉक कराने का अनुरोध किया। टेलिकॉम विभाग ने इन मोबाइलों को ब्लॉक कर सर्विलांस पर लगाया, ताकि चालू होने पर उनकी लोकेशन और सिम की जानकारी मिल सके।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने माना कि मोबाइल ट्रेस होने के बाद अगर उसे दोबारा बंद कर दिया जाए, तो उसे ढूंढना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने तकनीकी सीमाओं का भी हवाला दिया। पुलिस के पास आईएमईआई नंबर ट्रैक करने के लिए कोई सॉफ्टवेयर नहीं है।

बरामद फोन थानों के मालखानों में बंद

सूत्रों के अनुसार, फोन बरामद भी किए गए हैं, उनमें से कई अपने मालिकों तक नहीं पहुंच पाए। ये फोन थानों के मालखानों में पड़े हैं। टेलिकॉम विभाग पुलिस को मोबाइल की लोकेशन, सिम विवरण, एफआईआर नंबर और पीड़ित की पूरी जानकारी भेजता है। फोन मालिकों तक पहुंचना मुश्किल नहीं है, लेकिन लापरवाही रिकवरी को अधूरा बना रही है।

दिल्ली के लगभग हर थाने में चोरी हुए मोबाइल फोन की तलाश के लिए स्पेशल टीमें बनाई गई हैं। इन टीमों को तकनीकी ज्ञान और बाहरी राज्यों में काम करने की अनुमति भी दी गई है। इसके बावजूद टीमों की सफलता दर बहुत कम है।

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर जीपीएस का भूत सवार! भटक रही हैं उड़ानें, यात्री परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। आसमान में उड़ते विमान अचानक खो जा रहे हैं! जी हां, दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पिछले दो-तीन दिनों से जीपीएस स्पूफिंग का शिकार हो रहा है। जब भी पूर्वी हवाएं चलती हैं, तो विमान द्वारका की तरफ से लैंडिंग करते हैं और वसंत कुंज की ओर टेकऑफ करते हैं। लेकिन ये तकनीकी भूत सब गड़बड़ कर देता है। आखिर ये जीपीएस स्पूफिंग क्या होती है? आइए समझते हैं।

विमानों का नकली नेविगेशन दुश्मन है जीपीएस स्पूफिंग: साल की शुरुआत में एयरपोर्ट की मुख्य रनवे 10/28 को अपग्रेड करने के लिए बंद किया गया था। पुराना इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम हटा दिया गया, ताकि कैटेगरी बन सके - जो घने कोहरे में भी दोनों तरफ से लैंडिंग की इजाजत दे।

टीओआई के मुताबिक, अब पायलट रेक्कायर्ड नेविगेशन परफॉर्मेंस पर निर्भर हैं, जो जीपीएस के बिना चल ही नहीं सकता। स्पूफिंग शुरू होते ही आइजीआइ से 60 नॉटिकल माइल दूर जीपीएस सिग्नल गड़बड़ हो जाते हैं। इसकी वजह से मुख्य रनवे पर उड़ानें प्रभावित होती हैं।

ट्रैफिक पीक पर डायवर्जन का

झटका: एयरपोर्ट पर रोजाना 1,550 विमान उड़ान भर रहे हैं। मंगलवार रात इंडिगो के पांच और एयर इंडिया के दो विमान जयपुर डायवर्ट करने पड़े। यात्री घंटों इंतजार करते रहे। इसकी वजह से हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान से मिडिल ईस्ट, तुर्की और यूक्रेन तक के शरारती तत्व करते हैं। ये जीपीएस सिग्नल को फर्जी बना देते हैं पायलट को लगता है वो कहीं और है, जबकि असल में 2,500 किमी तक गलत जगह दिखा रहा होता है। एयरलाइंस पायलटों को पहले अलर्ट दे रही हैं और वैकल्पिक नेविगेशन पर स्विच करने की सलाह दे रही हैं। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड रनवे 10/28 पर नया आइएलएस चालू करने में जुटी है। इंडिगो ने हाल में ट्रायल फ्लाइट की और रिपोर्ट ड्गडट्ट को सौंपी। सूत्रों ने कहा कि 27 नवंबर तक इंतजार लंबा है, इसे जल्दी पूरा करना जरूरी है। नया आइएलएस दोनों सिरों से लैंडिंग की सुविधा देगा और कोहरे और स्पूफिंग से बचाव करेगा। एविएशन अथॉरिटी स्थिति पर नजर रख रही हैं। एक सूत्र ने कहा, स्पूफिंग क्यों हो रहा है, यह सुरक्षा का मामला है। हमें सिर्फ मुख्य रनवे पर आइएलएस जल्दी चालू करना है।

भंगेल एलिवेटेड रोड पर 5 साल बाद भी लूप का टेंडर नहीं, लोगों को हो रही बड़ी दिक्कत

नई दिल्ली, एजेंसी। भंगेल एलिवेटेड रोड भले ही आने वाले कुछ दिनों में शुरू हो जाए, लेकिन नोएडा प्राधिकरण ने इसके लूप बनाने के लिए पांच साल बाद भी टेंडर जारी नहीं किया। इन लूप के बनने से सेवन एक्स समेत कई सेक्टर-सोसाइटियों में रहने वाले लोगों को फायदा होगा।

सेक्टर-41 आगाहपुर से फेज टू के एनएसईजेड के पास नाले तक एलिवेटेड रोड बन गया है। करीब साढ़े पांच किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड रोड के लिए सेक्टर-47-107 चौराहे पर चढ़ने-उतरने के लिए चार लूप बनने हैं। सेक्टर-41 की ओर से जाकर सेक्टर-74, 75, 76, 77, 78, 79, सेक्टर-61, 62 आद की ओर जाने वालों के लिए लूप उतारा जाएगा। इसके सामने दूसरी तरफ से लोग लूप के जरिए फेज टू जा सकेंगे। एलिवेटेड रोड के दूसरी तरफ फेज टू की तरफ से आकर हाजीपुर, नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे की तरफ जाने वालों के लिए लूप उतारा जाएगा। इसके सामने दूसरी तरफ से हाजीपुर और एक्सप्रेसवे की तरफ से आकर लोग लूप के जरिए सेक्टर-37, 18 की ओर आ सकेंगे।

नोएडा प्राधिकरण ने एलिवेटेड रोड के लूप बनाने के लिए टेंडर तक जारी नहीं किया। प्राधिकरण जल्द टेंडर जारी करने की स्थिति में भी नहीं है। अगले कम से कम तीन महीने तक टेंडर जारी होने की उम्मीद कम है। इसके बाद बाकी प्रक्रिया होंगी। इससे साफ है कि काम शुरू होने से लेकर पूरा होने में कम से कम डेढ़ से दो साल का समय लगना तय है। सेवन एक्स सेक्टरों में रहने वाले लोग लूप का काम जल्द शुरू करने के लिए लगातार आवाज उठा रहे हैं। सांसद, विधायक के अलावा प्राधिकरण के अफसरों के समक्ष लूप के लिए जल्द टेंडर जारी करने की मांग की, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

लंदन में दो कैदियों को गलती से किया रिहा

लंदन , एजेंसी।
ब्रिटेन में एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। लंदन की वैंड्सवर्थ जेल से दो कैदियों को गलती से रिहा कर दिया गया। पुलिस अब दोनों की तलाश में जुटी है। यह वही जेल है जहाँ पिछले साल एक कैदी खाने की गाड़ी के नीचे लटककर भाग गया था। लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, 24 वर्षीय ब्राहिम कद्दूर-शरीफ को 29 अक्टूबर को गलती से रिहा कर दिया गया। वह अल्जीरिया का नागरिक है और चोरी की नीयत से घुसपैठ के आरोप में सजा काट रहा था। पुलिस ने बताया कि वह यौन अपराधी के रूप में भी पंजीकृत है और कई नामों का इस्तेमाल करता है। वहीं, सरे पुलिस के अनुसार, 35 वर्षीय विलियम स्मिथ को सोमवार को धोखाधड़ी के कई मामलों में 45 महीने की सजा सुनाई गई थी, लेकिन उसी दिन गलती से रिहा कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि स्मिथ के वोकिंग इलाके से संबंध हैं। इन घटनाओं से ब्रिटेन की जेल व्यवस्था पर सवाल उठ गए हैं। हाल ही में नई लेबर पार्टी सरकार ने सख्त निगरानी प्रणाली लागू की थी, लेकिन यह चूक उसके लिए बड़ी शर्मिंदगी का कारण बन गई है।

चुनाव जीतने के बाद मेयर जोहरान ममदानी ने लंच में खाया आलू दम, पनीर टिक्का

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने जीत के बाद अपने पहले दिन की शुरुआत उन्होंने भारतीय लंच के साथ की।

उनके साथ डेमोक्रेट नेता एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज भी शामिल हुईं। इस भारतीय मूल के नेता ने अपने व्यस्त पहले दिन की एक झलक सोशल मीडिया पर साझा की, जिसमें इंटरव्यू और मीटिंग्स भरे थे।

एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'आपके नवनिर्विचित मेयर के तौर पर ये मेरा पहला दिन है। लेकिन कांग्रेसवुमन एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज के साथ ललिगुरास बिस्टरो में मेरा लंच। ' तस्वीरों में ओकासियो-कोर्टेज चाय के साथ मोमोज, आलू-दम और

पनीर टिक्का जैसे व्यंजनों का मजा लेती नजर आईं। ललिगुरास बिस्टरो क्वींस के जैक्सन हाइट्स में एक भारतीय-नेपाली रेस्तरां है। ओकासियो-कोर्टेज उन चुनिंदा डेमोक्रेट्स में से एक हैं, जिन्होंने ममदानी की मेयर चुनावी मुहीम का समर्थन किया था। ममदानी ने लंच को अपने व्यस्त दिन का हाइलाइट बताया है। जोहरान मामदानी ने न्यूयॉर्क सिटी की मेयर रेस जीतकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम और पहले दक्षिण एशियाई मेयर बने। सिर्फ 34 साल की उम्र में वह एक सदी में सबसे युवा मेयर हैं। उनकी जीत लेफ्ट-विंग एजेंडे पर आधारित थी, जिसमें अमीर-गरीब की खाई कम करना और शहर को सस्ता बनाना मुख्य मुद्दे थे। जीत के भाषण में उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मशहूर 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' भाषण का जिक्र किया। मंच से उतरते वक्त बैकग्राउंड में न्यूयॉर्क के गाने नहीं, बल्कि बॉलीवुड हिट 'धूम' के बीट्स बजे।

दिल्ली में बढ़ने वाली है ठंड, दो-तीन दिन में 3 डिग्री तक गिरेगा पारा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में अब ठंड का अहसास बढ़ने वाला है। मौसम विभाग का अनुमान है कि हवा कि दिशा अब मुख्यत: उत्तरी पश्चिमी होने के आसार हैं। इसके चलते अधिकतम और न्यूनतम तापमान में अगले दो-तीन दिन में तीन डिग्री तक की गिरावट की संभावना है। दिल्ली में इन दिनों सुबह से ही तेज खिली हुई धूप निकल रही है। जिसके चलते तापमान में बढ़ोतरी का रुख बना हुआ है। खासतौर पर न्यूनतम तापमान लगातार सामान्य से ऊपर है। दिल्ली के सफदरजंग मौसम केन्द्र में दिन का अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जो कि सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम है। जबकि, न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जो कि सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 53 से 92 फीसदी तक रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि अब हवा की दिशा उत्तरी पश्चिमी होने वाली है। यह हवा अपने साथ पहाड़ों की ठंडक भी ले आएगी, जिससे तापमान में गिरावट आएगी।

हजारों कुशल कर्मचारियों को नौकरी देगी कनाडा सरकार

ओटावा, एजेंसी।
अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा एच1बी वीजा की फीस में भारी बढ़ोतरी के बीच कनाडा की मार्क कार्नी सरकार ने बड़ा दांव चला है। दरअसल मार्क कार्नी सरकार ने विदेशी कुशल कर्मचारियों को लुभाने के लिए एक अहम योजना का अपने बजट में एलान किया है। अमेरिका के एच1बी वीजा का लाभ पाने वालों में 70 प्रतिशत तक भारतीय कर्मचारी हैं। ऐसे में कनाडा सरकार की नई योजना से भारतीय कुशल कर्मचारियों को फायदा मिल सकता है।

कनाडा सरकार ने बजट में तय किया 1.7 अरब डॉलर का फंड डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने बीते दिनों एच1बी वीजा की फीस बढ़ाकर एक लाख डॉलर सालाना

कर दी है। इससे अमेरिका में जाकर काम करने का सपना देखने वाले कुशल तकनीकी पेशेवरों को भारी निराशा हुई। ट्रंप के इस कदम के बीच कनाडा सरकार ने मौका ढूंढा और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय रिसर्चर्स और उच्च प्रशिक्षित तकनीकी पेशेवरों को लुभाने की खास पहल शुरू की है। इसके तहत कनाडा सरकार ने अपने बजट में 1.7 अरब डॉलर का फंड तय किया है, जिससे एक हजार से ज्यादा स्किल्ड रिसर्चर्स को कनाडा में नौकरी दी जाएगी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, बजट में कहा गया है, 'इन रिसर्चर्स की दक्षता हमारी वैश्विक प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाने और भविष्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देने में मदद करेगी।' कनाडा सरकार ने कुशल कर्मचारियों को आकर्षित करने के लिए एच-1बी वीजा धारकों के लिए एक 'एक्सेलरेटेड पाथवे' का भी एलान किया है। कनाडा अपनी नई अप्रवासन नीति के तहत 2026 से 2028 तक हर साल 380,000 स्थायी रेसिडेंट्स को लाने की योजना बना रहा है। हालांकि, कनाडा, विदेशी छात्रों के सालाना एडमिशन में कटौती जारी रखेगा। एक तरफ कनाडा कुशल तकनीकी पेशेवरों को लुभाने की कोशिश कर रहा है, वहीं यह अस्थायी रेसीडेंट्स की संख्या में भारी कमी कर रहा है। पहले साल 2026 में कनाडा सरकार की योजना 385,000 अस्थायी निवासियों को कनाडा का वीजा जारी करने की थी और अगले दो वर्षों के लिए यह आंकड़ा 370,000 था।

कतर के अमीर से मिले आसिफ अली जरदारी, रक्षा सहयोग बढ़ाने की पेशकश

दोहा, एजेंसी। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बुधवार को दोहा में कतर के अमीर, शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से मुलाकात कर रक्षा और रक्षा उत्पादन के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने की पेशकश की। यह मुलाकात दोहा में चल रहे दूसरे विश्व सामाजिक विकास शिखर सम्मेलन के दौरान हुई, जिसमें राष्ट्रपति जरदारी पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जरदारी की रक्षा सहयोग बढ़ाने की पेशकश पर अमीर ने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की और अधिकारियों को तुरंत बातचीत शुरू करने का निर्देश देने की बात कही। कतर के अमीर ने हाल में हुए पाकिस्तान-सऊदी अरब रक्षा समझौते पर भी संतोष जताया और इसे एक स्वागतयोग्य और समय पर उठाया गया कदम बताया। उन्होंने पाकिस्तान की अनूठी स्थिति की सराहना की, जो एक साथ चीन, पश्चिम और खाड़ी देशों के साथ रणनीतिक संबंध बनाए रखता है। राष्ट्रपति जरदारी ने गाजा के लिए संघर्ष विराम और मानवीय राहत की वकालत करने में कतर के अमीर के नेतृत्व की प्रशंसा की। दोनों नेताओं ने पाकिस्तान और कतर के बीच ऐतिहासिक और भाईचारे के संबंधों की पुष्टि की। जरदारी ने अमीर को पाकिस्तान आने का न्योता दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया और अगले साल की शुरुआत में पाकिस्तान आने की जानकारी दी।

डीसी ने सीएस कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

काम शुरू करने से पहले और समाप्त करने के अंतिम 05 मिनट अपने टेबल को दें ताकि टेबल ठीक दिखें

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कैंप-टू स्थित सिविल सर्जन (सीएस) कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की साफ-सफाई, फाइलों के रख-रखाव, विभिन्न कार्यालय कक्ष और तकनीकी सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। इस मौके पर एसी मो. मुमताज अंसारी, सिविल सर्जन डॉ. ए. बी. प्रसाद, डीएस श्री एन. पी. सिंह, डा. रेनु भारती डा. सेलिना टुडू, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी आदि मौजूद थे। डीसी ने सीएस कार्यालय स्थित मलेरिया कक्ष, एनआरएचएम कक्ष, डीपीएम कक्ष, डीपीएस कक्ष, एमडीआर-सीडीआर कक्ष, मेडिकल बोर्ड कक्ष, सीएस कार्यालय कक्ष आदि का निरीक्षण किया।

साफ-सफाई और फाइल व्यवस्थित करने का दिया निर्देश

निरीक्षण क्रम में उपायुक्त ने कार्यालय में साफ-सफाई बनाएं रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी फाइलों को नए लाल कपड़े में बांधकर व्यवस्थित रूप से रखा जाए। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी अपना काम शुरू करने से पहले और काम खत्म करने के अंतिम पांच मिनट अपने टेबल को दें झ कंप्यूटर झ टेबल की साफ सफाई करें, ताकि कार्यालय हमेशा सुव्यवस्थित दिखे। अगले 15 दिनों में व्यवस्था को दुरूस्त करने का निर्देश दिया झ कहा कि वह पुनः कार्यालय का निरीक्षण करेंगे।

डिजिटल सुविधा और नेटवर्क व्यवस्था को लेकर दिया निर्देश

डीसी ने कहा कि सभी कंप्यूटरों को लोकल एरिया नेटवर्क (लैन कनेक्शन) से जोड़ा जाए, ताकि इंटरनेट सेवा सभी को सुचारु रूप से मिले। उन्होंने निर्देश दिया कि कर्मचारियों के मोबाइल का मैक (एमएसी) नंबर दर्ज किया जाए, जिससे नेटवर्क सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अन्य कार्यालयों में भी यह व्यवस्था लागू करने को कहा गया।

पुराने सामान और फाइलों का प्रबंधन

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अनुपयोगी सामानों की सूची बनाकर नियमानुसार उनका निष्पादन किया जाए। पुराने फाइलों को स्कैन करके डिजिटल फाइल के रूप में तैयार किया जाए और उन्हें तीन अलग-अलग जगहों पर सुरक्षित रखा जाए, ताकि भविष्य में आसानी से उपयोग हो सके। उपायुक्त ने कहा कि स्वच्छ और अनुशासित कार्यालय ही अच्छे प्रशासन की पहचान है। सभी कर्मचारी मिलकर व्यवस्था को सुदृढ़ करें।

नदी में डूबे तीन बच्चों के शव बरामद, उपायुक्त ने किया निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो - धनबाद जिले के सीमावर्ती तेलमच्चो दामोदर नदी में नहाने के क्रम में धनबाद जिले के डूबे बच्चों की खोज एवं बचाव कार्य का गुरूवार शाम को उपायुक्त अजय नाथ झा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त (डीसी) ने जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार से राहत एवं बचाव कार्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मौके पर उपस्थित गोताखोर दल, स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस पदाधिकारियों एवं एनडीआरएफ की टीम को त्वरित और समन्वित ढ़ंग से कार्य करने का निर्देश दिया। लगातार प्रयास के उपरांत जिला प्रशासन के गोताखोर दल ने आज तीन बच्चों के शव को भी नदी से बरामद किया है। इस घटना में अब तक कुल चार बच्चों का शव बरामद किया गया है। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों द्वारा आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी की जा रही है तथा परिजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उपायुक्त अजय नाथ झा ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत बच्चों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि जिला प्रशासन बोकारो हरसंभव सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि वह नदी, तालाब या जलाशयों में नहाने या तैरने के दौरान सावधानी बरतें तथा बच्चों को बिना निगरानी जलश्रोंतों - नदियों के समीप नहीं जाने दें। राहत व बचाव कार्य की निगरानी स्वयं अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी एवं जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी द्वारा की जा रही है। मौके पर बीडीओ - सीओ चास, संबंधित थाना प्रभारी आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

झारखण्ड स्थापना दिवस पर सभी स्वास्थ्य संस्थानों में रक्तदान शिविर का होगा आयोजन : सिविल सर्जन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद की अध्यक्षता में झारखण्ड स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोकारो जिला के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि राज्य स्थापना दिवस का शुभारम्भ 11 नवम्बर 2025 से 16 नवम्बर 2025 तक किया जायेगा, जिसमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा हेल्थ कैम्प एवं रक्त दान शिविर का आयोजन सभी सरकारी एवं गैर सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में एक साथ किया जाना है। इसको लेकर सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि वह अपने स्तर से इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु पूर्ण रूप से तैयारी कर लें किसी भी प्रकार की कोई कोताही न बरती जाए। उन्होंने अन्त में सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि रक्तदान शिविर आयोजन करने से पहले सहिया, एएनएम एवं सीएचओ के माध्यम से इसका प्रचार-प्रसार भी करें ताकि शिविर में अधिकतम लोगों की पहुंच हो सके। बैठक में उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ एनपी सिंह बोकारो, आरसीएच पदाधिकारी डॉ सेलीना टूडू, सभी उपाधीक्षक अनुमण्डलीय अस्पताल बोकारो, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बोकारो जिला अन्तर्गत एवं जिला डाटा प्रबंधक कंचन सहित अन्य उपस्थित थे।

'नागरिक सुरक्षा' ने किया एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास अनुमंडल कार्यालय के सभागार में नागरिक सुरक्षा बोकारो की ओर से एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं दुर्घटना में घायल हुए व्यक्ति एवं प्राथमिक चिकित्सा देते हुए अस्पताल तक पहुंचाने से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। इसके तहत मानव शरीर के हड्डियों के टूटने का कारण एवं उसके प्रबंधकीय कार्य को प्रायोगिक रूप से समझाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सिविल डिफेंस बोकारो के डिविजनल वॉर्डन डॉ एस पी वर्मा ने कॉलर बोन, सीने की हड्डी, हांथ पैर के टूटने का प्राथमिक उपचार बताया। ज्ञातव्य हो कि उपायुक्त अजय नाथ झा के पहल पर नागरिक सुरक्षा बोकारो की ओर से प्रत्येक महीने में एक दिन इस तरह का आयोजन किया जाना है, जिसमें अनुमंडल कार्यालय परिसर स्थित सभी कार्यालयों के कर्मचारी एवं पदाधिकारी के साथ - साथ आगंतुकों को भी किसी भी प्रकार के आपदा विपदा से निपटने एवं जान - माल की सुरक्षा के लिए निपुण किया जाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सिविल डिफेंस के मदन मुरारी झा, जय प्रकाश सिंह, सभी कार्यालयों के पदाधिकारियों ने भरपूर सहयोग किया।

डीईओ सह डीसी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कैंप-टू स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी उपकरणों की स्थिति और विधिक मानकों के अनुपालन की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी को ईवीएम की मौजूदा स्थिति, सुरक्षा बंदोबस्त, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था, अग्निशमन यंत्र, यूपीएस बैकअप और अन्य तकनीकी सुविधाओं की अद्यतन जानकारी प्रदान की। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के तहत प्रत्येक माह एवं त्रैमासिक ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण अनिवार्य है, और मशीनों की स्थिति, सुरक्षा एवं उपकरणों की क्रियाशीलता संबंधी प्रतिवेदन मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग,रांची को नियमित रूप से भेजा जाना आवश्यक है। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्वाचन कार्यालय को निर्देश दिया कि समुचित प्रतिवेदन तैयार कर समय पर मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को प्रेषित कर दें। मौके पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री प्रेमचंद सिन्हा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे। मौके पर अपने कार्यालय कक्ष में उपायुक्त ने कई जरूरी फाइलों का निष्पादन भी किया।

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम आयोजित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज भाजपा धनबाद जिला कार्यालय में भाजपा धनबाद महानगर जिला के द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता को धनबाद के पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने प्रेस को सम्बोधित करते हुए कहा कि, 7 नवंबर 1875 को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम अपनी रचना के 150 वर्ष पूरे कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी इस जीत की वर्षगांठ को देश और प्रदेश में उत्सव के रूप में मनाएगी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकास के साथ ही विरासत को संजोने का कार्य कर रहे हैं। यह वह जीत है जिसने राष्ट्र की आत्मा को जागृत किया। एक ऐसा गीत जिसका पहला शब्द ही हम सभी हिंदुस्तानियों के हृदय में भावनाओं का तूफान ला देता है। वंदे मातरम वह राष्ट्रगीत है जिसने आजादी के आंदोलन के दौरान लाखों भारतीयों को देशभभक्ति ,त्याग और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना से ओत प्रोत किया। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल नई दिल्ली में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित एक वर्ष के स्मरण उत्सव का उद्घाटन करेंगे। भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पे देश भर के 150 स्थान पर एक साथ वंदे मातरम गया जाएगा। धनबाद में भी हम सभी जनता को साथ जोड़कर इस जीत से अभिव्यक्त होने वाली राष्ट्र भावना सशक्त बनाएंगे। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने कांग्रेस पर साधा निशाना पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने कहा कि, वंदे मातरम राष्ट्रीय अस्मिता से जुड़ा हुआ है, जो राष्ट्र प्रथम का संदेश देता है। परंतु समय-समय पर कांग्रेस ने तुष्टीकरण के कारण इसमें भी छेड़छाड़ करने का प्रयास किया है जो बेहद ही दुखद है। वंदे मातरम गीत की रचना बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में की थी। इस गीत को 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार गाया था। उन्होंने कहा कि ,उस समय यह गीत केवल स्वर नहीं था बल्कि यह ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एक बुलंद आवाज थी। 1905 के बंग आंदोलन से लेकर स्वतंत्रता संग्राम के प्रत्येक चरण में वंदे मातरम ने भारत वासियों के हृदय में जोश और एकता का संचार किया। इस अवसर पर जिला महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा राष्ट्रवाद की भावना से ओतप्रोत पार्टी है, और यह अवसर हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि हम राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि इस उपलक्ष्य में कल दिनांक 7 नवम्बर 2025 को भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला महानगर द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सामूहिक रूप से ह्ववंदे मातरम्ह्व का गायन किया जाएगा। जानकारी देते हुए श्री राय ने कहा कि राज्य के 150 स्थान पर कम से कम 150 लोग राष्ट्रीय गीत गाकर इसका शुभारंभ करेंगे। भाजपा धनबाद जिला महानगर के द्वारा धनबाद के लुबी सर्कुलर रोड कला भवन के सामने स्थित उत्सव भवन में भव्य कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। उन्होंने सामूहिक गाण में सभी शहर वासियों को आमंत्रित किया है। प्रेसवार्ता में भाजपा धनबाद महानगर के पदाधिकारी महामंत्री मानस प्रसून, धनेश्वर महतो, उपाध्यक्ष शेखर सिंह, जिला मंत्री सह मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, राजकिशोर जैना, रीता यादव, नित्यानंद मंडल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सदर अस्पताल बोकारो में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी का हुआ शुभारंभ : सिविल सर्जन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निर्देशन में सदर अस्पताल में लेप्रोस्कोपी का पहला सफल सर्जरी सम्पन्न हुआ। लेप्रोस्कोपी विधि से गोल ब्लाडर स्टोन की सर्जरी डॉ निशांत कुमार, डॉ सौरभ सांख्यान एवं उनकी टीम ने किया। यह सर्जरी बेरमो निवासी 27 वर्षीय प्रीति का किया गया जो पिछले कई वर्षों से इस पीड़ा को सहन कर रही थी। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि सदर अस्पताल बोकारो में लेप्रोस्कोपिक के माध्यम से यह पहला सर्जरी है जो सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। आगे इसका लाभ बोकारो की आम जनता को भी मिलेगा, जिससे हजारों रुपए के बचत के साथ साथ बड़ा सर्जरी से भी निजात मिलेगा। उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ एनपी सिंह ने बताया कि लेप्रोस्कोपिक सर्जरी अभी आयुष्मान भारत योजना के तहत शुरू की गई है। आम लोगों के लिए इस सुविधा का लाभ जल्द ही शुरू किया जायेगा। साथ ही धीरे धीरे अन्य सर्जरी की भी शुरूआत की जायेगी जिसको लेकर तैयारी चल रही है। सर्जरी के दौरान डॉ एनपी सिंह, डॉ निशांत कुमार, डॉ सौरभ सांख्यान एवं ओटी स्टाफ उपस्थित थे।

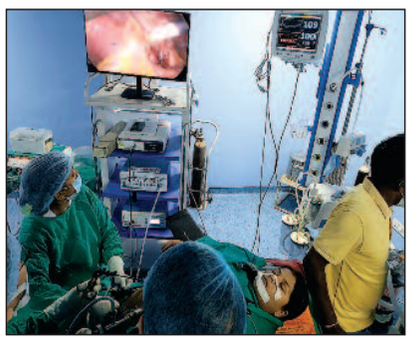

आईआरबी जवान का हत्यारा चढ़ा पुलिस के हत्थे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास थाना क्षेत्र में आईआरबी जवान अजय कुमार की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी बलराम तिवारी और उसके सहयोगी सूरज कुमार को धनबाद से गिरफ्तार कर लिया है। इनकी गिरफ्तारी एसपी द्वारा गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने की। गिरफ्तार बलराम तिवारी के पास से एक देशी पिस्तौल, तीन जिंदा कारतूस और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की गई है। इस संबंध में जानकारी चास के एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि यह घटना 27 अक्टूबर की देर शाम छठ पर्व के संध्या अर्घ्य के दौरान चास थाना क्षेत्र के आदर्श कॉलोनी स्थित छठ गायघाट छठ घाट पर हुई थी। घाट पर बलराम तिवारी और अंकित मंडल के बीच एक युवती को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद ने गंभीर रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। मौके पर मौजूद आईआरबी जवान अजय कुमार ने बीच-बचाव करने की कोशिश की और इस दौरान उसने बलराम तिवारी को थप्पड़ जड़ दिया। इस बात से नाराज होकर बलराम तिवारी वहां से अपने घर गया और वहां से एक देशी पिस्तौल लेकर लौट आया। उसने अजय कुमार पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। एसडीपीओ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि बलराम तिवारी की प्रेमिका ने हाल के दिनों में अंकित मंडल के साथ संपर्क बढ़ा लिया था, जिसके चलते बलराम और अंकित के बीच विवाद बढ़ गया। इसी विवाद के कारण हत्या हुई। अजय कुमार की मौत केवल इसलिए हुई क्योंकि उसने स्थिति को शांत करने की कोशिश की थी। पुलिस ने मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है।

हेमंत सरकार में लूट की छूट, ईमानदार अधिकारी परेशान : ढुलू महतो

विधायक अनूप सिंह पर लगाए आरोप

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सांसद सांसद ढुलू महतो ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि यह सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार और वसूली के तंत्र पर चल रही है। उन्होंने दावा किया कि हेमंत सरकार ने नेताओं से लेकर अधिकारियों तक को वसूली का टारगेट दे रखा है। सांसद ने कहा कि इसी कारण कई ईमानदार अधिकारी परेशान हैं और इस्तीफा देने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने डीजीपी अनुराग गुप्ता के इस्तीफे को भी इसी से जोड़ा और कहा कि संभव है, वे सरकार के वसूली टारगेट को पूरा नहीं कर पा रहे थे, इसलिए उन्हें पद छोड़ना पड़ा। ढुलू महतो ने आगे कहा कि बेरमो के कांग्रेस विधायक अनूप सिंह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कोयला कारोबार से अवैध रूप से अर्जित धन पहुंचाते हैं। इसी कारण उनका सरकार में खास प्रभाव है और मुख्यमंत्री उनका हर कदम पर संरक्षण करते हैं। सांसद ने आरोप लगाया कि अनूप सिंह सरकार के संरक्षण में कोयलांचल में कोयला लूट और अवैध खनन का खुला खेल चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की सह पर बड़े पैमाने पर कोयले की तस्करी और लूट मचाई जा रही है, लेकिन प्रशासन मौन है। सांसद ने सवाल उठाया कि आखिर क्या कारण है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अनूप सिंह को इतना संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनूप सिंह की पत्नी लोकसभा चुनाव हार चुकी हैं, इसके बावजूद उनकी सुरक्षा पर सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। यह जनता के पैसे की खुली बबार्दी है। ढुलू महतो ने आरोप लगाया कि अनूप सिंह ने कोयलांचल क्षेत्र में आतंक फैला रखा है। जो कोई भी कोयला लूट और भ्रष्टाचार का विरोध करता है, उसके खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज करा दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि उनके ऊपर भी एक झूठा केस किया गया है क्योंकि उन्होंने सरकार और उसके संरक्षण में चल रही लूट का विरोध किया। सांसद ने चेतावनी दी कि यदि हेमंत सरकार ने राज्य में व्याप्त लूट-खसोट और भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगाया, तो जनता आने वाले समय में इसका कड़ा परिणाम सरकार को भुगतने पर मजबूर करेगी।

बीजीएच सहित सेल के किसी भी अस्पताल का नही होने देंगे निजीकरण : बीएकेएस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जनरल अस्पताल के निजीकरण की प्रक्रिया शुरू होने के समाचार से बीजीएच कर्मियों सहित पुरे बीएसएल में चर्चा का बाजार गर्म है । जिसके बाद आक्रोशित बीजीएच कर्मियों के साथ बीएकेएस के प्रतिनिधियों ने बीजीएच कैंटीन में मीटिंग की। बीजीएच के साथ साथ सेल के अन्य यूनिटो में स्थित अस्पतालो के भी निजीकरण की प्रक्रिया शुरू किया गया है। जिसके कारण सभी यूनिटो में कर्मचारी तथा यूनियन आक्रोशित है । एक तरफ केंद्र तथा अन्य राज्य सरकारे अच्छे चिकित्सको को बहाल करने के लिए मुह माँगा वेतन का टेंडर कर रही है तो दूसरी तरफ सेल प्रबंधन अरबो की संपत्ति वाले अस्पतालों का निजीकरण कर रही है। इस खबर को सूनने के बाद सभी बीएसएल कर्मी आक्रोशित है, शैक्षणिक व्यवस्था के निजीकरण का दुष्प्रभाव सभी सेल कर्मी झेल ही रहे हैं। वैसे में चिकित्सीय सेवा का निजीकरण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

यूनियन द्वारा उठाए गए सवाल

1 . निजी अस्पतालो द्वारा दिया गया सेवा क्या गुणवत्तायुक्त तथा कम खर्चिला कैसे होगा ?

2 . जोखिम भरे इस्पात उत्पादन में दुर्घटना होने पर क्या गुणवत्ता युक्त तुरंत सेवा दिया जायेगा ?

बीएसएल के सिन्टर प्लांट ने रिकॉर्ड उत्पादन कर रचा नया इतिहास

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के सिन्टर प्लांट ने अपने उत्कृष्ट संचालन कौशल, सुदृढ़ टीम भावना और सतत प्रयासों के बल पर दैनिक एवं मासिक उत्पादन के नए रिकॉर्ड बनाए हैं। उल्लेखनीय है कि 5 नवम्बर 2025 को टीम सिन्टर प्लांट ने मात्र 2.5 मशीनों के संचालन से 19,088 टन ग्रॉस सिन्टर का उत्पादन कर अब तक का सर्वोच्च दैनिक उत्पादन रिकॉर्ड स्थापित किया। इससे पूर्व, 28 फरवरी 2020 को इसी क्षमता के साथ 19,039 टन का उत्पादन दर्ज किया गया था। गौरतलब है कि पर्यावरणीय मानकों में और अधिक सुधार के उद्देश्य से सिन्टर प्लांट के चार बैटरी-साइक्लोन को नवीनतम इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर (एरढ) से प्रतिस्थापित किया जा रहा है। इस दिशा में मशीन #1 के बैटरी-साइक्लोन #1 का प्रतिस्थापन 10 सितम्बर 2025 से किया जा रहा है। इस कारण सिंटर प्लांट में वर्तमान में 2.5 मशीनों का परिचालन ही हो रहा है। इन सीमित परिचालन परिस्थितियों के बावजूद, टीम सिन्टर प्लांट ने अपनी उत्कृष्ट कार्यक्षमता बनाए रखते हुए अक्टूबर 2025 माह में 2.5 मशीनों से सर्वाधिक 5,01,078 टन ग्रॉस सिन्टर का मासिक उत्पादन कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया था। इससे पूर्व मार्च 2020 माह में इसी क्षमता के साथ 4,72,245 टन उत्पादन दर्ज की गई थी। ज्ञातव्य है कि सिन्टर, इस्पात निर्माण प्रक्रिया का एक अत्यंत महत्वपूर्ण कच्चा माल है, जिसका उपयोग ब्लास्ट फर्नेस में हॉट मेटल के उत्पादन के लिए किया जाता है। सिन्टर न केवल ब्लास्ट फर्नेस की उत्पादकता बढ़ाने में सहायक है, बल्कि ईंधन की बचत, स्थिर धातुकर्म संतुलन, लागत नियंत्रण, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस उपलब्धि के पीछे टीम सिन्टर प्लांट के कर्मठ कर्मचारियों, अधिकारियों एवं ठेका श्रमिकों के परिश्रम,बेहतर समन्वय, संचालन में उत्कृष्टता और गुणवत्ता के प्रति सतत प्रतिबद्धता रही है। टीम द्वारा कच्चे मिश्रण के अनुपात में निरंतर सुधार, संचालन मानकों की निगरानी और तकनीकी दक्षता ने इस उल्लेखनीय सफलता को संभव बनाया। बीएसएल के अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री प्रिय रंजन एवं अधिशासी निदेशक(ऑपरेशन) श्री अनूप कुमार दत्ता के मार्गदर्शन में सिंटर प्लांट की टीम ने श्रेष्ठता के इस क्रम को आगे भी बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। वरिष्ठ अधिकारीयों ने मुख्य महाप्रबंधक (सिंटर प्लांट) श्री पी चौधरी एवं उनकी टीम को इस उपलब्धि पर बधाई दी है ।

बीएसएल की टीम ने जीता डायरेक्टर पर्सनल (रण नीति) कप

ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित ह्वरण नीतिह्व डायरेक्टर पर्सनल कप बिजनेस सिमुलेशन प्रतियोगिता में लगातार तीन वर्षों तक प्रतिष्ठित कप जीतकर बोकारो स्टील प्लांट ने अपनी अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है. गेम्स का ग्रैंड फिनाले एमटीआई रांची में आयोजित किया गया. वर्ष 2025 के ग्रैंड फिनाले में बोकारो स्टील प्लांट से उप महाप्रबंधक (एचएसएम) श्री राहुल सिंह, वरीय प्रबंधक (एचएसएम) श्री राहुल रंजन पांडा और वरीय प्रबंधक (सीटीएस) मो. ओवैस अहमद की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया. उल्लेखनीय है कि प्लांट-स्तरीय प्रतियोगिता के लेवल -1 में कुल 152 टीमों के बीच कड़े मुकाबले के पश्चात विभिन्न सेल प्लांट इकाइयों का प्रतिनिधित्व कर रहे 22 टीम सेमी फाइनल में पहुंचीं तथा उनमें से 12 उत्कृष्ट टीम एमटीआई रांची में आयोजित ग्रैंड फिनाले में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं. विजेताओं को सेल के निदेशक (कार्मिक) श्री केके सिंह द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया. बोकारो इस्पात संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर उप महाप्रबंधक (एचएसएम) श्री राहुल सिंह, वरीय प्रबंधक (एचएसएम) श्री राहुल रंजन पांडा और वरीय प्रबंधक (सीटीएस) मो. ओवैस अहमद की टीम को बधाई दी है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145665 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com